राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

11

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 226 पटना (बिहार) मंगलवार 17 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

इसराइल ने ईरानी सरकारी टीवी मुख्यालय पर लाइव बुलेटिन के दौरान की बमबारी

व्यूरो

इसराइल ईरान युद्ध में दोनों तरफ से हमले जारी हैं और दावे भी खूब किए जा रहे हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर जो फोटो और वीडियो सामने आ रही हैं, उससे लगता है कि तेलअवीव और तेहरान में काफी तबाही हुई है। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक सनसनीखेज घटना में इसराइली सेना ने सोमवार को तेहरान में ईरान सरकार के टेलीविजन IRIB के मुख्यालय पर हवाई हमला किया। इसके कारण लाइव प्रसारण अचानक बंद हो गया। इस हमले के दौरान एक समाचार एंकर को स्टूडियो में धूल और धुएं के बीच भागकर सुरक्षित स्थान की तलाश करनी पड़ी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हो रहा है। खबरों के अनुसार, इसराइली वायु सेना ने सोमवार को इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान न्यूज नेटवर्क यानी IRINN के मुख्यालय को निशाना बनाया। यह हमला उस समय हुआ जब एक समाचार एंकर लाइव प्रसारण के दौरान इसराइल की आलोचना कर रहा था। अचानक हुए विस्फोट के बाद स्टूडियो में धूल का गुबार छा गया और एंकर को प्रसारण छोड़कर सुरक्षित स्थान की ओर भागना पड़ा। ईरानी मीडिया ने बताया कि हमले के बाद प्रसारण तुरंत बंद हो गया। इसराइल ने इस हमले को 'ईरानी प्रोपेगेंड और उकसावे के मुखपत्र को समाप्त करने' की दिशा में एक कदम बताया। उन्होंने दावा किया कि यह हमला तेहरान के जिला 3 में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया, जहां कम्ब्रह का मुख्यालय भी स्थित है। इसराइली सेना ने क्षेत्र के निवासियों को पहले ही निकासी के लिए चेतावनी जारी की थी। ईरानी अधिकारियों ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और इसे अभूतपूर्व आक्रामकता करार दिया है। ईरान की सेना ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है और तेहरान में हवाई रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम ने बताया कि इस हमले में मुख्यालय की इमारत को मामूली नुकसान हुआ, लेकिन प्रसारण सेवाएं कुछ समय के लिए बाधित रहीं। ईरान ने सोमवार सुबह-सुबह इसराइल पर मिसाइलों की झड़ी लगा दी। इससे पूरे देश में रॉकेट सायरन बजने लगे। इसराइली अखबार यरुशलम पोस्ट के मुताबिक ताजा हमलों में सोमवार को पांच लोग मारे गए और कम से कम 87 घायलों का इलाज

यूनाइटेड हत्जाला एनजीओ द्वारा मध्य इसराइल के तीन अलग-अलग इलाकों में किया जा रहा है। इसराइल की इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज मैगन डेविड एडोम (एमडीए) ने कहा कि पीड़ितों में से चार में दो महिलाएं और दो पुरुष थे, जिनकी उम्र लगभग 70 वर्ष थी। बाद में रविवार की सुबह एक और व्यक्ति के मारे जाने की सूचना मिली। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है, पांच अन्य की हालत मध्यम है और अन्य 68 की हालत हल्की है। एमडीए ने बताया कि किसी भी अतिरिक्त हताहत का पता लगाने के लिए 4 में से 2 जगहों पर बचाव और तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इसराइल के पूरे केंद्र में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं, साथ ही कुछ मिसाइलों के टकराने की भी खबरें आईं। पेटा टिकवा नगरपालिका ने घोषणा की कि शहर की एक इमारत पर मिसाइल से हमला किया गया। पुलिस ने कहा है कि तेल अवीव में दो जगह सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं। आईडीएफ के होम फ्रंट कमांड ने रविवार रात और सोमवार सुबह के बीच इसराइल में नागरिकों को बंकरों या सुरक्षित स्थानों पर रहने के लिए कुछ मिनट पहले दूसरी चेतावनी जारी की। यमन के हूथियों ने भी सोमवार को मिसाइल दागी। केएएन ने कहा कि यमन में हूथियों द्वारा दागी गई मिसाइल के कारण सायरन भी लगभग उसी समय बजे। आईडीएफ ने लोगों से हमलों के स्थानों और रिकॉर्ड को प्रकाशित या साझा न करने के लिए भी कहा, क्योंकि दुश्मन अपनी हमला करने की क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए इन रिकॉर्ड पर नजर रखता है। ईरान द्वारा मिसाइलों के नवीनतम हमले के तुरंत बाद, इसराइल के उत्तर में ड्रोन घुसपैठ के सायरन बजने लगे, जिसमें रोश इलाका भी शामिल था। इसराइली रक्षा मंत्री कैट्ज ने सोमवार को ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल हमलों की निंदा करते हुए पर एक पोस्ट में कहा कि तेहरान के निवासियों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा की बैठक में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ता पर उठाया चप्पल

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना :भाजपा जिला कार्यालय में शनिवार को आयोजित संगठनात्मक बैठक में उस समय विवाद बढ़ गया जब महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा भारती और भाजपा जिला मंत्री उपेंद्र राजवंशी के बीच तीखी बहस हो गई। बहसबाजी इतनी बढ़ गई कि महिला मोर्चा अध्यक्ष ने चप्पल उठा लिया और कार्यकर्ता पर हमला करने के लिए उतारू हो गईं। इस पर जमकर हंगामा किया।

बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान पंखा (स्टैंड फैन) इधर-उधर करने को लेकर दोनों नेताओं के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद का रूप ले लिया। चप्पल उठाने की घटना से उपस्थित कार्यकर्ता और पदाधिकारी स्तब्ध रह गए। हालांकि मौके पर मौजूद अन्य नेताओं और कार्यकताओं ने दोनों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।घटना के संबंध में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार ने इस घटना पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पार्टी मे इस तरह का आचरण निंदनीय और अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। इस संबंध में पूरी जानकारी प्रदेश नेतृत्व को दी जाएगी और आवश्यक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी जाएगी।

होमगार्ड बहाली में दो मुन्ना भाई गिरफ्तार, फजीर्वाड़े का ऐसे हुआ खुलासा

क्राइम संवाददाता द्वारा

पूर्णियाःकटिहार के राजेंद्र स्टेडियम में चल रहे होमगार्ड की बहाली में बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया है। फिजिकल टेस्ट के दौरान दो युवक दूसरे अभ्यर्थी के जगह दौड़ में शामिल होने आए थे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में जानकारी देते हुए प्रभारी डीएसपी सद्दाम हुसैन ने बताया कि होमगार्ड की बहाली प्रक्रिया के तहत रोजाना अभ्यर्थी का बायोमेट्रिक मिलान किया जा रहा है। इसी क्रम में दो युवकों को संदेह के आधार पर रोक लिया गया। पूछताछ और दस्तावेजों की जांच में दोनों की पहचान फर्जी निकली। पहला मामला मनिहारी के अभ्यर्थी मनोज यादव से जुड़ा है, जिसके जगह भागलपुर जिला अंतर्गत लोदीपुर निवासी अभिषेक यादव फिजिकल टेस्ट देने पहुंचा था। वही दूसरा मामला मोहना चांदपुर निवासी कुमार अभिषेक से संबंधित है जिसकी जगह टीकापट्टी पूर्णिया के रहने वाले प्रवीण कुमार दौड़ में शामिल हुआ

मुजफ्फरपुर जंक्शन के पास मालगाड़ी बेपटरी, लिच्छवी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें बाधित

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुर जंक्शन के पास में एक हादसा हुआ है। कपरपुरा से ट्रैक के लिए गिट्टी को गिरा करके आ रही मालगाड़ी बेपटरी हो गई है। घटना के बाद मौके पर रेलवे के कई आला अधिकारी पहुंचे हैं। घटना के बाद कई ट्रेनों के परिचालन पर रोक लगा दी गई है। सोनपुर से एआरटी को बुलाया जा रहा है और इसको ठीक करने के बाद परिचालन को शुरू कर दिया जाएगा। दरअसल मुजफ्फरपुर जंक्शन के आगे हाजीपुर लाइन के पास में एक मालगाड़ी अचानक डिरेल हो गई है। बताया गया है कि ट्रेन जंक्शन की यार्ड में आ रही थी और तभी इस दौरान मालगाड़ी के एक डिब्बे पटरी से उतर गए जिसमें उक्त डिब्बे के दो पहिए है।रेलवे विभाग को जानकारी मिलने के बाद अब रेल महकमे में अफरातफरी मच गई है।घटनास्थल पर सोनपुर डीआरएम विवेक भूषण सूद स्टेशन मास्टर स्टेशन अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी पहुंच गए हैं। इस घटना से विभाग पर एक बार फिर से सवाल खड़े हो रहे हैं आपको बता दें कि बीते एक वर्ष में ऐसी तीन घटना हो चुकी।वही घटना के बाद से कई ट्रेनों के परिचालन को रोक दी गई है और कई ट्रेन जंक्शन पर रुकी हुई है।जिसके मुजफ्फरपुर पुणे एक्सप्रेस ट्रेन शामिल है। पूरे मामले पर सोनपुर मंडल के डीआरएम विवेक भूषण सूद ने बताया कि शाम को ब्लॉक में रैक को खाली कर लौट रही मालगाड़ी डिरेल हो गई है। उसमें दो पहिया जंक्शन के थोड़ा पहले उतर गया है, जिसके कारण मेन लाइन डिस्टर्ब हुआ है। इसको जल्द ठीक करा लिया जायेगा। जानकारी के बाद रेल के अधिकारी इसकी मरम्मती कराने में जुट गए हैं। मेन लाइन प्रभावित होने से इस रूट की कई ट्रेनों को रोक दिया गया है। जल्द ही सोनपुर से एटीआर की टीम मौके पर पहुंच कर ठीक करने का काम शुरू कर देगी। डीआरएम विवेक भूषण सूद का कहना है कि ट्रेनों को रोका गया है, अभी रूट डाइवर्ट करने की जरूरत नहीं है अगले एक से डेढ़ घंटे में इसको दुरुस्त कर लिया जाएगा। एक कोच के दो पहिए हट गए हैं, जिसके कारण रेल लाइन प्रभावित हुआ है जल्द ठीक कराया जा रहा है।

सांसद अशोक यादव का बेटा 32 घंटे बाद मिला, बगीचे में बैठा था विभूति

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

दरभंगा : मधुबनी सांसद अशोक यादव के बेटे विभूति कुमार यादव (24 वर्षीय) को आखिरकार पुलिस ने 32 घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर लिया है. सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस एक्टिव हो गई थी और सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा था. मधुबनी सांसद का बेटा सकुशल बरामदः मधुबनी से बीजेपी सांसद डॉ. अशोक यादव के बेटे विभूति यादव रविवार सुबह रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए थे. यह पूरी घटना जिले के लहेरियासराय थाना क्षेत्र के बंगालीटोला स्थित सांसद निवास का है, जहां से विभूति अचानक गायब हो गए. ₹युवक का मोबाइल घर पर ही था. सीसीटीवी फुटेज हम लगातार खंगाल रहे थे. उनके दिमाग में क्या आया कि घर से चले गए, कहा नहीं जा सकता है. घर से जाने का कारण पूछताछ के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा. अमित कुमार , रऊढड सदर बगीचे में मिला बैठाः सांसद पुत्र को पुलिस ने 32 घंटे के अंदर खोज निकाला है. विभूति सिमरी थाना क्षेत्र के एकमी शोभन बाईपास के एक बगीचे में बैठा हुआ मिला है. ₹वहीं बेटे के मिलने के बाद सांसद अशोक यादव ने कहा कि,

रात भर सोया नहीं हूं. अभी बेटे से बातचीत नहीं हुई है.पता नहीं चला कि उसने कुछ खाया है या नहीं. बातचीत के बाद ही पता चलेगा कि उसने ऐसा क्यों किया.₹- डॉ. अशोक यादव,बीजेपी सांसद दिल्ली में छ्छइ की पढ़ाईः विभूति दिल्ली में छ्छइ की पढ़ाई करता है. सेकेंड ईयर के छात्र कुछ दिन पहले ही अपने पिता अशोक यादव के साथ दरभंगा लौटे थे. रविवार की सुबह काले रंग का हाफ पैंट और टी-शर्ट पहनकर आवास परिसर में टहल रहे थे. घर से हुआ था लापताः सांसद डॉ. अशोक यादव ने लहेरियासराय में लिखित आवेदन देकर गुमशुदी का रिपोर्ट दर्ज कराया था. उसके बाद पुलिस सक्रिय हो गई और इश्तेहार चिपकाकर विभूति की खोजबीन शुरू की गई. जानकारी के अनुसार सांसद पुत्र रविवार की सुबह अपने घर के अंदर टहल रहा था. घर में ही था विभूति का मोबाइलः घर के गार्ड की नजर जैसे ही विभूति से ओझल हुई न जाने विभूति कब घर से बाहर निकल गया. कुछ देर घर में नहीं देखे जाने के बाद लोगों ने इसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन विभूति का कुछ पता नहीं चला. तालाशी में विभूति का मोबाइल भी घर के अंदर मिला था. 32 घंटे तक परेशान रहे परिजनः इसके बाद सांसद सहित परिवार बेचैन हो गया. सभी ने अपने रिश्ते नाते सगे संबंधी से भी संपर्क किया, लेकिन लापता विभूति का कुछ पता नहीं चला. अंत मे सांसद अशोक यादव ने खुद इसकी सूचना दरभंगा के लहेरियासराय थाने को लिखित रूप से दी और दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी से भी बात कर घटना की पूरी जानकारी दी. घर पर लगी थी लोगों की भीड़ः पुलिस लगातार विभूति की खोज में लगी रही, लेकिन लापता विभूति का सुराग नहीं मिल रहा था. ऐसे में परिवार वाले ओर उनके शुभचिंतकों के अंदर बेचैनी बढ़ गई और लगातार सांसद अशोक यादव के घर उनके शुभचिंतको का आना जाना लगा रहा.

बिहार में तीन पुलिस ऑफिसर पर बड़ी कार्रवाई, जानें क्या है पूरा मामला

क्राइम संवाददाता द्वारा

सारणः बिहार के सारण के एसएसपी डॉ कुमार आशीष ने बड़ी कार्रवाई की है. मांझी के थाना प्रभारी सहित तीन पुलिस पदाधिकारी को निलंबित किया है. एसएसपी की इस कार्रवाई से जिला पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है. मारपीट और दुर्व्यवहार का आरोपः दरअसल, एसएसी को एक आवेदन पत्र प्राप्त हुआ था, जिसमें मांझी थाना के पुलिस पर मारपीट करने सहित अन्य आरोप लगाए गए थे. उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ सदर-02 को जांच का निर्देश दिया. जांच में सामने आया कि मांझी थाना में पदस्थापित प्रशिक्षु पुलिस अवर निरिक्षक आरती कुमारी विगत 01 वर्ष से आवेदिका के मकान में एक कमरा किराये पर लेकर रह रही थी. इसी क्रम में पूर्व में मकान मालिक के भगिना के पुत्री का अपहरण से संबंध में मांझी थानान्तर्गत दर्ज कांड सं0-273/22 का अनुसंधानक आरती कुमारी को बनाया गया. मकान मालिक से विवादः आरती कुमारी द्वारा अपहता की बरामदगी उपरांत माननीय न्यायालय में धारा-183 में इठरर के तहत बयान दर्ज कराकर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार अपहता को उसके ससुराल पक्ष को सुपूर्द कर दिया गया. उसी समय से मकान मालिक परिवार और आरती कुमारी के बीच मतभेद शुरू हो गया.

मकान मालिक के द्वारा आरती कुमारी को रूम खाली करने के लिए दबाव बनाया जाने लगा. इसी बीच दिनांक 13 जून 2025 को मकान खाली करने को लेकर आवेदिका के देवर अरुण कुमार और आरती कुमारी के बीच बहस हो गई. शक्ति का दुरुपयोगः आरती कुमारी ने इसकी सूचना थाना को दी. इसके उपरांत मांझी थानाध्यक्ष अमित कुमार पुलिस इंस्पेक्टर विपुल कुमार सिंह और अन्य सिपाही के साथ आवेदिका घर पर आकर मामले की जंच किए बिना बल का अनुचित प्रयोग कर अरुण कुमार एवं मोनु कुमार को जबरन पकड़कर थाना ले आए. जांच के बाद सच्चाई आया सामनेः आरती कुमारी के आवेदन के आधार पर मांझी थाना में कांड दर्ज करते हुए उक्त पकड़े गए दोनों अभियुक्तों न्यायिक हिरासत में भेजा गया. इसका वीडियो भी है, जिसमें मांझी थाना के पुलिस पदाधिकारियों द्वारा आवेदिका के परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है. जांच में यह भी ज्ञात हुआ कि आरती कुमारी के द्वारा घटना के संबंध में बढ़ा-चढ़कर गंभीर आरोप लगाकर मांझी थाना को सूचित किया. मामले गंभीर एवं संगीन बनाने के उद्देश्य से थानाध्यक्ष द्वारा मामले की जंच किए बिना ही धारा-109/132 BNSS का समावेश जानबूझकर किया गया है. तीनों अधिकारी निलंबितः एसडीपीओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर थानाध्यक्ष अमित कुमार, पुअनि विपुल कुमार सिंह और प्रभारी पुअनि आरती कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए 05 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की गई है. इस बात की जानकारी सारण एसएसपी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी.

के एसएसपी डॉ कुमार आशीष ने बड़ी कार्रवाई की है. मांझी के थाना प्रभारी सहित तीन पुलिस पदाधिकारी को निलंबित किया है. एसएसपी की इस कार्रवाई से जिला पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है. मारपीट और दुर्व्यवहार का आरोपः दरअसल, एसएसी को एक आवेदन पत्र प्राप्त हुआ था, जिसमें मांझी थाना के पुलिस पर मारपीट करने सहित अन्य आरोप लगाए गए थे. उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ सदर-02 को जांच का निर्देश दिया.

जांच में सामने आया कि मांझी थाना में पदस्थापित प्रशिक्षु पुलिस अवर निरिक्षक आरती कुमारी विगत 01 वर्ष से आवेदिका के मकान में एक कमरा किराये पर लेकर रह रही थी. इसी क्रम में पूर्व में मकान मालिक के भगिना के पुत्री का अपहरण से संबंध में मांझी थानान्तर्गत दर्ज कांड सं0-273/22 का अनुसंधानक आरती कुमारी को बनाया गया. मकान मालिक से विवादः आरती कुमारी द्वारा अपहता की बरामदगी उपरांत माननीय न्यायालय में धारा-183 में इठरर के तहत बयान दर्ज कराकर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार अपहता को उसके ससुराल पक्ष को सुपूर्द कर दिया गया. उसी समय से मकान मालिक परिवार और आरती कुमारी के बीच मतभेद शुरू हो गया.

जमाई Vs मामा आयोग ! इंट्रेस्टिंग हुआ बिहार का 'दामाद एडजस्टमेंट पॉलिटिक्स

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार की राजनीति में परिवारवाद, दामादवाद और भाई-भतीजावाद का मुद्दा अब बेटियों तक पहुंच गया है। बिहार में आयोग के गठन में नेताओं के करीबी लोगों को शामिल किए जाने पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की ओर से 'जमाई आयोग' बनाने की सलाह दी गई। इस पर बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव को अपने पिता का कार्यकाल देखना चाहिए और पूछना चाहिए कि उस दौरान 'मामा आयोग' क्यों नहीं बनाया गया था? मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव ने जिन तीन व्यक्तियों पर सवाल उठाए हैं, तीनों दलित परिवारों से आते हैं। ये दिखाता है कि राजद के लोगों में कितना दलित प्रेम बसा हुआ है। अशोक चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव, रामविलास पासवान के दामाद पर सवाल खड़े कर रहे हैं, तेजस्वी यादव को पता होना चाहिए कि वो उस समय से राजनीति में हैं, जब वे हाफ पैंट में घूमा करते थे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी पार्टी को महत्व दिया है। पार्टी का मुखिया अपने लोगों को महत्व देता ही है। इसमें नया क्या है? तेजस्वी यादव को पता होना चाहिए कि कैसे लालू प्रसाद यादव अपने लोगों को महत्व देते थे। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि मेरे दामाद (सायण कुणाल) पर सवाल करने से पहले तेजस्वी यादव को ये पता होना

चाहिए कि वो तो दो साल से मेरे दामाद हैं और उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसके लिए मैंने नीतीश कुमार से सिफारिश नहीं की है और न ही जदयू कोटे से उन्हें कुछ मिला है। अगर उन्हें कोई जिम्मेदारी मिली है तो वो आरएसएस कोटे से मिली है। उन्होंने ये भी कहा कि लालू यादव के कार्यकाल में क्या दौर था? उस वक्त 'मामा आयोग' क्यों नहीं बनाया गया? नीतीश कुमार पर आरोप लगाने के लिए जब कोई मुद्दा नहीं मिलता है तो कुछ न कुछ बहाना ढूंढते हैं। अगर बहस करनी है तो उन्हें विकास के मुद्दे पर बहस करनी चाहिए। लालू यादव के कार्यकाल में 2.3 प्रतिशत विकास दर थी। अपराधियों को संरक्षण प्राप्त था। यहां तक कि जंगलराज की बात हाईकोर्ट ने कही थी, किसी राजनीतिक दल ने नहीं। बिहार की राजनीति में फिर से हलचल है। रविवार को फखऊ ऑफिस में तेजस्वी यादव ने प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने नीतीश कुमार की सरकार पर कई आरोप लगाए। तेजस्वी ने कहा कि सरकार में नेताओं के रिश्तेदारों को ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। #BihÔr #TejÔshwiYÔdÔv pic.twitter.com/ouFmsvxjlv

बिहार की सियासत में परिवारवाद, दामादवाद और भाई-भतीजावाद का मुद्दा अब बेटियों तक पहुंच गया है। तेजस्वी यादव ने संजय झा की दो बेटियों, अद्या झा और सत्या झा को सुप्रीम कोर्ट में ग्रुप-ए पैनल काउंसल (वकील) के रूप में नियुक्ति पर सवाल उठाए। इसका जवाब भी अशोक चौधरी ने दिया। उन्होंने कहा कि कोई तेजस्वी की तरह पढ़कर आई हैं? हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से एलएलएम करके आई हैं। किसी का बच्चा अगर क्लाइफाइड और उसको ऑपर्चुनिटी मिलता है अगर बाप उसको थोड़ा पुश करता है

क्या ईरान के साथ हुआ है धोखा? कौन रुकवा सकता है इजरायल के साथ जारी भीषण जंग

> “ हमले से ठीक पहले अमेरिका ने इस्राइल के त्रि-स्तरीय सुरक्षा ढांचे के लिए मिसाइलों की आपूर्ति की और अपनी ओर से हमले का यह परोक्ष तर्क भी गढ़ा कि ईरान को 60 दिन में अपना एटमी ढांचा बंद करने पर राजी हो जाने का जो अल्टीमेटम उसने दे रखा था, वह अवधि पूरी हो चुकी है। इस्राइली समझदारी की बुनियाद यह है कि ईरान ने लंबे समय से उसके खिलाफ जिन ताकतों के जरिये प्रॉक्सी-वॉर छेड़ रखा था, पिछले एक साल के अंदर वे सब की सब तबाह हो चुकी हैं। उत्तर में लेबनान पर हमला करके उसने हिज्बुल्ला की कमर तोड़ दी, जिसके चलते ईरान और रूस के लिए सीरिया में अपनी समर्थक बशर अल असद सरकार को बचाना संभव नहीं हुआ। वहां नई-नई आई सुन्नी कट्टरपंथियों की हुकूमत और चाहे जो करे, ऐसा तो कुछ भी नहीं करेगी, जिससे ईरान के हाथ मजबूत होते हों। दक्षिण में इस्राइल का कष्ट गाजापट्टी के फलस्तीनियों का प्रतिनिधित्व कर रहे हमास और यमन के एक हिस्से पर काबिज हूती बागियों से रहा है। इनमें पहला खत्म है और दूसरा कमजोर हो गया है।

चंद्रभूषण

इस्राइल और ईरान की लड़ाई शुरू हुए अभी हफ्ता भी नहीं गुजरा है, लेकिन युद्धों के इतिहास में इसका मुकाम कुछ अलग ढंग का ही लगने लगा है। आबादी और क्षेत्रफल में ईरान से बहुत छोटा होने के बावजूद इस्राइल का पलड़ा तकनीक, युद्ध कौशल, पूंजी और बाहरी समर्थन की दृष्टि से बहुत भारी है, लेकिन अचानक हमले के सारे फायदे लेकर भी नुकसान उसको इस लड़ाई में बराबर का हो रहा है।

ईरान से धोखा : अभी तक के घटनाक्रम को देखते हुए ईरान बासबूत यह दावा कर सकता है कि उसके साथ धोखा हुआ है। यूरेनियम एनरिचमेंट को लेकर अमेरिका के साथ उसकी बातचीत अभी चल ही रही थी। उसने परमाणु बम बना लिया है या इसके बहुत करीब है, ऐसा कोई सुराग लगातार उसके एटमी ढांचे पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था IAEA को भी नहीं मिला था।

हमला क्यों : इससे बड़ी बात यह कि इस्राइल खुद न जाने कब से एटम बमों का जखीरा दबाए बैठा है, जिसके बारे में पूछने पर उसके अधिकारी न कभी हां कहते हैं न ना बोलते हैं। ऐसे में आखिर किस दलील से इस्राइल ने अचानक दो सौ युद्धक विमान लेकर उस पर हमला बोल दिया और उसके कुछ शीर्ष सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को उनके परिवार और पड़ोसियों सहित सोते में ही मौत के घाट उतार दिया?

अमेरिका से मदद : यह हमला इस्राइल ने निश्चित रूप से काफी सोच-समझ कर किया है और अमेरिका की ओर से उसको इसमें भरपूर मदद हासिल हुई है। हमले से ठीक पहले अमेरिका ने इस्राइल के त्रि-स्तरीय सुरक्षा ढांचे के लिए मिसाइलों की आपूर्ति की और अपनी ओर से हमले का यह परोक्ष तर्क भी गढ़ा कि ईरान को 60 दिन में अपना एटमी ढांचा बंद करने पर राजी हो जाने का जो अल्टीमेटम उसने दे रखा था, वह अवधि पूरी हो चुकी है।

ईरान इधर कमजोर हुआ : इस्राइली समझदारी की बुनियाद यह है कि ईरान ने लंबे समय से उसके खिलाफ जिन ताकतों के जरिये प्रॉक्सी-वॉर छेड़ रखा था, पिछले एक साल के अंदर वे सब की सब तबाह हो चुकी हैं। उत्तर में लेबनान पर हमला करके उसने हिज्बुल्ला की कमर तोड़ दी, जिसके चलते ईरान और रूस के लिए सीरिया में अपनी समर्थक बशर अल असद सरकार को बचाना संभव नहीं हुआ। वहां नई-नई आई सुन्नी कट्टरपंथियों की हुकूमत और चाहे जो करे, ऐसा तो कुछ भी नहीं करेगी, जिससे ईरान के हाथ मजबूत होते हों। दक्षिण में इस्राइल का कष्ट गाजापट्टी के फलस्तीनियों का प्रतिनिधित्व कर रहे हमास और यमन के एक हिस्से पर काबिज हूती बागियों से रहा है। इनमें पहला खत्म है और दूसरा कमजोर हो गया है। ऐसे में जमीन पर इस्राइल को उलझाए रखने के लिए ईरान कुछ भी नहीं कर सकता।

हवाई युद्ध का स्वरूप : जाहिर है, लड़ाई का अकेला स्वरूप हवाई युद्ध का ही बचा है, जिसमें ईरान की वायुसेना हमले और बचाव, दोनों दृष्टियों से कुछ खास काम की नहीं है। दोनों देशों की जमीनी दूरी इतनी ज्यादा है कि युद्धक विमान बीच में ही दोबारा तेल भरे बिना दूसरे देश पर बमबारी करके घर वापसी नहीं कर सकते। ईरानी जहाज यह काम न तो कहीं रुककर कर सकते हैं, न ही उनके पास एयर टैंकरों का इंतजाम है जबकि इस्राइल के पास दोनों सुविधाएं मौजूद हैं।

क्या था मकसद : रही बात हवाई हमलों से बचाव की, तो ईरानी लड़ाकू विमान डॉगफाइट के लिहाज से बहुत पुराने हैं और एंटी-एयरक्राफ्ट बैटरीज का जमीनी ढांचा इस्राइल ने बीते एक साल में अपने दो ऑपरेशनों के जरिये काफी कुछ तबाह कर डाला है। ऐसे में अचानक हमले से तीन मकसद उसे साधने थे - सेना और एटॉमिक रिसर्च के शीर्ष ढांचे को खत्म करना, बची-खुची एंटी-एयरक्राफ्ट बैटरीज को नष्ट करना और परमाणु बम बनाने की संभावना वाली सभी जगहों को बम मारकर कुछ साल पीछे धकेल देना।

परमाणु ठिकाने सुरक्षित : लेकिन ईरान के सभी परमाणु ठिकाने सुरक्षित हैं। दरअसल, इनकी बनावट इतनी मजबूत रखी गई है कि अमेरिका के बी-2 बमवर्षकों से गिराए गए आठ टन वजनी बम ही इनका कुछ बिगाड़ सकते हैं। इस्राइल के दो टन से भी कम वजन वाले कन्वेंशनल वॉरहेड इनके दफ्तरों की टाइलें और शीशे ही झाड़ पाते हैं। रही बात लड़ाई के भविष्य की, तो ईरान ने जवाबी तौर पर इस्राइल के फौजी और रिहाइशी ठिकानों पर घातक मिसाइलें दागकर और इस्राइल ने ईरान के तेल-गैस ठिकानों पर बम मारकर इसके लंबी खिंचने का इंतजाम कर दिया है।

पुतिन-ट्रंप पहल करें : ईरान की ओर से इसका दायरा और बढ़ाने वाला अगला कदम होरमुज जलडमरूमध्य पर कब्जे का हो सकता है, जिससे होकर दुनिया का 20% फ्यूल गुजरता है। तेल की कीमतें अभी ही उछाल मार चुकी हैं तो खाड़ी की नाकेबंदी से अमेरिका को विश्वरक्षक सुपरमैन की तरह लड़ाई में कूदने का तर्क मिल जाएगा। इससे लड़ाई पूरी तरह एकतरफा हो जाएगी, लेकिन थमने तक दुनिया का काफी नुकसान हो चुका होगा। बेहतर होगा, पूतिन और ट्रंप इसके पहले ही आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिए अकेली उम्मीद है, हालांकि यूरोपीय संघ को और कुछ हद तक चीन को भी यह बहुत अच्छा नहीं लगेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पसमांदा मुसलमानों के सहारे सियासी जमीन तलाशती बीजेपी , क्या टूटेगा लालू यादव का मुस्लिम किला?

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : भाजपा अब पसमांदा मुसलमानों को लेकर अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव करती नजर आ रही है. पहली बार पार्टी ने इस समुदाय को केंद्र में रखकर पसमांदा सम्मेलन आयोजित कर रही है. बीजेपी नेता अब खुलकर मंचों से यह कह रहे हैं कि पसमांदा समाज उनकी प्राथमिकता में है. एनडीए परंपरागत वोट बैंक से इतर पार्टी अब अल्पसंख्यक समुदाय, विशेष रूप से पसमांदा मुसलमानों को साधने की रणनीति पर काम कर रही है।

बिहार की सियासत में पसमांदा: बीजेपी परंपरागत रूप से हिंदू वोट बैंक पर केंद्रित भाजपा अब बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मुस्लिम समाज के पसमांदा तबके की ओर भी हाथ बढ़ा रही है. पार्टी की रणनीति साफ है. राजनीतिक दायरे को बढ़ाना और सामाजिक समीकरणों को फिर से गढ़ना. पसमांदा सम्मेलन इस बात के संकेत हैं कि भाजपा अब सामाजिक समरसता के जरिए बिहार की राजनीति में नई लकीर खींचना चाहती है.

पसमांदा समाज से कोई बैर नहीं: भाजपा पहली बार खुलकर पसमांदा मुसलमानों को साधने के लिए सम्मेलन आयोजित कर रही है. पार्टी नेता भी अब सार्वजनिक मंचों से यह स्वीकार कर रहे हैं कि पसमांदा समाज से उनका कोई बैर नहीं है, बल्कि वे उनकी चिंता और भागीदारी को महत्व देते हैं.

27 जातियां अति पिछड़ा संवर्ग में: बिहार में 17.70% आबादी मुसलमानों की है और मुसलमानों की आबादी में 75 से 80% आबादी पसमांदा मुसलमानों की है. अति पिछड़ा वोट बैंक की अगर बात कर ले तो बिहार में कुल मिलाकर 112 जातियां अति पिछड़ा समुदाय में है 112 में 27 जातियां अल्पसंख्यक समुदाय से है. भाजपा की नजर 27 जातियों पर है जो राजनीति और विकास के दौड़ में पीछे रह गए हैं.

आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर : बिहार में जातिगत जनगणना 2022-23 के आंकड़ों ने राज्य के सामाजिक ढांचे की गहराई से पड़ताल की है. इस जनगणना से स्पष्ट हुआ है कि मुसलमानों की आबादी न केवल धार्मिक दृष्टि से विविध है, बल्कि जातीय स्तर पर भी अनेक वर्गों में विभाजित है. विशेष रूप से पसमांदा मुसलमान जो पिछड़े, अति पिछड़े और दलित वर्गों से आते हैं. उसकी सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है.

'हमारी पार्टी सबकी चिंता करती है. हम जमीनी स्तर पर मुसलमानों के बीच जा रहे हैं और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पसमांदा समाज को मिल रहा है. हमारे नेता लगातार इस समुदाय से संवाद कर रहे हैं।

बीजेपी कार्यालय में पसमांदा सम्मलेन: भाजपा के मीडिया सह प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि बीजेपी के नेता सीधे समुदाय के बीच जाकर यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ उन्हें कैसे मिल रहा है और सरकार उनकी बेहतरी के लिए किन स्तरों पर काम कर रही है. इसी दिशा में भाजपा बिहार प्रदेश कार्यालय में एक विशेष सम्मेलन आयोजित करने जा रही है जिसमें प्रदेश के कई बड़े नेता शामिल होंगे। 'पसमांदा मुसलमान राजनीति और विकास की दौड़ में अब तक पीछे रह गए हैंय भाजपा इस वर्ग को जोड़ने की कोशिश में है, जैसा प्रयोग उसने उत्तर प्रदेश में किया था।

एनडीए के लिए चमत्कार से कम नहीं: बिहार की राजनीति में पसमांदा मुसलमानों को लेकर हलचल तेज हो गई है. वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक कौशलेंद्र प्रियदर्शी का मानना है कि अगर भाजपा बिहार में भी कुछ प्रतिशत पसमांदा मुसलमानों के वोटबैंकमें सेंध लगाने में कामयाब हो जाती है, तो यह एनडीए के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं होगा.

मुस्लिम-यादव समीकरण बड़ी ताकत : उन्होंने यह भी कहा कि यह स्थिति लालू प्रसाद यादव और उनके गठबंधन के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है. क्योंकि अब तक मुस्लिम-यादव समीकरण महागठबंधन की सबसे बड़ी ताकत माने जाते रहे हैं.

बिहार में चुनाव कब होंगे ?: बिहार की वर्तमान यानी नीतीश सरकार का कार्यकाल 23 नवंबर 2020 से शुरू हुआ था. नीतीश सरकार का कार्यकाल इस साल यानी 2025 में 22 नवंबर तक है. जाहिर है कि इससे पहले चुनाव होंगे. माना जा रहा है कि सितंबर से अक्टूबर के बीच आचार संहित लग जाएगी. माना ये भी जा रहा है कि अक्टूबर से नवंबर के शुरुआती हफ्ते के बीच वोटिंग और मतों की गिनती संपन्न कराई जा सकती है.

लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ हुए अलग? जानिए किस वजह से हुआ दोनों गैंगस्टर्स का ब्रेकअप

ब्यूरो

साबरमती जेल में बंद हाई-प्रोफाइल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ के बीच बड़ी दरार उभरकर सामने आई है। इससे सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसियों और राज्य पुलिस फोर्स के लिए उनके सिंडिकेट पर नजर रखना बड़ी चुनौती बन गया है। बिश्नोई और बराड़ अलग हो गए हैं। इंडियन एक्सप्रेस को सूत्रों ने बताया कि सेंट्रल एजेंसियों ने उनके कई सहयोगियों से पूछताछ की थी। एक अधिकारी ने बताया, 'दोनों गैंगस्टरों ने साथ काम करना बंद करने का फैसला किया है। गोल्डी ने अजरबैजान के रोहित गोदारा के साथ काम करना शुरू कर दिया है, जबकि बिश्नोई अब कनाडा के नोनी राणा के साथ जुड़ गया है।' इस घटनाक्रम पर हाल ही में पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के पुलिस अधिकारियों ने एनआईए के साथ चर्चा की थी। अब दोनों के बीच विवाद की बात करें तो गोल्डी बराड़ और सचिन गोदारा ने लॉरेंस के भाई के मामले को अमेरिका में सही से नहीं संभाला था। सूत्रों ने बताया, 'सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसियों को सूचना मिली थी कि बराड़ और गोदारा ने अनमोल को जरूरी जमानत बांड दाखिल करने में मदद नहीं की। अनमोल को बाद में रिहा कर दिया गया। अनमोल को नवंबर 2024 में अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारियों ने फर्जी डॉक्यूटमेंट्स के साथ यात्रा करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। वह कथित तौर पर मई 2022 में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल था और पिछले साल एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या का मास्टरमाइंड था। राज्य पुलिस अधिकारियों को पता चला कि पिछले कुछ महीनों से हरियाणा के यमुनानगर के कुख्यात गैंगस्टर काला राणा का छोटा भाई नोनी राणा अमेरिका से फोन कर बिश्नोई की ओर से पैसे इकट्ठा कर रहा है। सूत्र ने कहा, 'आजकल, गैंगस्टर सीधे अमेरिका से जबरन वसूली के लिए कॉल नहीं करते हैं, बल्कि अन्य देशों से जुड़ी वीपीएन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं।' बराड़ और गोदारा का जिक्र करते हुए सूत्रों ने कहा, 'पिछले महीने, उन्होंने कनाडा के मिसिसॉगा में अपने ऑफिस के बाहर ट्रकिंग सिक्योरिटी और बीमा कंसल्टेंसी चलाने वाले कारोबारी हरजीत सिंह की हत्या के लिए सोशल मीडिया पोस्ट में जिम्मेदारी ली थी। उन्होंने लॉरेंस और गिरोह के अन्य सदस्यों का नाम नहीं लिया, जो वे आमतौर पर ऐसे पोस्ट में करते हैं। मूसेवाला और सिद्दीकी की हत्याओं के अलावा बिश्नोई का नाम पिछले तीन सालों में सलमान खान को दी गई कई धमकियों के संबंध में सामने आया है। इसमें एक्टर के घर के बाहर गोली चलाना भी शामिल है। इस बीच, कनाडा ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा की धरती पर आतंक फैलाने के लिए बिश्नोई गिरोह के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। क्राइम की दुनिया में अपने शुरुआती दिनों में लॉरेंस ने बराड़, काला राणा और अन्य के साथ मिलकर एक टीमें बनाई थीं। सूत्रों ने बताया कि बाद में बिश्नोई ने धनंजय सिंह, जग्गू भगवानपुरिया, काला जठेड़ी, रोहित गोदारा और रोहित मोई और हाशिम बाबा के गैंगस्टरों के साथ गठजोड़ करके एक बिजनेस मॉडल बनाया। सूत्रों ने एक्सप्रेस को बताया, 'उनके बीच सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन फिर सब कुछ बदलने लगा। सबसे पहले भगवानपुरिया के साथ उनके अहम का टकराव हुआ, जो उन्हें हथियार मुहैया करा रहा था और उनसे और पैसे मांग रहा था। कुछ समय बाद काला जठेड़ी भी अलग हो गया, जब उसे पता चला कि गोदारा और बराड़ उसके गढ़ हरियाणा में कई लोगों को जबरन वसूली के लिए कॉल कर रहे थे।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में 50 खेल के मैदान डेवलप करेगा

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

दंतेवाड़ा : मास्टर ब्लास्टर के नाम से मशहूर सचिन तेंदुलकर ने बस्तर के बच्चों और खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा फैसला किया है. सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में 50 खेल के मैदान विकसित करेगा. नक्सलवाद का दशकों से दंश झेल रहा दंतेवाड़ा तेजी से अपनी सुंदरता और प्रतिभा के लिए जाना जाने लगा है. दिग्गज क्रिकेटर रहे सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन की ओर से स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर एक अनूठी पहल पर काम कर रहा है. योजना के तहत अबतक 20 से ज्यादा खेल के मैदानों को विकसित किया जा चुका है. कुल 50 खेल के मैदान सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन की मदद से विकसित किए जाने हैं।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन : दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया कि "इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक बाकि का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।

मानदेशी फाउंडेशन : बस्तर के मानदेशी फाउंडेशन के सहयोग से सचिन तेंदुलकर दंतेवाड़ा के 50 खेल मैदानों का कायकल्प करा रहे हैं. सचिन तेंदुलकर की इस पहल से इलाके के युवाओं की न सिर्फ खेल में रुचि बढ़ेगी बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक विकास भी होगा. समाज की मुख्यधारा से भटके युवाओं को खेल से जोड़ा जाएगा और इससे नक्सलवाद के खात्मे में मदद मिलेगी. खेल न सिर्फ जीवन को अनुशासित बनाता बल्कि प्रतिस्पर्धा के जरिए हमें बहेतर लक्ष्य की ओर भी ले जाता है. नए खेल मैदानों के बनने से यहां के युवाओं की खेल में रुचि बढेगी और वो राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का भी लोहा मनवाएंगे। दंतेवाड़ा जिले के छिंदनार में खेल का आयोजन किया जा रहा है. इस आयोजन में फुटबॉल, खो खो, कबड्डी के साथ साथ जंगल जिम (जिसे क्लाइम्बिंग फ्रेम भी कहा जाता)जैसे स्पोर्टस भी होंगे. खेल मैदानों का निर्माण फाउंडेशन स्थानीय लोगों के साथ मिलकर कर रही है. कोई बाहरी ठेकेदार इसका निर्माण नहीं कर रहे हैं. छिंदनार में बना यह मैदान सैम्पल मैदान है. जिसमें 50 गांवों के 100 युवाओं को ट्रेनिंग दी गई है. जिसके बाद दूसरे भाग में 50 गांवों के लोग अपने क्षेत्र में जाकर अपने लिए मैदान बनाएंगे. निर्माण कार्य के लिए फाउंडेशन और जिला प्रशासन पूरी निर्माण सामग्री और काम के लिए लोगों की व्यवस्था करेगी मैं बड़े गुडरे पोटाकेबिन से ट्रेनिंग लेने के लिए छिंदनार पहुंचा था. सबसे पहले मैदान का मेजरमेंट लिया गया. फिर खेल के अनुसार उसमें जगहों का चयन किया गया. उसमें निर्माण कार्य किया गया. प्रशिक्षण को लेकर बहुत अच्छा लगा. सभी स्कूलों के मैदान में खेल की सुविधा होनी चाहिए.बच्चे खेल मैदान का भरपूर इस्तेमाल करें. अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाएं. अपने स्कूल में इस तरह का मैदान बनाने के लिए प्रशिक्षण लेने से हमें बड़ा फायदा हुआ है. वापस जाकर जल्द ही इसका निर्माण कराया जाएगा.खिलाड़ी मन से खेलेगा तो निश्चित ही आगे बढ़ेगा तेंदुलकर फाउंडेशन जिले में मैदान बना रही है. जिसमें प्राइमरी और मिडिल स्कूलों का चयन किया गया है. ज़िले में कई खेल मैदान हैं लेकिन तकनीकी रूप से इसका निर्माण नहीं कराया गया था. मैदान की कमेटी प्रशिक्षित भी नहीं होती थी. छिंदनार गांव में एक साथ 10 से 12 खेलों के मैदान तैयार किया गया है. जिसमें खोखो, कबड्डी, बॉलीबॉल, गोला फेंक, तवा फेंक, रनिंग ट्रैक, लांग जम्प, हाई जम्प और योगा ट्रैक भी बनाया गया है. इस तरह ज़िले में 50 मैदान बनाया जा रहा है. निश्चित तौर पर प्राथमिक स्तर से बच्चों की प्रतिभा निखरकर सामने आएगी।

नक्सलगढ़ के युवाओं को मिलेगी सपनों की उड़ान : इस योजना से विशेष रूप से आदिवासी समुदाय के बच्चों को लाभ होगा. यहां के बच्चे जो अब तक संसाधनों की कमी के कारण अपनी प्रतिभा को सही दिशा नहीं दे पा रहे थे. यह खेल मैदान उन्हें न केवल अपने सपनों को उड़ान देने का मौका देंगे, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी दिलाएंगे. दंतेवाड़ा में बन रहे ये 50 खेल मैदान महज़ ज़मीन के टुकड़े नहीं, बल्कि सपनों की पगडंडी हैं. यूं तो बस्तर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है. अब उम्मीद जताई जा रही है कि बस्तर से भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे. दंतेवाड़ा का नाम सुनते ही ज़हन में एक तस्वीर उभरती है. घने जंगल, आदिवासी जीवन और नक्सली गतिविधियों की छाया. लेकिन अब इस तस्वीर में बदलाव लाने जा रही है. क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की प्रेरणा और मानदेशी फाउंडेशन की साझेदारी से बस्तर के गांवों में 50 खेल मैदानों का निर्माण हो रहा है. जो बच्चों और युवाओं के लिए एक नई दिशा तय करेगी।

बस्तर ओलंपिक 2024 : पिछले साल राज्य सरकार ने दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों वाले बस्तर क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था. बस्तर ओलंपिक 2024 में 10 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था. अलग अलग खेलों में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया. बस्तर ओलंपिक में सरेंडर नक्सलियों ने भी हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल होने पहुंचे थे. बस्तर ओलंपिक के मंच से ही केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा था कि अगली बार जब में बस्तर ओलंपिक के आयोजन में आउंगा आउंगा तो यहां नक्सलवाद का खात्मा हो चुका होगा।

दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी ने दिया धन्यवाद : विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि बड़ी खुशी की बात है कि सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन नक्सल प्रभावित इलाके दंतेवाड़ा में खेल के मैदानों को निखारने का काम कर रहा है. विधायक ने कहा कि हमें खुशी होगी कि सचिन तेंदुलकर मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए भी दंतेवाड़ा आएं. विधायक ने कहा कि खेल के मैदान होने से नक्सलवाद पर भी लगाम लगेगी और प्रतिभावान बच्चों को नया मुकाम और पहचान भी मिल पाएगा

संक्षिप्त समाचार

पांचवें शहादत दिवस पर याद किए गए शहीद कुंदन कुमार ओझा

मंडरोः

चीनी सैनिकों से संघर्ष करते हुए गलवान घाटी में शहीद हो गए कुंदन कुमार ओझा की पांचवीं पुण्यतिथि पर रविवार को हाजीपुर पश्चिम पंचायत अंतर्गत डीहारी गांव में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर साहिबगंज डीडीसी सतीश चंद्रा, एसडीपीओ किशोर तिर्की, साहिबगंज जेएमएम जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, पूर्व राजमहल विधायक अनंत ओझा ने डीहारी गांव पहुंचकर शाहिद कुंदन कुमार ओझा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। डीडीसी सतीश चंद्रा ने शाहिद कुंदन कुमार ओझा के शौर्य गाथा का बखान किया और उनके पिता से मुलाकात कर पुत्र की शहादत पर चर्चा की । मौके पर डीडीसी, एसडीपीओ, पूर्व विधायक, जेएमएम जिलाध्यक्ष ने शहिद के पिता रविशंकर ओझा को बुके और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साहिबगंज जेएमएम जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने श्रद्धांजलि सभा में शहीद कुंदन कुमार ओझा के शहादत की चर्चा करते हुए बताया कि कैसे गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई लड़ाई में 16 जून 2020 को उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी शहादत दे दी। वही पूर्व राजमहल विधायक अनंत ओझा ने शहिद कुंदन कुमार ओझा के शौर्य गाथा के बारे में बताकर भारत माता की जयघोष किया। इस दौरान मौके पर उपस्थित सभी भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। मौके पर शिव शंकर यादव, जेएमएम केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलु मिश्रा, मनोज ओझा,पूर्व सैनिक भूलन दुबे, पूर्व सैनिक शैलेश सिंह, पूर्व सैनिक गंगा सागर यादव, राजेश राम समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

आदिम जनजाति उत्थान हेतु धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत शिविरों का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःकेन्द्र सरकार के निदेर्शानुसार 15 जून से 30 जून 2025 तक चलाए जा रहे ₹धरती आबा जन भागीदारी अभियान₹ के तहत सोमवार जिले के सभी प्रखंड के विभिन्न कलस्टर में ग्राम स्तरीय विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से विशेषकर जनजातीय वर्ग के पात्र एवं वंचित हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में पाकुड़ प्रखंड के दादपुर कलस्टर, हिरणपुर प्रखंड के बागशीशा कलस्टर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के जोरडीहा, कुंजबोना, करमाटाड़ कलस्टर, महेशपुर प्रखंड के गायबथान, शहरग्राम, पोखरिया कलस्टर, अमड़ापाड़ा प्रखंड के आलुबेड़ा कलस्टर एवं पाकुड़िया प्रखंड के खजुरडंगाल, बासेतकुंडी कलस्टर में आयोजित शिविर में आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जनधन खाते, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पीएम विश्वकर्मा योजना, मुद्रा लोन एवं छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को चिन्हित कर लाभान्वित किया गया।

जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों अधिकारियों ने हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी एवं अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक लाभ पहुँचाने का आह्वान किया। जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने वाले इस अभियान का उद्देश्य वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें मुख्यधारा में लाना है। जिला प्रशासन द्वारा इस अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है।

बेदानंद सिंह अखाडा के दो पहलवान चयनित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

सबैजोर ,सारठ निवासी नीरज कुमार सिंह एवं सरिता देवी की पुत्री नम्रता भारती (62 किलो) और तारावाद रिखीया मोहनपुर निवासी विकास मोदी एवं ललिता देवी की पुत्री विद्या कुमारी (54 किलो) ने झारखंड कुश्ती टीम में अपनी जगह पक्की की है. इसकी जानकारी देते हुए जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष विजय प्रताप सनातन ने बताया कि दोनों का चयन महाराष्ट्र के नागपुर में 20 जून से 22 जून 2025 तक आयोजित होने वाली अंडर-15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए हुआ है. दोनों ने झारखंड की राजधानी रांची में पिछले सप्ताह आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-15 कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, इसके साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए टीम में स्थान पक्का हो गया ,दोनों खिलाड़ी देवघर कॉलेज स्थित बेदानंद सिंह अखाड़ा मे कुश्ती का अभ्यास संघ के सचिव संजीव कुमार झा के मार्गदर्शन में करती है. इससे पहले भी नम्रता ने हरियाणा में आयोजित अंडर-17 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व किया था जबकि विद्या ने राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता विदिशा एवं गोरखपुर मे राज्य का प्रतिनिधित्व की थी. दोनों के चयन पर संघ के पदाधिकारी अमित कुमार , कौशल सिंह,मनोरंजन सिंह निलेश, राहुल कुमार , दशरथ, दीपक , अभिजीत आशा कुमारी , रौनक सिन्हा, गौरव राज, कुमार अंशु, सोनी काश्यप ने बधाई दी.

बरहेट प्रखंड में 10 दिवसीय मेगा मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का हुआ शुभारंभ

उपायुक्त हेमंत सती और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने किया उद्घाटन

साहिबगंजः

बरहेट प्रखंड स्थित +2 राज्य संपोषित दामिन उच्च विद्यालय परिसर आज दस दिवसीय मेगा मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का शुभारंभ किया गया। इस विशेष शिविर का उद्घाटन जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस शिविर का आयोजन जिला प्रशासन साहिबगंज, स्वास्थ्य विभाग एवं चेन्नई स्थित शंकर नेत्रालय के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें निःशुल्क नेत्र जाँच और मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा दी जा रही है।इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि यह विशेष शिविर जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले उन लोगों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो आंखों की समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन संसाधनों के अभाव में उपचार नहीं करवा पा रहे हैं। नेत्र स्वास्थ्य हमारे जीवन की गुणवत्ता से जुड़ा हुआ विषय है और प्रशासन का प्रयास है कि जरूरतमंदों तक यह सेवा निःशुल्क और सुलभ रूप में पहुँचे।ह्व उन्होंने लोगों से अपील की कि इस अवसर से न चूकें और अनिवार्य रूप से आंखों की जांच कराएं।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा कि ह्लअक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग यह जान ही नहीं पाते कि उनकी आंखों में समस्या है। यह शिविर ऐसे लोगों के लिए वरदान साबित हो सकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इस शिविर की जानकारी अपने आसपास के लोगों को देनी चाहिए

ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें।शिविर की विस्तृत जानकारी देते हुए सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालिया ने बताया कि देश के अग्रणी नेत्र चिकित्सा संस्थानों में से एक शंकर नेत्रालय, चेन्नई की विशेषज्ञ टीम इस शिविर में मौजूद है। उन्होंने बताया कि नेत्र जांच की प्रक्रिया 16 जून से 22 जून,2025 तक प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चलेगी। इसके पश्चात 20 जून से 24 जून,2025 के बीच मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जाएंगे। समस्त प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है, जिसमें ऑपरेशन, दवाएं एवं देखभाल की सुविधाएं शामिल हैं।इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अरविंद चोपड़ा, सामाजिक संस्था बॉक्सा ट्रस्ट के संस्थापक सहित अनेक स्वास्थ्यकर्मी, स्वयंसेवी और आमजन उपस्थित थे। बॉक्सा ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे गांव-गांव जाकर प्रचार कर रहे हैं और लोगों को शिविर तक लाने में सहायता कर रहे हैं।शिविर के पहले ही दिन 200 लोगों ने अपनी नेत्र जांच करवाई और कई लाभार्थियों ने भविष्य में ऑपरेशन के लिए पंजीकरण भी करवाया।स्थानीय निवासी जो पिछले एक वर्ष से आंखों की समस्या से परेशान थे, ने बताया, ह्लहमें लगा था कि ऑपरेशन के लिए शहर जाना पड़ेगा, लेकिन अब डॉक्टर खुद गांव आ गए हैं। यह हमारे लिए बहुत बड़ी राहत है।शिविर स्थल पर जिला प्रशासन द्वारा पेयजल, साफ-सफाई, बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस बल की तैनाती की गई है।कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त श्री सती ने चिकित्सकों, तकनीकी स्टाफ एवं स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए कहा कि ह्लइस तरह के शिविर ग्रामीण जनजीवन को बदलने की क्षमता रखते हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले के हर नागरिक तक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे और सभी लोग स्वस्थ और सक्षम जीवन जी सकें।

ग्रामीण हाट_ बाजार की बदलेगी सूरत

चान्हो और मांडर प्रखण्ड में 1 करोड़ 73 लाख की शेड निर्माण योजना का कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया शिलान्यास

कहा योजना की सफलता के लिए जनता के द्वारा निगरानी जरूरी

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर /चान्हो - झारखंड के ग्रामीण इलाकों में जर्जर हाट_ बाजार भवनों की सूरत बदलने की प्रक्रिया आरंभ हो गई है . ग्रामीण हाट_ बाजार को नया रूप देने के लिए शेड निर्माण की योजना तैयार की गई है . इसी कड़ी में राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने चान्हो प्रखण्ड के टांगर कृषि हाट बाजार और मांडर प्रखण्ड के टांगर बसली हाट बाजार में शेड निर्माण योजना का शिलान्यास किया . दोनों बाजार में शेड निर्माण पर करीब 1 करोड़ 73 लाख रुपये खर्च होंगे . जिसमें 23 सौ स्क्वायर फीट पर शेड का निर्माण , बाजार परिसर में सोलर लाइट सुविधा , पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग_ अलग शौचालय का निर्माण के साथ शुद्ध पेय जल की व्यवस्था होगी . कृषि विभाग ने राज्य के हाट_ बाजारों को आधुनिक कृषि बाजार के तौर पर विकसित करने का

लक्ष्य रखा है . शिलान्यास के मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ग्रामीण हाट_ बाजार को सद्ढ़ करना जरूरी है . विधायक रहते हुए इन दोनों ही बाजार में चार_ चार शेड निर्माण का कार्य उनके द्वारा कराया गया है . आज राज्य की कृषि मंत्री बनने के बाद बाजार की सूरत बदलने के लिए बड़ी योजना की आधारशिला रखी गई है .मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि अब ऐसे हाट_ बाजारों में किसानों को अपने उत्पाद को बेचने के लिए मौसम की मार का सामना नहीं करना पड़ेगा . बारिश के मौसम में किसानों और विक्रेताओं को सबसे ज्यादा परेशानी होती थी . कृषि विभाग का उद्देश्य किसानों के उत्पाद का सही मूल्य दिलाना और उनके उत्पाद के रख रखाव की व्यवस्था करना है . उन्होंने कहा कि सरकार और विभाग जनता के लिए योजना तैयार करती है . योजना हुबहू धरातल पर कैसे उतरे इसकी निगरानी खुद जनता को करनी होगी . चुनावबाज नेता सिर्फ धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम करते है . जनता का विकास कैसे हो इस पर उनकी गंभीरता नहीं दिखती . कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने योजनाओं की सही जानकारी के लिए पत्रिका तैयार की है . इस पत्रिका में विभाग के द्वारा संचालित योजना का उद्देश्य , योजना का लाभ और योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया की जानकारी विस्तार से दी गई है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा गांव के भोलेभाले लोगों को सरकार की योजना की जानकारी तक नहीं होती है . समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े ऐसे लोगों तक सरकार की योजना पहुंचानी है . शिलान्यास कार्यक्रम में मोहम्मद इस्तियाक , शिव उरांव , अजीत सिंह , मंगल उरांव , महादेव उरांव , जुल्फेकार , प्रियंका उरांव , इरशाद खान , शशि साहू , मंगा उरांव , आबिद अंसारी , बंधु टोप्पो , तस्लीम अंसारी , असलम अंसारी , होसे उरांव , बेलस टोप्पो , सेराफिना मिंज , बेरनादेत सहित कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे !

टॉपर अनन्या पॉल को संस्था ने किया सम्मानित

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - उसुर्लाइन इंटर कॉलेज की छात्रा लेक रोड निवासी नवीन पॉल की होनहार पुत्री अनन्या पॉल झारखंड बोर्ड 12 वीं आट्र्स की परीक्षा में 92.6% अंक प्राप्त करके जिला टॉपर एवं राज्य में 5 वीं स्थान प्राप्त कर परचम लहराई। इसकी जानकारी प्राप्त होने पर आज छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच की ओर से टॉपर छात्रा अनन्या पॉल एवं उनके माता पिता को अंगवस्त्र,पुष्पगुच्छ,लेखनी एवं मिठाई खिलाकर बधाई देते हुए लेक रोड स्थित उनके आवास मे सम्मानित किया गया। अपनी प्रतिक्रिया मे टॉपर छात्रा अनन्या पॉल ने बताया मै मध्यम परिवार की हूं।मेरे पापा चाय पकौड़ी बेचकर घर परिवार चला रहे है। मेरी एक ही इच्छा है मै पढ़ लिखकर ईमानदार अफसर बनूं और देश,राज्य,घर परिवार की सेवा करूं। सम्मान समारोह की अध्यक्षता क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश ने किया।इस मौके पर क्लब के संरक्षक राजेश केडिया, प्रेम शंकर मिश्रा,विजय पाठक, अमित मिश्रा,अंकित सर्राफ, दीपक कुमार साहू,पिया बर्मन, रवि मेहता,लीगल एडवाइजर अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य एवं मंच के सुरेंद्र कुमार शर्मा,जगमोहन शर्मा, सुदेश कुमार शर्मा आदि आदि मौजूद थे।

मोदी सरकार के 11 वर्षों से जारी है विकास का अमृत काल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को विलासी टाऊन शिव वाटिका सभागार में नगर अध्यक्ष धनंजय खवाड़े के अध्यक्षता में एक कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने केन्द्र सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए कार्यकाल को विकास का अमृत काल बताया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष धनंजय खवाड़े ने कहा कि मोदी सरकार का 11 वर्ष विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का समय है। सरकार आने के बाद राजनीति में कार्य करने की नई संस्कृति विकसित हुई है। और कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्षों में अधिकतर योजनाओं का लाभ डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के मायम से सीधे आम जनता तक पहुंच रहा है। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना को उदाहरण के रूप में पेश किया, जिससे लाखों लोगों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज की सुविधा मिल रही है। साथ ही किसानों की खेती की जरूरतों को पूरा करने के लिए किसान सम्मान निधि दी जा रही है। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह कार्यक्रम प्रभारी संजीव जजवाड़े ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में विकास का अमृतकाल शुरू हुआ है। देश की सोच में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने आपरेशन सिंदूर की जमकर सराहना किया। और कहा कि यह संकल्प, साधना और समर्पण का स्वर्णिम कालखंड है। इस दौरान भारत ने आर्थिक, सामाजिक व वैश्विक मंच पर प्रगति की। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत अभियान व आयुष्मान भारत योजनाओं के योगदान ने विकास को गति दी। पिछले 11 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने भारत को पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताते हुए चौथे स्थान की ओर बढ़ने का दावा किया। आगे कहा कि पहले की सरकार भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी थी। पिछले 11 साल में मोदी के नेतृत्व में जो हुआ है अद्वितीय और अकल्पनीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरे कार्यकाल का पहला साल (जून 2024 से जून 2025) भारत के लिए रणनीतिक, सामाजिक और वैश्विक क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा है। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक, ऑपरेशन सिंदूर व वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख ने इस अवधि को परिभाषित किया। यह सरकार बड़े निर्णय लेने में सक्षम है और देश को विकसित भारत के पथ पर और मजबूती से अग्रसर किया। नरेंद्र मोदी ने भारत को कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। आयुष्मान भारत योजना में 50 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया। डिजिटल इंडिया ने यूपीआई के माध्यम से भारत को वैश्विक डिजिटल भुगतान का नेतृत्वकर्ता बनाया। मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और निवेश को बढ़ावा दिया, जिससे भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना। जल जीवन मिशन ने 11.82 करोड़ ग्रामीण घरों को स्वच्छ नल जल कनेक्शन प्रदान किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह कार्यक्रम प्रभारी संजीव जजवाड़े, नगर अध्यक्ष धनंजय खवाड़े जिला मिडिया प्रभारी सचिन सुल्तानिया,पूर्व जिला अध्यक्ष भाजयुमो अतुल सिंह, धनंजय तिवारी पंकज सिंह भदोरिया बिट्टू पांडे सिंटू उपाध्याय, सोनू पांडे, निरंजन ठाकुर , मीणा झा,अजीत सिंह सरिता वर्मा , आदि उपस्थित रहे।

तम्बाकू उत्पादों के क्रय-विक्रय पर छः महीने की सजा के साथ धारा-188, 288, 269, 270 सहित अन्य सुसंगत धाराओं के साथ की जाएगी कड़ी कार्रवाईः-उपायुक्त

अपने और अपने परिवार की खातिर तम्बाकू के सेवन को कहें न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी गयी कि सार्वजानिक जगहों पर सभी तरह के तम्बाकू उत्पादों यथा सिगरेट, बीड़ी, पान मसाला, हुक्का, खैनी, जर्दा, गुटका और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के उपयोग पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। वर्तमान में पान मसाला, खैनी, जर्दा और गुटका खाकर यत्र तत्र थूकने से कोरोना वायरस फैलने का खतरा बढ़ता है। ऐसे में सार्वजनिक जगहों पर तम्बाकू पदार्थों के सेवन पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। साथ ही तंबाकू का सेवन जन स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरों में से एक है। ज्ञात हो कि उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने तम्बाकू उत्पादों के प्रयोग को पूर्ण रूप को रोकने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों एवं सभी

प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी व सभी थाना के प्रभारी को निदेशित किया है कि कोटपा-2003 के अनुपालन हेतु छापेमारी दलों द्वारा उपरोक्त आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए किये जाने वाले कार्रवाई से उपायुक्त कार्यालय को सूचित करें। साथ हीं उपरोक्त आदेश के उल्लंघन की स्थिति में भारतीय दण्ड संहिता की धारा-188, 288, 269, 270 सहित अन्य सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत विधि सम्मत कार्रवाई करें। इसके अलावे उपायुक्त ने सभी कार्यालय प्रधान व संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया है कि सभी सरकारी/गैर सरकारी व सार्वजनिक स्थलों पर परिसरों में धूम्रपान निषेध से संबंधित जागरूकता व सूचना संबंधित बोर्ड लगवाने के निर्देश दिया है। *1. जिले में सभी सार्वजनिक स्थानों पर पान मसाला, जर्दा, खैनी, हुक्का एवं सुपारी सहित सभी तरह के तम्बाकू उत्पादों के सेवन पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध.... *2. पान मसाला, खैनी और अन्य तम्बाकू पदार्थ खाकर यत्र तत्र थूकने से कोरोना वायरस फैलने का है गंभीर खतरा....3. सार्वजनिक जगहों पर थूका तो हो सकती है 6 महीने तक की जेल.... 4. उलंघनकताओं के खिलाफ पूरे जिले में गठित जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण छापामार दस्ते के सदस्य कराएंगे सरकार के आदेश का अनुपालन....

मधुपुर गायत्री परिवार ट्रस्ट मंडल का पुनर्गठन संपन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गायत्रीतीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देश पर गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर मधुपुर के साधना कक्ष में प्रांतीय जोन समन्वयक राम नरेश प्रसाद की अध्यक्षता में गायत्री परिवार के सक्रिय सदस्यों की अहम गोष्ठी का शुभारंभ गुरु गायत्री वंदना तथा वैदिक स्वस्तिवाचन से किया गया। गोष्ठी में उपजोन समन्वयक बुधन प्रसाद बर्मा, जिला समन्वयक बरूण कुमार तथा जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय भी उपस्थित थे। मुख्यतः गायत्री परिवार ट्रस्ट मधुपुर के पुनर्गठन हेतु गोष्ठी का आयोजन किया गया। अहमदाबाद हवाई हादसे में मृतजनों की आत्मशांति के लिए दो मिनट का सामूहिक मौन रखा गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वक उमाकान्त राय ने मीडिया को बताया कि मधुपुर गायत्री प्रज्ञापीठ को समर्थ एवं सशक्त बनाने के लिए ट्रष्ट मंडल,चार प्रबंधन समितियां तथा कार्यकारी समिति का विराट संगठन तैयार किया गया। चयनित सभी ट्रष्ट सदस्य भावनात्मक स्तर पर नैतिक अनुशासनों के माध्यम से शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे तथा राष्ट्र की पवित्रता,एकता एवं अखंडता के प्रति निष्ठावान रहेंगे। सर्वसम्मति से अजीत प्रसाद राय को मुख्य प्रबंध ट्रस्टी, मधुपुर के रूप में चयन किया गया। शांतिपाठ के साथ सदभावना पूर्ण वातावरण में गोष्ठी संपन्न हुआ। गोष्ठी को सफल बनाने में रामानुज कुमार,रहीश कुमार शर्मा , प्रमोद मोहनका, मुरारी कर्ण, राजेन्द्र भैया, विष्णु प्रिया,पुजा देवी, दुर्गावती देवी, नीलू देवी, मीरा देवी आदि सक्रिय रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने पाकुड़िया प्रखंड में विभिन्न योजनाओं का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार के द्वारा पाकुड़िया प्रखंड का दौरा किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने अबुआ आवास, मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना एवं पंचायत भवन लागडुम का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने लागडुम पंचायत अंतर्गत गांव में मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुक शिवलाल टुडु के द्वारा किए गए प्लांटेशन, पीट डिजिंग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुमान के अनुसार सीपीटी कंस्ट्रक्शन और सीआईबी लगाने का निर्देश जेई, रोजगार सेवक एवं पंचायत सेवक को दिया गया।

डीसी ने अबुआ आवास का किया निरीक्षण

इसके अलावा उपायुक्त मनीष कुमार ने लागडुम पंचायत में अबुआ आवास योजना के तहत बनाये जा रहे आवासों का निरीक्षण किया। आवास निर्माण कार्यों में तेजी लाने, ससमय योजना पूर्ण करने एवं सरकारी मापदंड के अनुसार बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वय स्थापित करते हुए अबुआ आवास एवं जनमन के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने अबुआ आवास की तीसरी किशत के बारे में जानकारी प्राप्त कर उचित दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने लागडुम पंचायत भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मीटिंग हॉल, मुखिया कक्ष, पंचायत सचिव कक्ष, ज्ञान केन्द्र, शौचालय की साफ-सफाई एवं पेयजल की उपलब्धता का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बनर्जी, बीपीओ जगदीश पंडित, सहायक अभियंता रोहित गुप्ता, प्रखंड समन्वयक समेत अन्य उपस्थित थे।

जिला पर्यटन, कला- संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग द्वारा मादक पदार्थ के दुरुपयोग एवं नशामुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया

रिपोर्ट-अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिला पर्यटन, कला- संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग पाकुड़ द्वारा मादक पदार्थ के दुरुपयोग एवं नशामुक्ति जागरूकता अभियान के तहत पाकुड़ के रानी ज्योतिर्मयी स्टेडियम में टी-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह मैच पाकुड़ स्पोर्टस एकेडमी एवं किंग्स इलेवन के बीच खेला गया। साथ ही राज प्लस टू हाई स्कूल में भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मादक पदार्थ रोकथाम जागरूकता अभियान में स्कूल के लगभग सैकड़ों छात्र- छात्राओं ने भागीदारी सुनिश्चित की जिसमें लेखन प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में प्रथम सिंपी रक्षित, द्वितीय निशा दत्ता, तृतीय कीर्ति कुमारी गोंड एवं लेखन प्रतियोगिता बालक वर्ग में प्रथम सुभाजित मंडल, द्वितीय रूद्र भद्र, तृतीय विनीत कुमार त्रिवेदी एवं मादक पदार्थ निषेध में भाषण प्रतियोगिता में प्रथम शिवम उपाध्याय, द्वितीय रियाज शेख, तृतीय रचित राज मिश्रा एवं सभी विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार एवं विद्यालय के प्राचार्य आशुतोष कुमार के द्वारा ट्रॉफी मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला खेल समन्वयक विवेक रजक, शारीरिक शिक्षक आलमगीर आलम, खेलो इंडिया के प्रशिक्षक अक्षय बाउड़ी, क्रिकेट कोच रणवीर कुमार एवं विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिका उपस्थित रहे।

पाकुड़ पॉलिटेक्निक कॉलेज में नशा मुक्ति एवं सड़क सुरक्षता जागरूकता अभियान चलाया गया

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सदर प्रखंड स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज पाकुड़ में सोमवार को जिला प्रशासन के द्वारा नशा मुक्ति एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। डीसी मनीष कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया और कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज को गहरी चोट पहुंचाता है। उपायुक्त ने छात्र -छात्राओं से अपील किया कि नशीली चीजों से दूर रहते हुए अपने घर से ही नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत करें। अपने अभिभावकों तथा आसपास के समाज के लोगों को नशा से दूर रहने की सलाह दें।इसके अलावा उपायुक्त ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। हेलमेट पहनने, शराब पीकर वाहन न चलाने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने हेतु प्रेरित किया।

हजारीबाग में कलाकार महोत्सव 2025 का नगर भवन में हुआ भव्य आयोजन

राज्य के कला-संस्कृति मंत्री सुदिव्य कुमार एवं सदर विधायक प्रदीप प्रसाद रहे मुख्य अतिथि

स्थानीय कलाकारों ने नृत्य संगीत नाटक और चित्रकला की रंगारंग प्रस्तुतियों से बांधा समां

हजारीबाग-

हजारीबाग नगर भवन में रविवार को कलाकार महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन हुआ। हजारीबाग आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने जिले में कला संस्कृति और युवा प्रतिभाओं की एक अनुपम झलक प्रस्तुत की। महोत्सव का उद्देश्य न केवल सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण था बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित कर नशा एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों से दूर रखना भी रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार थे वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद तथा सम्मानित अतिथि के तौर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य विकास राणा उपस्थित थे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि हजारीबाग की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों की अहम भूमिका है और सरकार युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। महोत्सव में नृत्य संगीत नाट्य पेंटिंग और फैशन शो जैसी रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिले भर के उभरते कलाकारों ने मंच पर अपनी शानदार प्रस्तुति दी जिसे दर्शकों की तालियों ने खूब सराहा। आयोजन समिति के अध्यक्ष रामकिशोर सावंत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नकारात्मक गतिविधियों से दूर रखकर उन्हें कला और रचनात्मकता की दिशा में प्रेरित करना है। कार्यक्रम में हजारीबाग की पचास से अधिक संस्थाओं ने संयुक्त रूप से भाग लिया। नृत्य प्रस्तुतियों में किंगडम ऑफ डांस कलांगना नृत्य विद्यालय समिष्ठा डांस एंड आर्ट एकेडमी सांस्कृतिक विकास केंद्र पुष्पदीप संगीत एवं नृत्य संस्था नृत्य वाटिका डांस एकेडमी कथक डांस एकेडमी चंदन डांस ग्रुप स्वर भारती म्यूजिकल एकेडमी प्रमुख रहे। वहीं समूह गायन में श्री मां संगीतयन मां शारदे संगीत संस्थान रागेश्री म्यूजिक एकेडमी एवं आदिशक्ति एकेडमी की प्रस्तुतियों ने सभी को

मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव का विशेष आकर्षण तरंग ग्रुप द्वारा प्रस्तुत सोहराय आर्ट पर आधारित फैशन शो कला किरण की कला प्रदर्शनी हो एंटरटेनमेंट का नाटक एवं मिस ग्लोबल ट्राइबल क्वीन की उपस्थिति रही।कार्यक्रम में अदिति शुक्ला शैली राणा हर्षिका साक्षी गुप्ता सीमा गुप्ता प्रिंस कुमार सूरज दयाल संजय कुमार सुभाष सेन सुबोध आकाश राजीव रंजन मिश्रा शान सैयद करण पांडे कुमारी दित्या शशिकांत सिन्हा उर्फ चुन्नू प्रतिज्ञा डॉ रंजन एकता सुरेंद्र सुदेश वसीम अकरम अरमान आलम और मनोज पांडे जैसे कलाकारों की एकल प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध रंगकर्मी तापस चक्रवर्ती राकेश सिन्हा और प्रदीप सेन गुप्ता को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। मंच संचालन ट्रस्ट के सचिव प्रदीप पाठक एवं मनोज सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यक्रम में विजयश्री सपना कंस्ट्रक्शन ओम आरोहण की संस्थापक एवं भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता एमडीएम सैलून थरुनिका बुटीक आश्रय फाउंडेशन सावंत इंटर कॉलेज कलकत्ता हेचरी और जानू राज फिल्म एंड टेलीविजन का प्रायोजक रूप में विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व विधायक जानकी यादव कमल नयन सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह हरि श्रीवास्तव सुदेश चंद्रवंशी मनोज गिरी बटेश्वर मेहता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह जिला अध्यक्ष शैलेंद्र यादव एवं मनोज नारायण भगत सहित जिले के कई गणमान्य नागरिक सामाजिक कार्यकर्ता शिक्षक एवं पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर किया गया।

मियांपुर नरसंहार की 25वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

रिपोर्ट - ब्यूरो चीफ प्रमोद कुमार सिंह के साथ अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)गोह प्रखंड के मियांपुर गांव में सोमवार को भाकपा के द्वारा 25वां शहादत दिवस श्रद्धा व संवेदना के साथ मनाया गया। यह आयोजन मियांपुर नरसंहार की 25वीं बरसी के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें वर्ष 2000 में शहीद हुए 33 दलितों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश प्रसाद यादव ने की। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद स्मारक पर माल्यार्पण से हुई, जहां मुख्य अतिथि प्रो. लक्ष्मण यादव, गोह के विधायक भीम कुमार सिंह, अंचल मंत्री व व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव, जिला परिषद प्रतिनिधि श्याम सुंदर, पूर्व मंत्री डॉ. कांति सिंह सहित अन्य लोगों ने पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया। इसके पश्चात सभी उपस्थित जनों ने दो मिनट का

मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का संचालन भी सुरेश प्रसाद यादव ने किया। मुख्य अतिथि प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा कि मियांपुर की यह घटना सिर्फ एक गांव या जाति की पीड़ा नहीं थी, बल्कि यह पूरे समाज की आत्मा पर हमला था। ह्लहम न भूल सकते हैं और न ही क्षमा कर सकते हैं। ये हमारे समाज के जख्म हैं, जो हमें हर साल इंसाफ की याद दिलाते हैं। गोह विधायक भीम कुमार सिंह ने कहा कि ह्लमियांपुर की धरती ने न्याय के लिए लंबी लड़ाई देखी है। आज भी यह गांव न सिर्फ दर्द बल्कि संघर्ष का प्रतीक है। यह घटना जातीय विद्वेष का सबसे काला अध्याय थी, जिसे याद रखना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। अंचल मंत्री व अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव ने कहा कि ह्ल16 जून 2000 की रात को मियांपुर गांव में जो हुआ, उसने पूरे बिहार को झकझोर दिया। उस भयानक नरसंहार ने समाज के कमजोर वर्ग को एक संदेश दिया कि वे संगठित हों और न्याय के लिए आवाज उठाएं। जिला परिषद प्रतिनिधि श्याम सुंदर ने कहा कि ह्लइस घटना ने हमें बताया कि जातीय हिंसा कितनी क्रूर हो सकती है। लेकिन यह भी दिखाया कि इंसाफ की राह में कितनी मजबूती से लोग खड़े हो सकते हैं। **भीड़ ने जताई एकजुटता** इस मौके पर रामदयाल यादव, सुधीर कुमार, कृष्णा यादव, संजय यादव, अशोक यादव, ब्रजेश कुमार, रमाशंकर यादव, उगल पास्वान, अरुण यादव, श्रीकांत कुमार, प्रह्लाद यादव, छोटू कुमार, प्रमोद कुमार, रविंद्र यादव, लक्ष्मण यादव, सूरजभान सिंह यादव, सिद्धेश्वर यादव, रामबली यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। सभी ने शहीदों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके सपनों को साकार करने का संकल्प दोहराया।

जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की हुई समीक्षा

पोषण ट्रैकर के सारे इंडिकेटर्स में सुधार करने का निर्देश

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की गई। विस्तृत समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में मुख्य रूप से शत प्रतिशत लाभुकों का फेशियल रिकॉग्निशन, ई केवाईसी,पोषण ट्रैकर ऐप के अनुसार उपस्थित बच्चों का पूरक पोषाहार वितरण,बच्चों के बीच एचसीएम और स्नैक्स खाते हुए जिओ टैग फोटो,ग्रोथ मॉनिटरिंग को शत प्रतिशत अगले माह से पूरा करना,गृह भ्रमण,एमटीसी ऑक्युपेंसी, 18-19 वर्ष की सावित्री बाई फुले का आवेदन, प्रधान मंत्री मातृ वंदना योजना का लक्ष्य, शत प्रतिशत सेविका सहायिका एवं पोषण सखी का आयुष्मान कार्ड बनाना, प्रत्येक माह सीडीपीओ के द्वारा 5 तथा महिला पर्यवेक्षिका के द्वारा 15 आंगनबाड़ी के साथ 10 (भीएचएसएनडी) ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस विभिन्न पंचायत में भ्रमण करते हुए जिओ टैग फोटोग्राप्स के साथ शेयर करना , नेटवर्क विहीन वाले क्षेत्र में अवस्थित आंगनबाड़ी केंद्रों का चिन्हीतीकरण कर प्रतिवेदन देना, आंगनबाड़ी केंद्रों के संपूर्ण मूलभूत सुविधाओं जैसे बिजली,पेयजल ,शौचालय,भवनएवं किचन का सुदृढ़ीकरण का प्रतिवेदन के साथ संबंधित विभाग को कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों से पूरक पोषाहार का अभिश्रव एवं सेविका, सहायिका एवं पोषण सखी का अनुपस्थिति विवरणी जिला कार्यालय में उपलब्ध कराना इन सारे विषयों पर समीक्षा की गई। पोषण ट्रैकर के सारे इंडिकेटर्स में प्रत्येक माह चतरा जिला का रैंकिंग राज्य में एक से पांचवे स्थान पर प्रदर्शन हेतु निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रीना साहू, शंभू बड़ाईक,जिला क्षेत्रीय प्रबंधक, समर अभियान चतरा सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चतरा,एवं जिला के सभी महिला पर्यवेक्षिका उपस्थित हुए।

मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

मनरेगा के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार से जोड़े

जल जीवन मिशन के कार्यो में तेजी लाने की आवश्यकता

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, अबुवा आवास योजना की प्रगति को लेकर बैठक का आयोजन विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने मनरेगा के तहत संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को योजनाओं में गति लाने के निर्देश दिया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे योजनाओं को समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित करें और उनकी प्रगति की नियमित निगरानी करें। आगे उपायुक्त ने आवास एवं मनरेगा योजना में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए

संबंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने लंबित आवासों का निर्माण कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने मनरेगा योजना के तहत चल रही परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उन्हें उच्च मानकों पर बनाए रखने का भी निर्देश दिया। वही सभी वरीय पदाधिकारियों को फील्ड विजिट और मॉनिटरिंग को बढ़ावा देने और योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करने का निर्देश दिया। समीक्षा बैठक के क्रम में जिला अन्तर्गत सरकारी भवनों, पंचायत भवनों एवं निजी भवनों में चलने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिन क्षेत्रों में नये आंगनबाड़ी केन्द्र बनाने हेतु प्रस्ताव है वहां सरकारी जमीन चिन्हित कर उपायुक्त कार्यालय को अवगत कराने का निदेश दिया, ताकि नये आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कराया जा सके। साथ ही जिन केंद्रों का निर्माण कार्य चल रहा है उसे जल्द जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। आगे जिले में सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति के अलावा पीने का पानी, शौचालय, वर्षा जल संचयन आदि से जुड़ी प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय को जल्द से जल्द समर्पित करने का निदेश जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को दिया। इस दौरान उपरोक्त के अलावा* डीआरडीए निर्देशक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी, कॉर्डिनेटर आदि उपस्थित थे।

सिमरा मंडल के प्रभारी चंद्रशेखर खवाड़े की दिशा निर्देश में बैठक आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 16/06/0225 को भारतीय जनता पार्टी जिला देवघर के मंत्री सह सिमरा मंडल के प्रभारी चंद्रशेखर खवाड़े के दिशा निर्देश में एक बैठक का आयोजन मंडल अध्यक्ष विष्णु कुमार राउत के अध्यक्षता में आयोजित की गई । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी चंद्रशेखर खवाड़े ने कहा हमारे देश भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई है । उनके मजबूत और निर्णायक नेतृत्व में भारत ने हर चुनौतियों का आत्मविश्वास,धैर्य और साहस के साथ सामना किया है । भाजपा के ₹सबका साथ, सबका विकास , सबका प्रयास,सबका विश्वास₹ इस ध्येय निष्ठा के साथ हमारी भाजपा सरकार ने देश के हर नागरिकों को एक माला में पिरोते हुए विकास के मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया है । जिससे आज पूरे देश का हर वर्ग, हर क्षेत्र एक संकल्प के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की सिद्धि के लिए प्रयास कर रहा है। आज प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़ा है,कृषि बजट 5 गुना बढ़ा है,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 3.7 लाख करोड़ से अधिक की राशि सीधे किसानों को दिए गए हैं ,वर्ष 2024 प्त25 में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 347 एम.एम.टी.हुआ है ,आयुष्मान भारत योजना में 55 करोड़ नागरिकों को इलाज में राहत मिली है ,16000 से अधिक जन औषधि केंद्र से 38000 करोड़ की दवाइयां में बचत से जनता का भर काम हुआ है ,लगभग तीन गुनी हुई है एम्स की संख्या ,प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से लाखों परिवारों को 300 यूनिट तक मुक्त बिजली दी जा रही है, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से लिंग अनुपात को प्रति 1000 पुरुष पर 1020 स्त्री

तक सुधार किया गया है ,मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़कर 26 सप्ताह किया गया है ,तीन तलाक को खत्म कर महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिला है।आज 10 करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी है ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने का सपना साकार किया है ।पिछले 1 दशकों में हाईवे निर्माण की गति 34 किलोमीटर प्रतिदिन पहुंच गई है। पिछले कांग्रेस के शासनकाल में देश ने जो भयावह आतंकवाद और पाकिस्तानी गर्जना को सहा है आज वह स्थिति नहीं है । आज का भारत किसी को छेड़ता नहीं और छेड़ने वाले को कभी भी छोड़ता नहीं। आज स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड, मिसाइल सिस्टम आकाश और ब्रह्मोस ने ऑपरेशन सिंदूर (7 मई 2025) में पीओके और पाकिस्तानी धरती पर 9 आतंकवादी कैंप और 11 एयरबेस तबाह कर हमारे पिछले सर्जिकल स्ट्राइक की तरह ही सशस्त्र बलों और सरकार के मजबूत निर्णय को साबित कर दिया है । अब हम लोग मुंबई के 26/11 हमले, पुणे की जर्मन बेकरी, दिल्ली हाईकोर्ट या हैदराबाद दिल सुखनगर जैसे हमलों पर कांग्रेस सरकार की तरह मात्र शोक संदेश भेजकर और उनकी मुखिया सोनिया गांधी की तरह जो बटला हाउस के एनकाउंटर में मारे आतंकवादी के लिए आंखों से आंसू बहाने लगी थी वैसे लोगों पर किसी भी प्रकार की राहत नहीं करते और ना ही ऐसे लोगों को सम्मान देते हैं । हमारी सरकार और हमारी सरकार के लोग कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी की तरह जो 26/11 हमले में जब पूरा देश शोकाकुल था तब ना ही पार्टी मनाते हैं और ना ही किसी भी प्रकार की खुशियों में शामिल होते हैं । आज भारत की पहचान धरती पर ही नहीं अंतरिक्ष में भी बढ़ रही है,जिसका प्रमाण चंद्रयान 3 के रूप में हमारे वैज्ञानिकों ने प्रतिष्ठित किया है। आज भारत की 140 करोड़ जनता भारतीय जनता पार्टी और उनकी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के साथ एक सशक्त और समृद्ध देश निर्माण के लिए संकल्पित हो रही है । आज हम सभी ने संकल्प लेकर नए उत्साह और अटूट जन भागीदारी के साथ अमृत काल में किए वादों को हर भारतीय के लिए साकार करने तथा मां भारती को परम वैभव तक पहचाने का प्राण लिया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृष्णानंद झा, राधेश्याम वर्मा,खुशबू पंडित,सुभाष झा, सीताराम वर्मा,रंजीत झा, अवधेश वर्मा, विजय झा ,मुकेश वर्मा ,कुंदन वर्मा, नंदू दास सहित दर्जन कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ अभाविप के जिला संयोजक बने सुमित पांडे

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का चल रहे चार दिवसीय प्रदेश अभ्यास वर्ग रविवार को संपन्न हो गया।समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. आशुतोष मांडवी एवं विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष डा. मौसमी पाल, प्रदेश संगठन मंत्री नीलेश कटारे एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल शामिल हुए।अभाविप झारखंड के प्रांत अध्यक्ष डॉ मौसमी पॉल ने विभिन्न महत्वपूर्ण संगठनात्मक दायित्वों की घोषणा की गई। पाकुड़ के जिला संयोजक के दायित्व के लिए सुमित पांडे के नाम की घोषणा हुई। सुमित पांडे 2018 से विद्यार्थी परिषद के संपर्क में हैं। सुमित पांडे को 2021 में पाकुड़ के नगर मंत्री का दायित्व एवं प्रदेश कार्यकारणी सदस्य जैसे दायित्वका निर्वहन किया है।अब प्रदेश नेतृत्व ने पाकुड़ जिला के जिला संयोजक के दायित्व के रूप में उनके नाम की घोषणा की है। सुमित पांडे ने बताया कि वे स्वयं को भाग्यशाली समझते हैं कि राष्ट्र के निर्माण के कार्य में अभाविप एक यात्री बनकर कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। आगामी योजनाओं में जिले में सभी इकाईयों का इकाई गठन करना सबसे पहला कार्य होगा।

राकेश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर गाँव गाँव घूम रहे हैं

पटना , ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिवान मे होने वाले कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सांसद राजीव प्रताप रूडी बिहार सरकार मंत्री मंटू सिंह जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह के निर्देश पर प्रचार गाड़ी को सोनपुर बाबा हरिहरनाथ की धरती पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह के सौजन्य से दो प्रचार गाड़ी दिया गया जिसको भाजपा नेता राकेश सिंह भाजपा नेता बिनोद सम्राट मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह द्वारा झंडी दिखाकर सोनपुर विधानसभा मे गाँव गाँव प्रचार के लिए रवाना किया गया इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री राजीव सिंह मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा बिरजू पासवान सत्येन्दर सिंह संटू सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की अब यह गाड़ी पूरे विधानसभा के गाँव गाँव तक पहुंचेगी और लोगो को प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम मे जाने के लिए निमंत्रण देगी और सरकार की योजनाओं की भी लोगो को जानकारी देगी और हमलोगो को पूरे उम्मीद है की अपने यहाँ से प्रधानमंत्री मोदी जी के सभा मे बड़ी संख्या मे लोग शामिल होंगे ज्ञात हो सांसद राजीव प्रताप रूडी और मंत्री मंटू सिंह भी कार्यक्रम की तैयारी को लेकर लगे हुए है और लोगो से प्रधानमंत्री की सभा मे बड़ी संख्या मे भाग लेने की अपील कर रहे है और उम्मीद है की सिवान का यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा।

बहुजन चिंतक प्रो. लक्ष्मण यादव का भव्य स्वागत, दर्जनों की संख्या में लोगों ने पहनाया माला

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)सोमवार की शाम देवकुण्ड में वरिष्ठ बहुजन चिंतक प्रो. लक्ष्मण यादव का भव्य स्वागत किया गया। इस स्वागत समारोह का नेतृत्व अरवल विकास मंच के अध्यक्ष एवं रेलवे आंदोलन के मुख्य संयोजक मनोज सिंह यादव ने किया। स्वागत में श्याम सुंदर, दुलारचंद सिंह, दूधेश्वर सिंह सहित दर्जनों लोगों ने भाग लिया और प्रो. यादव को माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान सामाजिक न्याय, बहुजन एकता और शिक्षा के मुद्दों पर विचार विमर्श भी हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

बिहार में अपराधियों पर कसेगा शिकंजा, 1172 पेशेवर अपराधी चिन्हित, 188 की संपत्ति जब्त

पटनाः

अपराध की दुनिया से बेशुमार संपत्ति अर्जित करने वाले अपराधियों की अब खैर नहीं। ऐसे अपराधी जो अपराध के रास्ते अकूत संपत्ति अर्जित कर उसका इस्तेमाल न्यायालय से खुद को बेगुनाह साबित कराने में करते रहे हैं, उन्हें अब उनकी अवैध संपत्ति भी निर्दोष साबित नहीं करा सकेगी। राज्य पुलिस मुख्यालय ने ऐसे अपराधियों की काली कमाई को जब्त करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-107 को अपना मुख्य हथियार बना लिया है। बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त किसी भी पुलिस अधिकारी या कर्मी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति से कोई भी पुलिस अधिकारी या कर्मी रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, विशेष निगरानी इकाई, आर्थिक अपराध इकाई या फिर सीधे राज्य पुलिस मुख्यालय में दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को उनके किए की सजा दिलाने के लिए राज्य पुलिस मुख्यालय की तरफ से जिलों में फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। राज्य के सभी जिलों में फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन कर न केवल अपराधियों को उनके किए की त्वरित सजा दिलाने की व्यवस्था की जा रही है बल्कि इससे निर्दोष लोगों के साथ-साथ पीड़ितों को भी तत्काल न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में कुल सौ फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। राज्य के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार सोमवार को सरदार पटेल भवन स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जुलाई माह में देश भर में बीएनएसएस लागू होने से पहले ऐसे अपराधियों की काली कमाई को जब्त करने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ता था।

मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल पूर्ण होने पर पाकुड़ भाजपा ने प्रोफेशनल मीट का किया आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल पूरा होने पर पाकुड़ भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सेवा सुशासन और गरीब कल्याण पर रविवार देर शाम पाकुड़ नगर के भगत धर्मशाला में प्रोफेशनल मीट का आयोजन जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय की नेतृत्व में की गई। इस कार्यक्रम में दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। पिछले 11 साल की उपलब्धियों को चित्र प्रदर्शनी के रूप में दशार्या गया। पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने शिव शीतला मंदिर में वृक्षारोपण किया, प्रोफेशनल मीट को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल बेमिसाल रहा है, 2014 में देश की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को स्वीकार किया। जिन्होंने ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व के विजन के साथ देश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण के लिये सराहनीय कार्य किया है। आज डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और लक्षित योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को समय पर मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की नीति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया है। अब भारत केवल सुनता नहीं है, जवाब देता है - सीधा, कठोर और निर्णायक। उन्होंने कहा कि उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक, और अब हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर - इन सभी कार्रवाइयों ने भारत की सैन्य ताकत और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दुनिया के सामने रखा है। सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि आतंक के

खिलाफ सिर्फ बातें नहीं, ठोस कदम भी उठाए जाते हैं। आज का भारत किसी को छेड़ता नहीं है लेकिन अगर कोई छेड़े तो उसे छोड़ता नहीं है। जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि 2014 के पहले और आज के भारत में जमीन आसमान का अंतर है। 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से हर क्षेत्र में आए इस राष्ट्रीय परिवर्तन ने समावेशी विकास का स्पष्ट और सुगम रास्ता तैयार किया है। मोदी सरकार के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ता यह नया भारत अब विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्ष सेवा, सुशासन और समावेशी विकास के रहे हैं। इस कालखंड में केंद्र सरकार ने ₹ऋअठर₹-गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी- इन चार स्तंभों को राष्ट्रीय विकास की धूरी बनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्ष भारत के नव निर्माण और पुनर्जागरण का युग रहे हैं। इस कालखंड में सरकार ने सेवा को संस्कार, सुशासन को संकल्प और गरीब कल्याण को प्राथमिकता बनाकर एक विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव रखी। उन्होंने कहा कि यह 11 साल भारत को ₹विकसित राष्ट्र₹ बनाने की दिशा में मजबूत नींव डालने वाले साबित हुए हैं। प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी ने कहा कि तीन दशकों बाद पहली बार बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए मोदी सरकार ने शिक्षा प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव किया। हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई भी नई शिक्षा नीति का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में 8 नए आईआईएम, 7 नए आईआईटी की स्थापना हुई, एम्स की संख्या तीन गुना बढ़ाकर 23 हो गई और पीएमश्री योजना के तहत 14,500 स्कूलों को आधुनिक बनाया गया ताकि विद्यार्थी भविष्य के लिए तैयार हो सकें। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सम्पा साहा, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी,जिला मंत्री जामु मरांडी , नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, मनोरंजन सरकार, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक साह,संजीव साह, अजीत रविदास,सपन दुबे, पवन भगत, पार्वती देवी, प्राची चौधरी, अनामिका कुमारी, दुलाली मंडल, संजीत मुखर्जी, निर्मल दास, पार्थ रक्षित, सुशील साह, अक्षय पाण्डेय,श्यामल साह, कमला देवी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

कांग्रेस द्वारा बूथ को जानो कार्यक्रम के तहत कार्यकताओं के बीच वितरित किया गया वोटर लिस्ट

शहर कांग्रेस कमेटी और जिला सेवादल द्वारा महिलाओं के बीच माई बहिन मान योजना को लेकर किया गया पंजीयन

जमालपुर।

जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में मारवाड़ी धर्मशाला रोड स्थित गांधी चर्चा मंदिर कांग्रेस कार्यालय में ₹बूथ को जानो₹ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष साईं शंकर ने किया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं के बीच वोटर लिस्ट वितरित किया गया। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए अध्यक्ष साईं शंकर ने कहा कि हर कांग्रेस कार्यकताओं को अपने क्षेत्र के मतदाताओं को जानने और समझने हेतु वोटर लिस्ट प्रदान किया जा रहा है। ताकि स्तर पर पार्टी के कार्यकर्ता हर मतदाताओं की पहचान कर मतदान के समय यह सुनिश्चित हो कि वास्तविक मतदाता ही मतदान करने मतदान करने पहुंचा है या नहीं। ₹बूथ को जानो₹ कार्यक्रम के माध्यम से फर्जी मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित हो सकेगी और वास्तविक मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर

सकेंगे। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। हमें उम्मीद है कि सभी कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के वोटरों से मिलकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने में योगदान करेंगे। जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा जमालपुर शहर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा नियुक्त प्रभारी जुगल किशोर यादव एवं पिंटू सिंह के द्वारा ₹बूथ को जानो₹ कार्यक्रम के तहत सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को वोटर लिस्ट प्रदान किया गया।

महागठबंधन द्वारा प्रस्तावित योजना के प्रचार प्रसार के लिए किया गया पंजीयन

बूथ को जानो₹ कार्यक्रम के उपरांत शहर कांग्रेस कमेटी तथा जिला कांग्रेस सेवा दल के संयुक्त तत्व प्रावधान में महागठबंधन द्वारा प्रस्तावित माई बहन मान योजना के प्रचार प्रसार को लेकर शहर की महिलाओं के बीच पहुंचकर पंजीयन किया गया। तथा योजना को लेकर महिलाओं को जागरुक करते हुए कहा गया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के उपरांत यदि महागठबंधन सरकार बनती है तो महागठबंधन सरकार द्वारा बिहार में माई बहिन मान योजना लागू किया जाएगा। इस संभावित योजना के तहत जरूरतमंद महिलाओं को सम्मान राशि 2500 रुपए प्रति महीना प्राप्त होगा। मौके पर कांग्रेस सेवा दल जिला अध्यक्ष चंदन सिंह, कांग्रेस सेवा दल महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पूजा शर्मा, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सिद्धेश्वर नाथ विश्वकर्मा, विनोद कुमार मंडल, आर के पूनमश्री, भूपेंद्र नाथ सिंह, मोहम्मद नौशाद आलम, रघुबीर कुमार, प्रेम कुमार, विवेक कुमार, अरविंद कुमार, मोहम्मद अजीम अंसारी, मोहम्मद इनाम आलम, चंदन कुमार एवं राहुल कुमार मौजूद थे।

पिपरा बगाही मुखिया द्वारा महिला को पीटे जाने का मामला पकड़ा तुल

पीड़ित महिला के बयान पर कुटुंबा पुलिस ने किया मामला दर्ज , मामले को लेकर चढ़ा राजनीतिक पारा।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के कुटुंबा प्रखंड के पिपरा बगाही पंचायत के दबंग मुखिया के द्वारा सरेआम पीटे जाने का मामला अब धीरे-धीरे तुल पकड़ते जा रहा है,बताते चलें कि पिपरा बगाही के मुखिया द्वारा महिला की पिटाई की गई थी जो सदर अस्पताल में इलाज रत है , अपनी इलाज करने के दौरान महिला ने अपने ऊपर मारपीट के दौरान हुई घटना की जानकारी पत्रकारों के बीच साझा की। जहां एक और कुटुंबा थाना पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपी को पिपरा बगाही मुखिया के ऊपर मुकदमा दर्ज कर दी है वही दो राजनीतिक पार्टी के नेताओं के द्वारा आरोप प्रत्यारोप के बाद राजनीतिक पारा गर्म होते जा रही है दरअसल जिस महिला की पिटाई सरेआम मुखिया ने की है वह महिला माय बहन सम्मान योजना का फॉर्म फील कर रही थी जो स्थानीय कांग्रेस विधायक बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम के द्वारा दी गई थी, जिस पर आपत्ति दर्ज करते हुए ग्राम पंचायत पिपरा बगाही के मुखिया ने उक्त महिला की पिटाई सरेआम कर दी थी,, उक्त मामले को लेकर जहां पीड़िता सिंधु देवी ने आरोपी मुखिया पर प्राथमिक की दर्ज करते हुए न्याय की गुहार लगाई है, वही उसके पति ने भी न्याय पत्नी को नया दिलाने की बात कही। उक्त मामले को संज्ञान में लेते हुए लोजपा वरीय नेता सह पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष, पंकज पासवान ने पीड़िता से मिलकर हाल-चाल जाना साथ ही आरोपी मुखिया को तत्काल गिरफ्तारी की मांग की, वहीं स्थानीय विधायक राजेश राम के कार्य पुजारी को लेकर प्रशासन से जांच की मांग की है, इधर मुखिया द्वारा महिला की पिटाई मामले को लेकर स्थानीय कुटुंबा विधायक सह बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार से पत्रकार जब जानकारी लेना चाहा तो उन्होंने कहा कि यह महिला के साथ न्याय हुआ है महिला के ऊपर कोई भी व्यक्ति हाथ नहीं उठा सकता है इसके लिए कानून का सहारा लेना चाहिए और दूसरी व्यक्ति को विरोध प्राथमिक की दर्ज होनी चाहिए।

गोह आने के दौरान हादसाः मां-बेटी गंभीर रूप से घायल, गया रेफर

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)रफीगंज थानाक्षेत्र के दल बिगहा गांव निवासी सरिता देवी अपनी पुत्री जूही कुमारी के साथ रिश्तेदार सूर्या कुमार की बाइक से गोह बाजार आवश्यक कार्य के लिए आ रही थीं। जैसे ही वे रुकुंदी गांव के समीप पहुंचे, विपरीत दिशा से आ रही एक अज्ञात बाइक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में सरिता देवी और उनकी बेटी जूही कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोह लाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने स्थिति को गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज, गया रेफर कर दिया है।

के.ए. पॉल ने भारत और वैश्विक नेताओं से इस्राइल-ईरान संघर्ष को रोकने की अपील की

नई दिल्ली, ।

विश्व प्रसिद्ध शांति दूत और मानवतावादी डॉ. के.ए. पॉल ने भारत सहित विश्व नेताओं से अपील की कि वे इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष को रोकने के लिए तुरंत कूटनीतिक कदम उठाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो यह संकट वैश्विक युद्ध का रूप ले सकता है। डॉ. पॉल, जिन्होंने अब तक 155 से अधिक देशों में राष्ट्राध्यक्षों को शांति परामर्श दिया है, ने संयुक्त राष्ट्र, नाटो और कई देशों की सरकारों की चुप्पी और निष्क्रियता पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अगर यूं ही बढ़ता रहा, तो इसमें वैश्विक शक्तियों की भागीदारी के चलते स्थिति विश्व युद्ध जैसी हो सकती है। दुनियाभर के नेता चुप बैठे हैं, युद्धों पर खरबों खर्च हो रहे हैं, जबकि अरबों लोग भूखे मर रहे हैं। यह अस्वीकार्य है, उन्होंने कहा। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सांसदों से अपील की कि वे भारत की उस शांति की परंपरा को कायम

रखें, जिसकी नींव महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर ने रखी थी। अगर हम खुद को विश्वगुरु कहते हैं, तो अब हमें हथियारों से नहीं, बुद्धिमत्ता से नेतृत्व करना होगा,ह्व उन्होंने कहा। डॉ. पॉल ने बताया कि वे इस्राइल और ईरान की कई सरकारों के दौरान राज्य अतिथि रह चुके हैं और अमेरिका व भारत की प्रमुख पार्टियों के नेताओं के साथ लगातार संवाद कर रहे हैं, ताकि संघर्षविराम के लिए दबाव बनाया जा सके। उन्होंने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों को ह्लखतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बताया और कहा कि ईरान और गाजा पर सैन्य हमले अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन हैं। उन्होंने 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए हमले की निंदा की, लेकिन साथ ही गाजा में जारी मानवीय संकट की भी तीव्र आलोचना की और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। एक निर्दोष जीवन, इस पूरी दुनिया की दौलत से अधिक मूल्यवान है, उन्होंने कहा, और इस्राइली व ईरानी नेतृत्व से शांति को एक मौका देने की अपील की। डॉ. पॉल ने अंत में भारत, G7 देशों और अन्य वैश्विक नेताओं से अपील की कि वे पर्दे के पीछे कूटनीति शुरू करें, शांति प्रतिनिधिमंडल भेजें, और सहयोग की वैश्विक भावना को पुनर्जीवित करें, ताकि और जानें बचाई जा सकें।

नीट परीक्षा में जमालपुर के उत्कर्ष राज ने लहराया परचम, माता-पिता एवं गुरु का मिला आशीर्वाद

जमालपुर।

जमालपुर मुंगेर मुख्य पथ पर दरियापुर निवासी संतोष कुमार साव के पुत्र उत्कर्ष राज ने नीट परीक्षा में 3421 वां रैंक लाकर ना सिर्फ अपने परिवार का मान बढ़ाया है बल्कि उत्कर्ष के इस उपलब्धि से मुंगेर जिला का भी नाम रौशन हुआ है। नीट परीक्षा क्वालीफाई करने पर उत्कर्ष राज के माता-पिता के अलावा ननिहाल के लोगों ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी। घर के सभी सदस्यों के बीच उत्साह का माहौल है। पिता संतोष कुमार साव ने बताया कि व्यापार के कार्य के कारण उन्हें आए दिन घर से बाहर रहना पड़ता था। उत्कर्ष की माता पूनम कुमारी लखीसराय जिला अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, वृंदावन किऊल में सहायक शिक्षिका के रूप में कार्यरत है। ऐसे में उत्कर्ष का ध्यान रखने के लिए उनकी नानी सुशीला देवी के अलावा उनके मामा दिलीप प्रसाद, प्रदीप कुमार, संदीप कुमार का बड़ा योगदान रहा है। उत्कर्ष के दादा डॉक्टर महेंद्र प्रसाद साव बांका जिला अंतर्गत बेलहर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बांका में आयुष चिकित्सक के रूप में लंबा योगदान देते हुए जीएमएस पद से सेवानिवृत्त हुए। इसके अलावा बेलहर में निर्मला हेल्थ क्लिनिक भी संचालित करते थे। दादा का सपना था कि उनका पोता उनकी तरह ही डॉक्टर बने। नाना स्व रामबाबू प्रसाद, जो कि रेलवे डीजल शेड से सेवानिवृत्त हुए थे, उनका भी सपना था कि उनका नाती अपने योग्यता से परिवार का नाम रौशन करे। संतोष कुमार साव ने आगे बताया कि उत्कर्ष से मुझे भी एक

उपलब्धि हासिल हुई है। अब तक मुझे एक डॉक्टर का बेटा होने का गौरव हासिल था, अब मुझे एक डॉक्टर का पिता बनने का भी गौरव हासिल हुआ है। छोटी बहन प्रगति कुमारी आईआईटी की तैयारी के लिए कोटा में पढ़ाई कर रही है। उन्हें भरोसा है कि भाई की तरह प्रगति भी अपने जीवन पथ पर प्रगति की ओर अग्रसर होगी। नॉट्रेडेम एकेडमी के गणित शिक्षक श्रीनिवास उपाध्याय ने बताया कि उत्कर्ष बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल था। गणित विषय के साथ-साथ विज्ञान में भी उत्कर्ष की विशेष रूचि थी और लगातार अपने मेहनत के दम पर कक्षा में अव्वल स्थान बनाए रखता था। नोट्रेडेम से दसवीं बोर्ड में उत्कर्ष ने 92 प्रतिशत अंक हासिल किया था। इसके उपरांत 12वीं कक्षा में बिहार बोर्ड से उत्कर्ष ने 92 प्रतिशत अंक हासिल किया। नीट परीक्षा में उत्कर्ष ने भौतिकी विषय में 99.63 प्रतिशत, जीव विज्ञान विषय में 99.43 प्रतिशत तथा रसायन शास्त्र विषय में 97.88 प्रतिशत के साथ कुल 560 अंक हासिल किया। उत्कर्ष के इस उपलब्धि से उनके शिक्षकों का भी मान सम्मान बढ़ा है। उत्कर्ष ने बताया कि उसका बचपन से ही सपना था कि एक डॉक्टर के रूप में वह लोगों की सेवा कर सके। एक सफल डॉक्टर बनकर मानव सेवा करना उनका प्रथम लक्ष्य था। जबकि उनका दूसरा सपना आईएएस अधिकारी बना था। प्रथम लक्ष्य की पूर्ति के बाद अपने दूसरे लक्ष्य को साधने का उनका प्रयास होगा। उत्कर्ष ने बताया कि नीट परीक्षा का परिणाम आने के बाद माता-पिता के अलावा ननिहाल परिवार के सदस्यों ने उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान किया। उनके गुरुजनों का भी उन्हें आशीर्वाद मिला। सीतामढ़ी जिला समाहरणालय में कार्यरत चाचा पंकज कुमार एवं पुपरी से परिवार के अन्य सदस्यों ने दूरभाष के माध्यम से उन्हें बधाई दी।

अमेरिका के पाकिस्तानी मोह में फंसने की तार्किकता

>> विचार

"एक बार फिर मामला है कि आप अमेरिकियों को एक-दो सांप ऐसे सौंप दें कि वे आपकी सपेरागिरी के कायल हो जाएं। यहां तीन कारण हो सकते हैं कि क्यों पश्चिमी देश पाकिस्तान के मोहपाश में फंसने को तैयार हैं :पहला, आतंकियों पर पाकिस्तान का निरंतर प्रभाव उसे एक कीमती मित्र बनाता है। हाल ही में, पाकिस्तान ने मोहम्मद शरीफुल्लाह 'जफ़र' सहित इस्लामिक स्टेट के पांच लड़ाके अमेरिकियों को सौंपे, जो 2021 में काबुल हवाई अड्डे के पास बम हमले में शामिल थे, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। तथ्य तो यह कि भले ही 'जफ़र' इस काबुल हमले का मास्टरमाइंड रहा हो, लेकिन वह आईएस के शीर्ष नेतृत्व में नहीं था। उसे सौंपकर मुनीर अपने लिए समय और प्रभाव खरीद रहे हैं- पाक की अमेरिका को लेकर रणनीति का अभिन्न अंग।

ज्योति मल्होत्रा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ़ भारत द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के औचित्य को समझाने के वास्ते पिछले दो हफ़्तों में 40 से ज़्यादा भारतीय राजनेताओं और पूर्व राजनयिकों से बने सात प्रतिनिधिमंडल 33 देशों में भेजे गए, लेकिन गत 14 जून को वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख और अब फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर को आमंत्रित किया गया। इस बार की परेड में कुछ पुराना फौजी साजो-सामान 1991 के बाद पहली बार दिखा- 6,600 सैनिक, 28 अब्राम टैंक, 28 ब्रैडली लड़ाकू वाहन, 28 स्ट्राइकर वाहन, चार पैलाडिन सेल्फ-प्रोपेल्ड हॉवित्ज़र तोपें, आठ मार्चिंग बैंड, 24 घोड़े, दो खच्चर और एक कुत्ता झ्र कुछ रॉकेट लॉन्चर और प्रिसिजन-गाइडेड मिसाइलें भी। इस रोज़ डोनॉल्ड ट्रंप का 79वां जन्मदिन भी था। इस बीच, सांसदों के सभी सातों प्रतिनिधिमंडल स्वदेश लौट आए और उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। लंदन, पेरिस, रोम, कोपेनहेगन, बर्लिन और ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के मुख्यालय की यात्रा पर गए भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने लौटने पर संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने इन सभी यूरोपीय शहरों में अपने वार्ताकारों को आतंकवाद के प्रति भारत की 'ज़ीरो टॉलरेंस' बारे बताया। प्रसाद ने कहा : 'हमने साफ कर दिया कि हम पाकिस्तान के लोगों के खिलाफ नहीं। समस्या पाकिस्तान के जनरलों से है, जिनसे खुद वहां के लोग भी तंग आ चुके हैं।' लगता है प्रसाद खबरों को ध्यान से नहीं पढ़ रहे हैं। दो दिन पहले ही वाशिंगटन डीसी में, यूएस सेंट्रल कमांड के शक्तिशाली कमांडर जनरल माइकल ई कुरिल्ला ने यूएस सीनेट सशस्त्र सेवाएं समिति को बताया कि पाकिस्तान एक 'खास साझेदार' है, खासकर आतंकवाद विरोधी मोर्चे पर। कुरिल्ला ने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह कोई बाइनरी स्विच जैसा होना चाहिए कि यदि हम भारत के साथ संबंध रखें, तब हमें पाकिस्तान के साथ (संबंध) नहीं रखने चाहिए।' इससे कुछ दिन

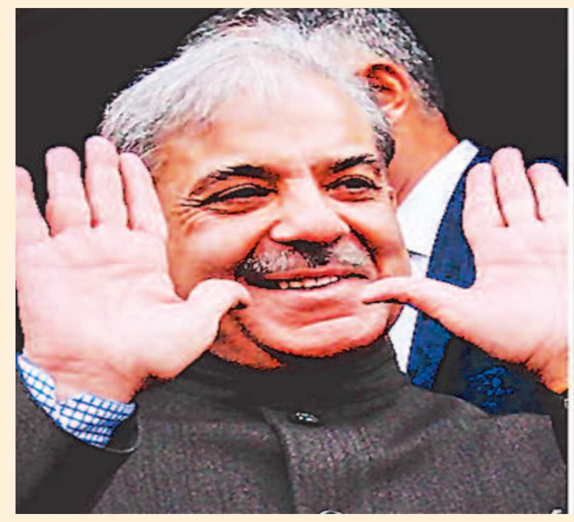

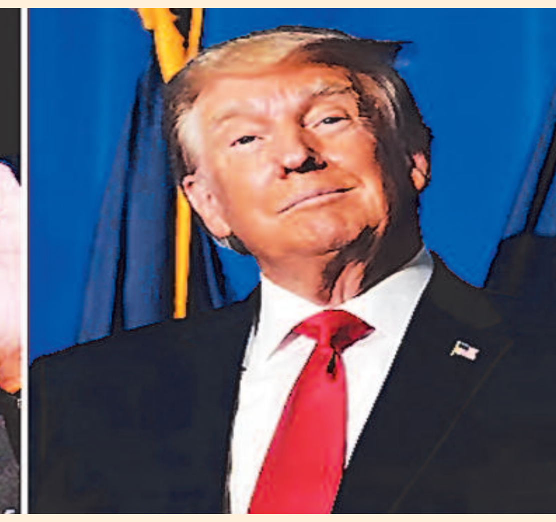

पहले, कुरिल्ला के बॉस, डोनॉल्ड ट्रम्प ने भी घोषणा की थी, 'पाकिस्तान के पास बहुत मजबूत नेतृत्व है। कुछ लोगों को यह नागवार लगता है जब मैं ऐसा कहता हूं, लेकिन हुआ यही है, और उन्होंने उस युद्ध को रोक दिया। मुझे उन पर बहुत गर्व है। क्या मुझे श्रेय मिल रहा है? नहीं। वे मुझे किसी भी चीज़ का श्रेय नहीं दे रहे। तब भारत और अमेरिका के बीच प्रसिद्ध 'रणनीतिक साझेदारी' का क्या बना? इसके अलावा, क्या भारत और पाकिस्तान के बीच हमें सख्त नापसंद 'हाइफ़नेशन' (दोनों को बराबर पलड़े में तोलना) फिर से बन गया है? बड़ा सवाल, बेशक, यह कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अभी भी ऐसे मुल्क के मोहपाश में क्यों फंसा है, जिसकी अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है (आईएमएफ से 25 ऋण ले रखे हैं), जो कहने भर का लोकतंत्र है और भारत में आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड बना हुआ है, जिसमें नवीनतम कांड पहलगाम में हुआ दुर्दांत हमला है। निश्चित रूप से, काली दाल में फिर कड़छी चल रही है। कम-से-कम 2008 के बाद से, जब भारत और अमेरिका ने परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जहां अमेरिकी भारत के साथ साझेदारी के लिए उत्सुक रहे वहीं ऐसे ही भारतीय भी। यह सिर्फ इस बारे नहीं था कि भारत कितने बोइंग विमान खरीदेगा, हालांकि इससे रिश्तों में मदद मिल सकती थी। अमेरिका ने व्यापारिक आदान-प्रदान पर टिकी साझेदारी से परे वास्तविक संबंध की कीमत को पहचाना, जिसमें भारत को चीन के प्रति-संतुलन के रूप में देखा जाने लगा। लेकिन ट्रम्प ने आपसी व्यापार में लेन-देन में बराबरी रखने की अपनी प्रवृत्ति के साथ दुनिया में उलटफेर कर दिया। पाकिस्तान को एक नयी राह की तरह देखा जाने लगा है। हिलेरी क्लिंटन ने 2012 में पाकिस्तान को लेकर दुविधा को बहुत भावुकता से व्यक्त किया था 'बात यह नहीं कि आपने पिछवाड़े में कितने सांप पाल रखे हैं, और क्या वे आपको नहीं डंस सकते'। एक बार फिर मामला है कि आप अमेरिकियों को एक-दो सांप ऐसे सौंप दें कि वे आपकी सपेरागिरी के कायल हो जाएं। यहां तीन कारण हो सकते हैं कि क्यों पश्चिमी देश पाकिस्तान के मोहपाश में फंसने को तैयार हैं :पहला, आतंकियों पर पाकिस्तान का निरंतर प्रभाव उसे एक कीमती मित्र बनाता है। हाल ही में, पाकिस्तान ने मोहम्मद शरीफुल्लाह 'जफ़र' सहित इस्लामिक स्टेट के पांच लड़ाके अमेरिकियों को सौंपे, जो 2021 में काबुल हवाई अड्डे के पास बम हमले में शामिल थे, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। तथ्य तो यह कि भले ही 'जफ़र' इस काबुल हमले का मास्टरमाइंड रहा हो, लेकिन वह आईएस के शीर्ष नेतृत्व में नहीं था। उसे सौंपकर मुनीर अपने लिए समय और प्रभाव खरीद रहे हैं- पाक की अमेरिका को लेकर रणनीति का अभिन्न अंग, जो दशकों कारगर रहा। कुरिल्ला द्वारा पाकिस्तान की प्रशंसा के तुरंत बाद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की दो प्रमुख समितियों में पाकिस्तान को अहम ओहदों पर को नामित किया गया- तालिबान पर प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता और आतंकवाद विरोधी समिति का उपाध्यक्ष। जब अमेरिका को अहसास हो गया है कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की उपयोगिता भले कामों में बरतने की अपेक्षा नुकसान पहुंचाने वालों से निबटने में कहीं अधिक है, तो क्यों न राक्षस को कुछ-कुछ निवाला डालते रहें ताकि वह काबू में रहे? दूसरा, जब कोई ट्रंप को ना कह दे या बात काटे, तो यह उनके बेहद अहंकारी स्वभाव को रास नहीं आता। इसलिए जब उन्होंने और उनके सहयोगियों ने 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम के लिए 'मध्यस्थता' करने की घोषणा की, तब भारत ने यह बात नकार दी ट्रंप यह बात 12 बार और दोहरा चुके हैं)। हकीकत यह कि भारतीय वायु सेना ने 10 मई को 11 पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर हमला करके करारा संदेश दिया, जिसने पाकिस्तानियों और अमेरिकियों, दोनों में, 'ईश्वरीय भय' पैदा कर दिया, और संघर्ष जल्द खत्म हो गया। ट्रंप जो भी कहें, उसे नकारने की जहमत क्यों उठाएं? तीसरा, पाकिस्तान खुद को पीड़ित दिखाने में माहिर है, यह कोई छोटी विडंबना नहीं। भारत को घिनौनी रंगत देने वाले अभियान को आगे बढ़ाकर कि 'भारत सिंधु नदी के पानी को रोक 23 करोड़ लोगों को प्यासा मारना चाहता है'), वह वैश्विक सहानुभूति पाने की कोशिश में है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद वाशिंगटन व लंदन में बिलावल भुट्टो की मुहिम का उद्देश्य यही था। आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की भूमिका बारे सवालों को इस प्रश्न से दरकिनार कर दिया जाता है कि 'सबूत कहां है?' पाकिस्तान आतंकवाद के साथ अपने अनुभवों की तुलना मुंबई आतंकी हमले में अजमल कसाब जैसा ठोस सबूत पाने से करना चाहता है, जिसमें लगभग 170 लोग मारे गए थे। अमेरिका की सहानुभूति दिख रही है। जनरल कुरिल्ला ने कहा कि 2024 में पाकिस्तान को करीब 1,000 आतंकी हमले सहने पड़े, जिसमें 700 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 2,500 घायल हुए। सवाल है कि अब आगे क्या। जनरल मुनीर ने अमेरिकियों को शीशे में उतार लिया है, लिहाजा अमेरिकी सेना की परेड में उनकी उपस्थिति, उन्हें कुछ मांगें और करने का मौका देगी। पाक-अमेरिका व्यापार में शून्य-टैरिफ का अनुरोध किया जाएगा; इससे भी महत्वपूर्ण है कि यह सुझाव दिया जाएगा कि अमेरिका भारत पर सिंधु जल संधि बहाल करने और वार्ता फिर से शुरू करने को दबाव डाले। ग्रीष्म ऋतु आगे लंबी और कठिन होने वाली है। हो सकता है भारत के पास कुछ पत्ते हों, लेकिन उसे यह सीखना होगा कि उन्हें सीने से लगाकर न रखे। पाकिस्तान की बेईमानी बारे अपना आकलन साझा करें, लेकिन इस बात पर घमंड न करे कि वह बड़ा और बेहतर दक्षिण एशियाई राष्ट्र है। बेहतर होगा कि अपने अंदर झांकें और अपने चाणक्य या फिर सन त्ज़ु को फिर पढ़ें। जिनके मुताबिक 'अपने दोस्तों को हमेशा करीब रखना अच्छा विचार है, लेकिन दुश्मनों को और भी नज़दीक रखें।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं

संपादकीय

दिल्ली में स्कूल फीस पर कानून का शिकंजा

दिल्ली के निजी विद्यालयों में मनमाने तरीके से शुल्क बढ़ाए जाने पर सवाल उठते रहे हैं। अभी हाल ही में द्वारका में कई अभिभावकों ने सरकार की अनुमति के बिना एक विद्यालय पर शुल्क बढ़ोतरी का आरोप लगाया था। साथ ही दावा किया था कि बच्चों और उनके माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए कुछ स्कूलों में अतिरिक्त कर्मी तैनात किए जाते हैं। निजी विद्यालयों की निरंकुशता का मुद्दा अदालतों में भी उठता रहा है। ऐसा भी नहीं कि शिक्षा निदेशालय को वस्तुस्थिति मालूम न हो। सवाल यह है कि निजी विद्यालयों को मनमानी करने की छूट किसने दी? कौन लोग हैं जो इन्हें अब तक शह देते रहे हैं? लगातार शिकायतें मिलने पर दिल्ली सरकार ने हाल ही में विधानसभा में दिल्ली स्कूल शिक्षा (पारदर्शिता निर्धारण और शुल्क विनियमन-2025) विधेयक पारित करने का निर्णय किया था, मगर किन्हीं कारणों से यह पेश नहीं किया जा सका था। सरकार निजी विद्यालयों को अब जवाबदेह बनाना चाहती है अब इस विधेयक को अध्यादेश के जरिए लागू करने का दिल्ली मंत्रिमंडल का फैसला एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इससे शुल्क प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और अभिभावकों को भी बड़ी राहत मिलेगी। निजी विद्यालयों को अब जवाबदेह बनना होगा। वे अभिभावकों पर मनमाने तरीके से आर्थिक बोझ नहीं डाल सकेंगे। अब दिल्ली के निजी स्कूल नहीं वसूल पाएंगे मनमानी फीस, पेरेंट्स को मिलेगा लाभ; रेखा गुप्ता सरकार ने लिया बड़ा फैसला हैरत की बात तो यह है कि निजी विद्यालयों में शिक्षा शुल्क के अतिरिक्त अन्य मदों में राशि जोड़कर कई वर्षों से वसूली की जाती रही है। विकास शुल्क के नाम पर अभिभावकों पर दबाव बनाया जाता है। मगर, अब इस पर रोक लग सकेगी। गौरतलब है कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना शुल्क बढ़ाने पर निजी विद्यालयों और दिल्ली शिक्षा निदेशालय को नोटिस जारी किए थे। इसमें दोराय नहीं कि बार-बार शुल्क बढ़ाए जाने से गरीब और मध्यवर्गीय परिवारों पर नाहक ही आर्थिक बोझ पड़ता है। नया अध्यादेश लागू होने के बाद निजी विद्यालय निर्धारित सीमा से अधिक शुल्क नहीं वसूल सकेंगे। इस अध्यादेश में ऐसे कई प्रावधान हैं, जिनसे अभिभावकों को चिंता से मुक्ति मिलेगी। शुल्क के नाम पर विद्यार्थियों को परेशान किए जाने पर पचास हजार के जुर्माने का प्रावधान निस्संदेह सरकार का सख्त कदम है।

युद्धविराम के बाद भी सीमा पर आबादी डर और दहशत के साये में

हारून रेशी

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर रहने वाली आबादी पर आफत टूट पड़ी है, प्रभावित इलाकों में अभी भी मातम पसरा है, हर आंख नम है और हर दिल गमगीन है। एक महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी से प्रभावित इलाक़ों में तबाही के निशान अभी भी साफ़ दिखाई दे रहे हैं। पीड़ितों के चेहरों पर अभी भी डर और दहशत के साये दिखाई दे रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व में कई विधायकों के दल द्वारा सीमावर्ती इलाकों के दस दिवसीय दौरे के बाद सरकार को सौंपी गई विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार घाटी के कुपवाड़ा और बारामुल्ला तथा जम्मू के पोख और राजौरी इलाकों में सीमा पार से गोलाबारी के कारण कम से कम दो हजार रिहायशी मकान और अन्य ढांचे क्षतिग्रस्त हुए हैं। अंधाधुंध गोलाबारी में रिहायशी मकान, दुकानें, पूजा स्थल, स्कूल भवन और कई वाहन भी तबाह हो गए। सबसे भयावह 7 मई से 10 मई तक के चार दिन थे। यानी ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत से लेकर दोनों देशों द्वारा युद्ध विराम की घोषणा तक, चारों जिलों की सीमावर्ती आबादी तबाह हो गई थी। अकेले पुंछ जिले में दो महिलाओं और चार बच्चों समेत अठारह लोगों की जान चली गई। मरने वालों में सैंतालीस वर्षीय रमीज खान के बारह वर्षीय जुड़वां बच्चे जैन अली और उर्वा फातिमा भी शामिल थे। रमीज खुद घायल होने के कारण जम्मू के एक अस्पताल में लेटे थे। सीमा पार से दागे गए मोर्टार शेल के टुकड़े उनके लीवर और पसलियों में धंस गए थे। 7 मई की सुबह सीमा पार से दागा गया एक गोला उनके घर के पिछले हिस्से पर लगा। उनके दोनों बच्चों की मौक़े पर ही मौत हो गई। ऐसी ही दर्दनाक कहानियां कई अन्य पीड़ितों की सुनने को मिलती हैं। किसी ने अपनों को खोया तो किसी ने अपना घर। प्रभावित इलाकों में अभी भी मातम का माहौल है। कुपवाड़ा के करनाह सेक्टर के निवासी मंजूर अहमद को ऐसा लग रहा है जैसे उनकी दुनिया ही उलट गई हो। वह मजदूर हैं और उनके दो बेटे भी मजदूरी करते हैं। सात मई की आधी रात को उनके घर पर गोलाबारी हुई। घर तो तबाह हो ही गया, साथ ही गोशाला भी नष्ट हो गई और उनकी दो गायें मर गईं। रकीम से फोन पर बातचीत के दौरान उनके शब्द दिल दहला देने वाले थे, 'मेरा पुश्तैनी घर 2005 के भूकंप में तबाह हो गया था। उसके बाद मुझे यह नया घर बनाने में बीस साल लग गए। अब मेरा यह तीन कमरों का घर हाल ही में बनकर तैयार हुआ था। जब भूकंप में मेरा घर गिरा, उस समय मेरे दोनों बच्चे छोटे थे, लेकिन मैंने हालात का सामना करने की हिम्मत रखी। मैंने सालों मेहनत की और आखिरकार नया घर बना लिया, लेकिन अब नया घर बनाना मेरे बस की बात नहीं है। छोटी-मोटी कयामत ऐसी ही होती है। नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी मूल रूप से पहलगाम में आतंकी घटना के बाद शुरू हुई थी, लेकिन सात मई से दस मई तक इसकी तीव्रता असाधारण रही। सबसे ज़्यादा तबाही इन्हीं चार दिनों में हुई। इस स्थिति के दौरान सीमा के नज़दीक रहने वाले सैकड़ों परिवार पलायन भी कर गए। ये लोग गोलाबारी के दौरान अपने घर, खेत और यहां तक कि जानवर भी छोड़कर भाग गए थे। बारामूला के उरी इलाके में भी इसी तरह का पलायन एक परिवार के लिए आफत लेकर आया। यह परिवार अपनी कार से सुरक्षित इलाके की ओर भाग रहा था, तभी घर से कुछ किलोमीटर दूर सीमा पार से दागा गया गोला उनकी कार से टकराया, जिसमें गृहिणी नरगिस बानो की मौत हो गई और परिवार के दो सदस्य घायल हो गए। अब ज्यादातर लोग लौट आए हैं, लेकिन उनके सामने कई परेशानियां हैं। शायद उनकी सबसे बड़ी समस्या मोर्टार के गोले हैं, जो बिना फटे रह गए हैं। हालांकि सेना ने बड़े अभियान के तहत इनमें से ज्यादातर गोले बरामद कर उन्हें बेकार कर दिया है, लेकिन ऐसी स्थिति में हमेशा यह आशंका बनी रहती है कि किसी खेत या घर की छत आदि पर कोई गोला बिना फटा रह गया हो। पहले भी कई बार ऐसे गोले बाद में फट चुके हैं और कई लोगों की जान जा चुकी है। ऐसा भी नहीं है कि जम्मू-कश्मीर में सीमा पर रहने वाली आबादी को आज पहली बार ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा हो। वे गोलियों की गड़गड़ाहट और गोलाबारी की गूंज में रहे हैं। उन्होंने पिछले आठ दशकों में भारत और पाकिस्तान के बीच कई युद्ध देखे और झेले हैं। पिछले पैंतीस वर्षों में हजारों सशस्त्र झड़पें देखीं। वे एक जैसे हालात में रहे। वे मरते रहे और अपनी जान के लिए संघर्ष करते रहे। जब भी भारत और पाकिस्तान की सेना ने एक-दूसरे पर गोलियां चलाईं, तो सीमा पर रहने वाले लोगों पर आफत आ गई। 2003 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए, तो सीमा पर रहने वाले लोगों ने पहली बार राहत की सांस ली थी। यह राहत लंबे समय तक चलने वाली साबित हुई। हालांकि, 2019 में जब मोदी सरकार ने एकतरफा तरीके से संसदीय अधिनियम के जरिए जम्मू-कश्मीर का विशेष संवैधानिक दर्जा खत्म कर दिया और उसका राज्य का दर्जा छीनकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया, तो दोनों देशों के बीच दुश्मनी फिर से शुरू हो गई और इसके साथ ही सीमाओं पर गोलाबारी फिर से शुरू हो गई। जाहिर है, इस साल 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्ध विराम की घोषणा की गई, लेकिन यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है कि यह लंबे समय तक चलने वाला साबित होगा या नहीं।

केरल के सम्पूर्ण डिजिटल साक्षरता मॉडल को पूरे भारत में अपनाने की जरूरत

प्रो. मिलिंद कुमार शर्मा

भारत एक विशाल और विविधताओं से सम्पन्न राष्ट्र है, जो तीव्रता से डिजिटल युग की ओर कदम बढ़ा रहा है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियान भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। यद्यपि, आज भी देश के अधिकांश ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी एक बड़ी बाधा बनी हुई है तथापि केरल राज्य ने सम्पूर्ण डिजिटल साक्षरता प्राप्त कर इस दिशा में एक अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है। यद्यपि इसकी अभी आधिकारिक घोषणा होना शेष है फिर भी यह उल्लेखनीय है कि इस अभियान में केरल राज्य ने लगभग 21 लाख लोगों को डिजिटल साक्षर किया है। यह उपलब्धि न मात्र तकनीकी दृष्टि से अपितु सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक और शैक्षिक दृष्टिकोण से भी अहम है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि यदि केरल राज्य का यह मॉडल पूरे भारत में लागू किया जा सके तो इसके दूरगामी परिणाम दिखाई दे सकते हैं और हमारे विकसित भारत के स्वप्न को पंख लगा सकते हैं। केरल ने डिजिटल साक्षरता को एक व्यापक और समावेशी अभियान के रूप में लिया, जिसमें समाज के हर वर्ग को सम्मिलित किया गया। स्वयं सहायता समूह द्वारा प्रारंभ किए गए इस कार्य की शुरुआत 'डिजी केरल' परियोजना से हुई, जो देश की पहली ग्रामीण डिजिटल साक्षरता योजना कही जा सकती है। इस योजना के अंतर्गत राज्य भर में 21 लाख से अधिक डिजिटल असाक्षर नागरिकों की पहचान कर उनको कंप्यूटर, इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं का सफल प्रशिक्षण दिया गया। यह रेखांकित करना उचित होगा कि राज्य का यह भागीरथी प्रयास के जरिए न केवल राज्य के कोने कोने में डिजिटल शिक्षा प्रदान की जा रही है, अपितु सरकार की ई-गवर्नेंस सेवाओं को भी आम जनता तक पहुंचाने में सार्थक योगदान कर रहे हैं। इस अभियान की एक और विशेषता यह है कि इसमें महिलाओं की भागीदारी को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। कुदुम्बश्री जैसे महिला सशक्तीकरण समूहों को डिजिटल प्रशिक्षण देकर उन्हें उनके समुदायों में डिजिटल साक्षरता फैलाने का दायित्व सौंपा गया। इससे न केवल तकनीकी ज्ञान का प्रसार हुआ, अपितु महिलाओं की सामाजिक भूमिका भी सुदृढ़ हुई। इसके अतिरिक्त, केरल ने यह भी सुनिश्चित किया कि हर आयु वर्ग के लोगों को यह ज्ञान व कौशल प्राप्त हो-चाहे वह विद्यार्थी हो, गृहिणी हो, मनरेगा कामगार हो, कृषि से जुड़े युवा हो या बुजुर्ग। केरल की इस सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी उच्च साक्षरता दर और शिक्षा प्रणाली में तकनीक की पहले से उपस्थित स्वीकार्यता है। निसंदेह राज्य सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति भी इस अभियान को गति देने में प्रमुख भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त, सामाजिक भागीदारी और तकनीकी ढांचे की सुगमता से उपलब्धता ने इस अभियान को जन आंदोलन का

स्वरूप दे दिया। स्थानीय निकायों और स्वयंसेवी संगठनों ने भी इस प्रयास में उत्साहपूर्वक भाग लिया। अब प्रश्न यह है कि इस मॉडल को पूरे भारत में कैसे लागू किया जा सकता है। भारत जैसे विविधता प्रधान देश में किसी एक मॉडल को सीधे लागू करना न तो संभव होगा न ही उचित होगा। अतः सवर्प्रथम प्रत्येक राज्य को अपनी स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार इस मॉडल को ढालना होगा। कुछ राज्यों में भौगोलिक बाधाएं हैं तो कुछ में सामाजिक-पारिवारिक रूढ़ियां। इन सभी को ध्यान में रखकर डिजिटल शिक्षा कार्यक्रमों को तैयार करना होगा। ग्रामीण भारत में इंटरनेट की पहुंच अब भी सीमित है, इसलिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को और सशक्त करना आवश्यक है। भारतनेट जैसी योजनाओं को तेज गति से क्रियान्वित करना होगा, जिससे हर पंचायत स्तर पर ब्रॉडबैंड सुविधा सरलता से उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही, हर जिले और ब्लॉक में स्थानीय डिजिटल प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जानी चाहिए। डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने के लिए महिलाओं, युवाओं और किसानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विशेषकर महिला स्वयं सहायता समूहों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करके उन्हें अपने समुदायों में प्रशिक्षण कार्य में लगाया जा सकता है। इससे समाज में डिजिटल जागरूकता का वातावरण बनेगा और तकनीक का समावेश तेजी से होगा। शिक्षण संस्थानों की सक्रिय भागीधारी इस अभियान में क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। स्थानीय तकनीकी संस्थान अपने विधार्थियों को समय समय पर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इससे युवा विद्या?थयों को अपने सामाजिक दायित्व निवर्हन का भी भान हो सकेगा। सरकार को निजी संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर सार्वजनिक-निजी भागीदारी के अंतर्गत इस अभियान को सफल करने के लिए नित नवाचार करने के प्रबल प्रयास करने होंगे। निजी क्षेत्र तकनीकी कौशल, ज्ञान, सामग्री और संसाधनों के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इसके अतिरिक्त, यह नितांत आवश्यक कि है डिजिटल साक्षरता की सामग्री व संसाधन स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध हो, जिससे आम नागरिक उसे सहजता से उसे समझ व प्रयोग कर सकें। इन प्रयासों के मध्य यह भी आवश्यक है कि कार्यान्वयन की निगरानी और मूल्यांकन की सुदृढ़ व्यवस्था बनाई जाए। यदि किसी राज्य में यह योजना अपेक्षाकृत धीमी गति से आगे बढ़ रही हो तो समय रहते सुधारात्मक कदम उठाने के लिए प्रयास करने होंगे। यही नहीं, लोगों की सामाजिक मानसिकता में भी परिवर्तन लाने की आवश्यकता है जिससे वे तकनीक को सुगमता से स्वीकार कर सके। इस प्रयास में कुछ चुनौतियां अवश्य होंगी। कुछ राज्य संसाधनों की कमी से जूझ सकते हैं, तो कहीं तकनीकी प्रशिक्षकों की उपलब्धता एक समस्या हो सकती है। अनेक समुदायों में बुजुर्गों और रूढ़िवादी सोच के चलते तकनीक अपनाने में कठिनाई हो सकती है। परन्तु सरकार, समाज, निजी और अन्य हितधारक इस क्षेत्र में मिलकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें, तो यह कार्य असंभव भी नहीं है। अंततः कहा जा सकता है कि केरल का डिजिटल साक्षरता मॉडल भारत के लिए एक आदर्श उदाहरण है। यह न केवल तकनीकी दृष्टि से अपितु सामाजिक समावेशन के स्तर पर भी अत्यंत प्रभावशाली व लाभकारी है। भारत के 'डिजिटल इंडिया' स्वप्न को मूर्त रूप देना है तो अन्य राज्यों को केरल से सीख लेकर, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाओं को ढालकर, और समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीधारी से डिजिटल साक्षरता के इस आंदोलन का पूरे देश में प्रचार प्रसार करना होगा। तभी भारत एक सशक्त और समावेशी डिजिटल राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सकेगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

महिला समिति शाखा जयनगर के द्वारा एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन

दिव्य दिनकर डिग्नेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

बिहार मधुबनी जिला के जयनगर के सुरेखा अतिथि भवन परिसर में मारवाडी महिला समिति शाखा जयनगर के द्वारा एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें जयनगर के एसडीओ,बीडीओ सहित 42 युवक एवं युवतियों ने स्वैच्छिक रक्त का दान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मारवाडी महिला समिति के अध्यक्ष कृष्णा जागीर एवं मंच संचालन आधया मुरारका ने किया।कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि जयनगर के एसडीओ दीपक कुमार,कार्यवाहक कमांडेंट हरेंद्र सिंह,बीडीओ राजीव रंजन,अपर थाना अध्यक्ष शुभम कुमार,श्री कृष्ण गौशाला कमिटी के सचिव कल्पना सिंह,मारवाडी महिला समिति के अध्यक्ष कृष्णा जागीर,संस्थापक सदस्य सुमन देवी सनथेलिया,सचिव रेखा सनथेलिया,कोषाध्यक्ष उमा पंसारी,रक्तदान प्रमुख रीमा सरावगी,पूर्व अध्यक्ष मधु सुरेखा,तारा डोकानिया एवं मंच संचालक आधया मुरारका ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस मौके पर जयनगर के एसडीओ दीपक कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है, रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद की जिंदगी को बचाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि लोग यह सोचते हैं कि खून देने से शरीर में कमजोरी होती है, लेकिन सच्चाई यह नहीं है खून देने से शरीर नया खून तैयार करता है, जिससे की लोगों को काम करने के लिए नयी ऊर्जा मिलती है मारवाड़ी महिला मंच की ओर आयोजन किया जाना सराहनीय व प्रेरक कार्य है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में महिलाएं हर परिस्थिति में फ्रंट पर खड़ी होकर समाज के हर वर्ग के लिए कार्य कर रही हैं।वही मौके पर उपस्थित कार्यवाहक कमांडेंट हरेंद्र सिंह ने सभी लोगों से अनुरोध किया कि रक्तदान महादान है। रक्त बनाने की अभी तक विज्ञान में ऐसी तकनीक विकसित नहीं हुई कि रक्त का विकल्प निकल पाए। इसलिए रक्तदान करना आवश्यक है। इस मौके पर अरुण जैन,अनिल बैरोलिया, पवन यादव,राम प्रसाद राउत,साहित्य प्रमुख अंशु सराफ,पूजा सुरेका,प्रिया सरावगी,आशा सिघांची,संध्या सरावगी,निशा पंसारी,सरिता सुरेका,मधु बैरोलिया सहित अन्य मौजूद थे।

नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण कमला नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी

दिव्य दिनकर बिहार विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

रविवार को अचानक से कमला नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी जारी है। दोपहर तक कमला नदी सामान्य से 25 से 30 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। सीमावर्ती क्षेत्र नेपाल के शीशापानी, उदयपुर, सिरहा सहित कमला अधिग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण कमला नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुआ है। इस संबंध में कमला नहर के अधिकारियों ने बताया कि नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है मगर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा। वर्षा के कारण कमला नदी का जलस्तर सामान्य से थोड़ा सा बढ़ा है, जल संसाधन विभाग के द्वारा इस पर मॉनिटरिंग किया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के द्वारा कमला नदी पर नजर रखी जा रही है। वर्तमान में स्थिति सामान्य है। जिस ढंग से नदी का जलस्तर यदि बढ़ेगा तो बराज के फाटक खोले जा सकते है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग के द्वारा नदी के जलस्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं कमला नदी के जलस्तर के बढ़ने से नदी पर बना रहे बराज निर्माण कार्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। नदी के पूर्वी छोर पर बराज निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। जल संसाधन विभाग के द्वारा मानसून व बाढ़ को देखते हुए सतर्क है। नदी से सटे पूर्वी एवं पश्चिमी तटबंध सहित जलस्तर के उतार चढ़ाव पर जल संसाधन विभाग लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है।

बिहार स्टेट फूड एंड सिविल सप्लाई में अनाज घोटाले का खुलासा हुआ

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- रफीगंज प्रखंड के पौथू पंचायत के ग्राम सिवा में पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) दुकानदारों को दिए जाने वाले अनाज में बड़ा घपला सामने आया है। जांच के दौरान पाया गया कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए अनाज के बोरों में 5 से 6 किलो अनाज कम है। स्थानीय दुकानदारों ने चार से पांच बोरों की जांच की, और प्रत्येक में अनाज की कमी पाई गई। इस घपले का सबूत वीडियो और फोटो के रूप में मौजूद है। पीडीएस दुकानदारों ने बिहार सरकार से मांग की है कि इस घोटाले में शामिल अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस तरह की अनियमितता गरीबों के हक को छीन रही है, जो राशन प्रणाली पर निर्भर हैं। स्थानीय लोगों ने इस मामले की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

महिला संवाद के अंतर्गत आयोजित विशेष विकास शिविरों में प्राप्त आवेदनों की प्रगति और निष्पादन की समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिलाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान एवं महिला संवाद के अंतर्गत आयोजित विशेष विकास शिविरों में प्राप्त आवेदनों की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुलभ रूप से पहुंचे और जिन आवेदनों पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई है, उन्हें शीघ्र निष्पादित किया जा सके। बैठक में निदेशक डीआरडीए के द्वारा बताया गया कि इन शिविरों में कुल 22 विभागीय योजनाओं के अंतर्गत आवेदन प्राप्त हुआ है। इनमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित राशन कार्ड निर्गत, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ ईंधन उपलब्धता, जन्म प्रमाण पत्र का निर्गमन, आधार कार्ड निर्माण, कुशल युवा कार्यक्रम और कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता, ई-श्रम कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वास्थ्य कार्ड, भूमिहीनों को वास-भूमि तथा वासगीत पर्चा उपलब्ध कराना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, हर घर नल जल योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पक्की गली-नाली निश्चय योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, घरेलू बिजली कनेक्शन, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और लोहिया स्वच्छता अभियान सहित अनेक योजनाएं शामिल थीं। समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि कुछ योजनाओं से संबंधित आवेदनों की प्रक्रिया में विलंब हो रहा है। विशेष रूप से आधार कार्ड निर्माण के 1254, वासगीत पर्चा के 1200, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 108, हर घर नल जल योजना के 264, मनरेगा से

संबंधित 340 और आयुष्मान भारत योजना के 100 आवेदन अब तक लंबित हैं। इस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी प्रकट करते हुए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित आवेदनों का त्वरित निष्पादन कर उसकी सूचना पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि लाभार्थियों को समयबद्ध सेवा प्राप्त हो सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आवेदनों की अनदेखी या देरी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। महिला संवाद के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के दौरान भी कई विभागों की निष्क्रियता सामने आई। विशेष रूप से पथ निर्माण विभाग (आरसीडी), जल संसाधन विभाग (डब्ल्युआरडी), सूचना प्रावैधिकी, ग्रामीण कार्य विभाग (आरडब्ल्यूडी) और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से एक भी आवेदन का निष्पादन नहीं किया गया था। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को चेतावनी दी तथा निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन कर लाभार्थियों को समय पर लाभ दिलाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि महिला संवाद जैसी पहल का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है और इसके तहत प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किया जाना चाहिए।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से यह अपेक्षा व्यक्त की कि वे समर्पण और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाएं और सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र लाभार्थी सेवाओं से वंचित न रहे। इस बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रीमती रुचि सिंह, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) उपेंद्र पंडित, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री संतन कुमार सिंह, डीसीएलआर श्री श्वेतांक लाल, जिला योजना पदाधिकारी श्री अविनाश प्रकाश, वरीय उप समाहर्ता श्रीमती रत्ना प्रियदर्शिनी, डीआरडीए निदेशक श्री अनुपम कुमार, परियोजना पदाधिकारी श्री ओम राजपूत, अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी श्रीमती नीलम मिश्रा, डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती विनीता कुमारी, श्रम अधीक्षक श्रीमती प्रियंका कुमारी, कार्यपालक अभियंता पीएचडी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अन्य वरीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

पटना में जल्द चलेगी 'वाटर मेट्रो', गंगा पर बनेगा जल परिवहन का नया हब: सबानंद सोनोवाल

पटना:

केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सबानंद सोनोवाल ने सोमवार को एक अहम घोषणा करते हुए बताया कि जल्द ही पटना शहर में 'वाटर मेट्रो' सेवा शुरू की जाएगी। यह योजना गंगा नदी के दोनों किनारों को जोड़ने और शहर को एक आधुनिक जल परिवहन नेटवर्क देने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। मंत्री ने कहा कि पटना को गंगा आधारित अंतर-देशीय जल परिवहन (IWT) का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। यह बयान उन्होंने उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में जल परिवहन की संभावनाओं पर आयोजित परामर्श बैठक को संबोधित करते हुए दिया। सबानंद सोनोवाल ने कहा कि केंद्र सरकार माल ढुलाई, पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए नदियों के नेटवर्क का पूरा उपयोग करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया, वाटर मेट्रो

एक स्वच्छ, स्मार्ट और टिकाऊ शहरी परिवहन का समाधान बनेगी, जिससे पटना जैसे शहरों को जाम, प्रदूषण और महंगी परिवहन व्यवस्था से राहत मिलेगी। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय अंतर-देशीय नौवहन संस्थान (NIWA) को अब और आधुनिक सुविधाओं के साथ उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के नेतृत्व में भारत के जलमार्गों को ग्रीन डेवलपमेंट और कनेक्टिविटी का सशक्त माध्यम बनाया गया है। राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1 के तहत वाराणसी से हल्दिया तक फैली 1,390 किमी लंबी जल मार्ग प्रणाली में बिहार को दो टर्मिनल और एक पोत मरम्मत केंद्र मिलेगा।

खरीफ 2025 के लिए 20 जून तक किसानों को मिलेगा उन्नत बीज, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का निर्देश

पटना:

राज्य के किसानों को शारदीय(खरीफ)फसल की बुआई के लिए समय पर प्रमाणित और उन्नत बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने बीज वितरण अभियान को गति दी है। इस संबंध में उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी फसलों के बीज 20 जून तक हर हाल में किसानों को उपलब्ध करा दिए जाएं। उन्होंने कहा कि शारदीय (खरीफ) 2025 के लिए बीज वितरण के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। संकर धान बीज वितरण का लक्ष्य 30,000 क्विंटल, हाई यील्डिंग धान प्रभेद का लक्ष्य 30,069 क्विंटल, संकर मक्का के लिए 9,500 क्विंटल तथा अरहर के लिए 9,740 क्विंटल निर्धारित किया गया है। इन बीजों के समय पर वितरण से किसानों को खरीफ सीजन में

लाभदायक खेती का अवसर मिलेगा। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बीज वितरण की प्रगति की जिलेवार नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बीजों के वितरण की यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से एवं किसानों की आवश्यकता के अनुरूप क्रियान्वित की जाएगी। इसके लिए कृषि विभाग द्वारा जिलेवार लक्ष्य निर्धारित कर दिए गए हैं तथा बीजों की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे विभाग द्वारा वितरित उन्नत एवं प्रमाणित बीजों का अधिकाधिक उपयोग करें और वैज्ञानिक पद्धतियों से खेती कर उत्पादन में वृद्धि लाएं। यह पहल ह्यविकसित बिहार झ समृद्ध किसानह्ल के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्णिया में मानवता शर्मसार: शव वाहन नहीं मिला, मजबूर परिजन ने बाइक पर 10 KM तक ढोया बेटे का शव

पूर्णिया:

बिहार के पूर्णिया जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां अस्पताल की लापरवाही और प्रशासन की संवेदनहीनता ने एक परिवार को इस कदर मजबूर कर दिया कि उन्हें अपने बेटे के शव को बाइक पर रखकर 10 किलोमीटर दूर गांव ले जाना पड़ा। मामला जलालगढ़ प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) से जुड़ा है, जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पीपरपाती नया टोला, वार्ड नंबर-14 निवासी 24 वर्षीय युवक विकास कुमार साह की मौत पनार नदी में डूबने से हो गई थी। शव को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया और तत्काल जलालगढ़ PHC लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने

अस्पताल प्रबंधन से शव वाहन (एम्बुलेंस या शव वैन) की मांग की, लेकिन उन्हें साफ मना कर दिया गया। प्रबंधन का कहना था कि एम्बुलेंस शव ढोने के लिए नहीं होती। मजबूरी में परिजन और गांव के युवक शव को बाइक पर रखकर 10 किलोमीटर दूर अपने गांव ले गए। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें बाइक पर युवक का शव बांधा हुआ नजर आ रहा है। इस मामले ने तूल पकड़ लिया है और जिला स्वास्थ्य प्रशासन पर सवाल उठने लगे हैं। जब इस बाबत सिविल सर्जन डॉ. प्रमोद कुमार कनौजिया से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई गई है। उन्होंने दावा किया कि परिजनों को शव का पोस्टमार्टम करवाने को कहा गया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया कि अगर परिजन कुछ समय इंतजार करते और मांग करते तो शव वाहन की व्यवस्था संभव थी। लेकिन बिना पोस्टमार्टम और बिना इंतजार किए, शव को बाइक पर ले जाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं था। गौरतलब है कि पूर्णिया में यह कोई पहली घटना नहीं है। करीब आठ साल पहले भी एक बेटे ने अपने पिता का शव बाइक पर लादकर सदर अस्पताल से श्रीनगर तक पहुंचाया था। यह दोहराई गई घटना बताती है कि वर्षों बीत जाने के बाद भी प्रशासनिक उदासीनता में कोई सुधार नहीं हुआ है।

कटिहार होमगार्ड भर्ती में फजीर्वाड़ा: बायोमेट्रिक में फंसे दो नकली अभ्यर्थी, जांच में जुटी पुलिस

कटिहार:

बिहार के कटिहार जिले में चल रही होमगार्ड की बहाली प्रक्रिया के दौरान एक बड़ा फजीर्वाड़ा उजागर हुआ है। राजेंद्र स्टेडियम में हो रहे फिजिकल टेस्ट के दौरान दो ऐसे युवक पकड़े गए जो असली अभ्यर्थियों के स्थान पर दौड़ में शामिल होने पहुंचे थे। बायोमेट्रिक जांच में दोनों की पोल खुल गई, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रभारी डीएसपी सद्दाम हुसैन ने मीडिया को बताया कि भर्ती प्रक्रिया में हर दिन बायोमेट्रिक मिलान अनिवार्य रूप से किया जा रहा है ताकि पारदर्शिता बनी रहे। इसी दौरान दो युवकों के कागजात और चेहरों में अंतर नजर आया। जब उनसे पूछताछ की गई तो दोनों ने फर्जी पहचान से टेस्ट देने की बात कबूल की। पहला मामला मनिहारी निवासी अभ्यर्थी मनोज यादव से जुड़ा है, जिसकी जगह भागलपुर के लोदीपुर निवासी अभिषेक यादव दौड़ में शामिल हुआ था। वहीं, दूसरा मामला मोहना चांदपुर निवासी कुमार अभिषेक का है, जिसकी जगह टीकापट्टी (पूर्णिया) के प्रवीण कुमार ने फिजिकल टेस्ट देने की कोशिश की। पुलिस अब दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है कि क्या यह महज व्यक्तिगत धोखाधड़ी है या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा है। अगर गिरोह की पुष्टि होती है तो यह मामला और भी गंभीर हो जाएगा।

पति से फोन पर हुई कहासुनी, फिर नेहा सिंह ने दुपट्टे से फंदा लगाकर की आत्महत्या, 10 साल का बेटा कमरे में ही था मौजूद

औरंगाबाद:

बिहार के औरंगाबाद जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां पेशेवर ऑर्केस्ट्रा डांसर नेहा सिंह ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली नेहा, पिछले तीन वर्षों से औरंगाबाद के महुआ शाहिद मोहल्ला में किराए के मकान में रह रही थी। वह अपने पति दर्पण पासवान, बेटे शिवांश और अन्य महिला कलाकारों के साथ वहां निवास करती थी। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त नेहा का पति अपने गांव डिहरी गया हुआ था। आत्महत्या से कुछ घंटे पहले ही वह झारखंड के हरिहरगंज में एक कार्यक्रम से रात करीब 3 बजे लौटी थी। लौटते ही उसने पति को फोन किया और दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसी दौरान नेहा ने आत्महत्या की धमकी भी दी थी।

फंदे पर लटका मिला शव,

बेटे को दी थी आखिरी जानकारी

रातभर बेचैन दर्पण ने अपने बेटे शिवांश को फोन कर नेहा के बारे में पूछा। बेटे ने बताया कि मां मोबाइल देख रही है और अभी सोई नहीं है। थोड़ी देर बाद दर्पण ने नेहा की सहकर्मी रोशनी को फोन कर कमरे में जाकर देखने को कहा। जब रोशनी ने कमरे में झांका, तो नेहा फांसी के फंदे पर लटकी मिली। यह देख शोर मचाया गया, जिसके बाद पड़ोसी और मकान मालिक मौके पर इकट्ठा हो गए।

मौके पर पहुंची पुलिस, शुरू हुई जांच

घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

नेहा सिंह ने दर्पण पासवान से की थी दूसरी शादी

जानकारी के अनुसार, नेहा की पहली शादी दिल्ली में हुई थी और उसी से उसका बेटा शिवांश है। करीब छह साल पहले उसने दर्पण पासवान से दूसरी शादी कर ली थी, जो एक ऑर्केस्ट्रा ग्रुप का आयोजक था। दोनों ने मिलकर नेहा एंटरटेनमेंट ग्रुप की शुरूआत की थी और शादी व समारोहों में कार्यक्रम करते थे।

आपसी तनाव बना था मौत की वजह?

मृतका के बेटे शिवांश ने बताया कि मां अक्सर शराब पीकर घर आती थी और पिता से झगड़ती थी। उसे शक था कि दर्पण का अन्य महिलाओं से संबंध है। इस बात को लेकर उनके बीच अक्सर विवाद होता था। बेटा यह भी बताता है कि मां पहले भी आत्महत्या की धमकी दे चुकी थी, लेकिन इस बार उसने वाकई फांसी लगाकर जान दे दी।

साली ने कहा- मैं अपने भगिना को दूंगी जमीन,गुस्साए जीजा ने कर दिया बड़ा कांड, रात को घर आया और

Motihari :

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी बुजुर्ग साली की गला रेतकर हत्या कर दी है। शख्स ने भूमि के लालच में इस घटना को अंजाम दिया है।

रात घर के दरवाजे पर बैठी थी महंगी देवी

जानकारी के अनुसार, घटना जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र की है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि पकड़ी दीक्षित गांव निवासी महंगी देवी (65) शनिवार की रात अपने घर के दरवाजे पर बैठी थी। इसी दौरान उसका जीजा कामेश्वर वहां आया और उससे बातचीत करने लगा। घर के अन्य सदस्यों के अंदर जाते ही उसने हंसुली से महिला का गला रेत दिया और फरार हो गया।

जमीन को अपने नाम लिखने को बोल रहा था जीजा

मृतका महंगी देवी के भगिना प्रभुनाथ ने पुलिस को बताया कि घर के पीछे ढाई कट्ठा जमीन है। मामी (महंगी देवी) चार साल से ये जमीन कामेश्वर राम को बटाई पर जोतने के लिए दी थी। चार महीने से कामेश्वर उस जमीन को अपने नाम लिखने को बोल रहा था। लेकिन मामी इसके लिए तैयार नहीं थी। उनका कहना था कि मैं ये जमीन अपने भगिना को दूंगी जो मेरा देखभाल करता है। इसी कारण उसने मामी को मार डाला। प्रभुनाथ के इसी बयान के आधार पर पुलिस ने प्रथमिकी दर्ज की है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी को राष्ट्रपति निकोस ने किया साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित

पीएम मोदी ने कहा, ये 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान

निकोसिया ।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साइप्रस दौरे का सोमवार को दूसरा दिन है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय से सम्मानित किया। पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्रपति सम्मान के लिए मैं आपका, साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ मोदी का ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है, यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा पर चलती है। इसके पहले पीएम मोदी का प्रेसिडेंशियल पैलेस में स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक हुई। अब मोदी जी 7 समिट में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो जाएंगे। पीएम मोदी रविवार को साइप्रस पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत हुआ। इसके बाद उन्होंने भारतीय समुदाय से मुलाकात की। फिर रात में स्टेट डिनर किया। भारत-साइप्रस सीईओ फोरम को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा, बीते एक दशक में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और बहुत निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साइप्रस लंबे समय से भारत का भरोसेमंद साझेदार रहा है और यहां से भारत में काफी निवेश हुआ है। कई भारतीय कंपनियां भी साइप्रस आई हैं और एक ओर से साइप्रस को यूरोप के प्रवेश द्वार कहा जाता है। आज आपसी व्यापार 150 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। मोदी साइप्रस जाने वाले तीसरे भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इसके पहले 1983 में इंदिरा गांधी और 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी ने देश का दौरा किया था। भारत और साइप्रस के कूटनीतिक रिश्ते हमेशा मजबूत रहे हैं, लेकिन इतने उच्चस्तरीय दौरे बहुत कम हुए हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 2018 में और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2022 में साइप्रस का दौरा किया था।

ईरान के अटैक से फिर कांपा इजरायल, अफवाहों पर लगाम कसने मैदान में उतरे नेतन्याहू

तेहरान ।

बीती रात ईरान ने एक बार फिर इजरायल पर मिसाइलों की बौछार की। इससे पूरे देश में सायरनों की गूंज सुनाई दी। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि कई इलाकों में ईरान द्वारा दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलें देखी गईं, जिन्हें एयर डिफेंस सिस्टम ने बीच में ही नष्ट कर दिया। इस बीच ईरान ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निजी आवास को निशाना बनाने का दावा किया है। सेसेरिया स्थित उनके घर पर मिसाइल दागे जाने का दावा ईरानी मीडिया ने किया है, हालांकि अब तक किसी तरह के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच नेतन्याहू खुद घटनास्थल पर पहुंचे और वहां खड़े होकर सख्त लहजे में चेतावनी दी ईरान को हमारे नागरिकों की मौत की भारी कीमत चुकानी होगी। खबरों के मुताबिक तेहरान में एक के बाद एक 5 कार बम धमाके हुए हैं। ईरान ने इसका जिम्मेदार इजरायल को ठहराया है। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब दोनों देशों के बीच तनाव बेहद नाजुक मोड़ पर है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने इराक के प्रधानमंत्री से अपील की है कि इराक की जमीन और हवाई क्षेत्र को इजरायल द्वारा इस्लामिक रिपब्लिक पर हमला करने के लिए इस्तेमाल न होने दिया जाए। ये बयान एक फोन कॉल में दिया गया और ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर जारी किया गया। हालांकि अब आईडीएफ ने ताजा अपडेट में कहा है कि सभी इलाकों में नागरिक अब सुरक्षित स्थानों से बाहर निकल सकते हैं, जिससे कुछ राहत की सांस ली गई है। ईरान की मीडिया ने दावा किया कि उसने ह्यबदले की कार्रवाईह्ल के तहत इजरायल पर एक और मिसाइल लहर छोड़ी है। इससे पहले शुक्रवार को इजरायल ने ईरान के नौ टॉप परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराया था। इसके बाद से ही ईरान में गुस्सा चरम पर है।

ट्रंप का दावा, मैंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाया, अब ईरान-इजराइल की बारी

वाशिंगटन ।

13 जून को इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान के सैन्य, परमाणु और मिसाइल ठिकानों पर जोरदार हमला किया था। इसके जवाब में ईरान ने भी बड़े स्तर पर इजरायल के बड़े शहरों पर मिसाइल दागी। अब दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा दावा किया है। ट्रंप को उम्मीद है कि ईरान और इजरायल जल्द ही शांति समझौता करने को तैयार हो जाएगें। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच में सीजफायर कराया था। वैसे ही वे ईरान और इजरायल के बीच समझौता करा सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि उस समय अमेरिका के साथ ट्रेड का इस्तेमाल करके मैंने दोनों देशों को बातचीत के लिए तैयार किया। दोनों नेताओं ने जल्दी और समझदारी से फैसला लिया और रुक गए! हालांकि, भारत सरकार का लगातार कहना है कि 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ संघर्ष विराम समझौता द्विपक्षीय सैन्य-स्तरीय वार्ता का नतीजा था, जिसमें किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी नहीं थी।

ट्रंप के व्यापक शांति-मध्यस्थता के दावे

ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति काल के अन्य उदाहरणों का हवाला देकर दावा किया कि उन्होंने सर्बिया और कोसोवो के बीच युद्ध को रोका, साथ ही नील बांध विवाद पर मिस्र और इथियोपिया के बीच भी युद्ध को रोका। उन्होंने कहा कि हालांकि इन हस्तक्षेपों को अक्सर पहचाना नहीं जाता है, लेकिन लोग समझते हैं। जबकि ईरान और इजराइल मिसाइल हमलों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। ईरान ने इजराइल द्वारा अपने परमाणु और सैन्य स्थलों पर हमले के प्रतिशोध में तेल अवीव पर हमला किया है। ट्रम्प ने आशावाद प्रदर्शित किया: इसी तरह, इजराइल और ईरान के बीच जल्द ही शांति होगी! अब कई कॉल और बैठकें हो रही हैं।

22 दिसंबर 2032 की तारीख चांद मामा के लिए खतरे की घड़ी

वाशिंगटन ।

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की चिंता फिर बढ़ी है। दरअसल एस्टेरॉयड यानी क्षुद्रग्रह 2024 वायआर 4, इस पहले पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा था।

अब नई गणनाओं से पता चला है कि यह एस्टेरॉयड 22 दिसंबर 2032 को चंद्रमा से टकरा सकता है। नासा और अन्य अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों ने इसकी संभावना को गंभीरता से लेकर नजर रखने के लिए जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप का उपयोग शुरू कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि अगर यह विशाल एस्टेरॉयड चांद से टकराता है, तब इसका पृथ्वी पर क्या असर होगा? इस क्षुद्रग्रह का आकार 40 से 90 मीटर के बीच हो सकता है, जो एक फुटबॉल मैदान जितना बड़ा हो सकता है।इस एस्टेरॉयड को सिटी किलर की श्रेणी में रखा गया है, क्योंकि यह किसी शहर को पूरी तरह तबाह करने की क्षमता रखता है। शुरूआत में वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया था कि इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना 3.1 प्रतिशत है, लेकिन जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के नवीनतम डेटा के आधार पर यह जोखिम अब लगभग शून्य (0.004 प्रतिशत) हो गया है। हालांकि, राहत की सांस लेने से पहले एक नई चिंता सामने आई है। खगोलशास्त्री के अनुसार, इस एस्टेरॉयड के चंद्रमा से टकराने की संभावना अब 2 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो पहले के 1.7 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। चंद्रमा

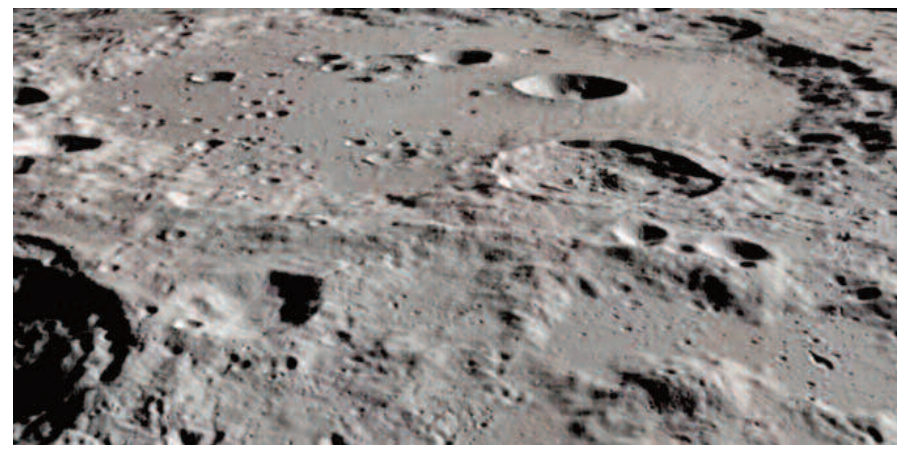

पर पृथ्वी की तरह कोई वायुमंडल नहीं है, जो एस्टेरॉयड की गति को कम कर सके। अगर यह चंद्रमा से टकराता है,तब यह 30,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से सतह पर गिरेगा। इससे चंद्रमा की सतह पर करीब 6500 फीट (लगभग 2 किमी) चौड़ा और सैकड़ों मीटर गहरा गड्ढा बन सकता है।

एक खगोलशास्त्री का कहना है कि टक्कर से चंद्रमा का मलबा अंतरिक्ष में फैल सकता है, जिसका कुछ हिस्सा पृथ्वी की ओर आ सकता है।

हालांकि, उनका मानना है कि इससे पृथ्वी पर कोई बड़ा खतरा नहीं होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि चंद्रमा की कक्षा पर टक्कर का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन यह वैज्ञानिकों के लिए एक अनोखा अवसर होगा, क्योंकि वे वास्तविक समय में एक नया क्रेटर बनते देख सकते है। चंद्रमा पर इस टक्कर का पृथ्वी पर सीधा प्रभाव सीमित होगा। मलबे के कुछ छोटे टुकड़े पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर सकते हैं, लेकिन ये ज्यादातर जलकर नष्ट हो जाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे कोई बड़े पैमाने की तबाही नहीं होगी। हालांकि, अगर टक्कर दिन के समय होती है, तब चंद्रमा पर बनने वाला गड्ढा और उससे उठने वाली धूल पृथ्वी से दिखाई दे सकती है, जो एक दुर्लभ खगोलीय घटना होगी। नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां इस एस्टेरॉयड पर कड़ी नजर रख रही हैं। आगे जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप इसका दोबारा अध्ययन करेगा, ताकि इसके आकार, संरचना और प्रक्षेप पथ की सटीक जानकारी मिल सके। चीन ने भी खतरे को देखते हुए एक विशेषज्ञ टीम गठित की है, जो 2028 में एस्टेरॉयड के पृथ्वी के पास से गुजरने का अध्ययन करेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी, तब एस्टेरॉयड के रास्ते को बदलने के लिए अंतरिक्ष यान से टक्कर या परमाणु विस्फोट जैसे उपाय किए जा सकते हैं।

ईरान का ट्रू प्रॉमिस 3 और इजराइल का राइजिंग लायन ऑपरेशन के भी हैं मायने

इन कोड नामों में छिपी है दोनों देशों की धार्मिक मान्याएं

नई दिल्ली ।

इजराइली सेना ने शुक्रवार सुबह ईरान पर हमला किया, जिसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया गया।

इस ऑपरेशन के तहत इजराइल ने 200 से ज्यादा फाइटर जेट्स से ईरान के 100 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें ज्यादातर ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकाने शामिल थे। इसके जवाब में ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 शुरू किया, जिसके तहत इजराइल के कई प्रमुख शहरों पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं। हालातों से ऐसा लगा रह है कि ये जंग बड़ी ना हो जाए। इजराइल और ईरान के बीच चल रही यह जंग सिर्फ भू-राजनीतिक तनाव नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं धर्म और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। दोनों ही देश अपने-अपने धार्मिक प्रतीकों और मान्यताओं का सहारा लेकर इस संघर्ष को वैचारिक आधार देने की कोशिश कर रहे हैं। इजराइल खुद को यहूदियों की पवित्र भूमि बताता है और येरुशलम जैसे धार्मिक शहर पर अपने हक जताता है। वहीं, ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का अगुवा मानता है और इस्लामिक मान्यताओं और एकता का हवाला देकर मुस्लिम देशों को इजराइल के खिलाफ लामबंद करने की कोशिश करता है। अब इसका असर दोनों देशों के सैन्य अभियानों के नामों पर भी साफ दिखाई देता है। ईरान ने हाल ही में इजराइल के खिलाफ ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 नाम से एक सैन्य अभियान शुरू किया है।

ट्रू प्रॉमिस (सच्चा वादा) नाम इस्लामी परंपरा से लिया गया है।

इस्लामी धर्मशास्त्र में सच्चा वादा का संबंध कयामत के दिन से है यानी वह दिन जब ईश्वर सभी इंसानों से उनके कर्मों के आधार पर हिसाब लेगा। इसे अंतिम न्याय का दिन भी कहा जाता है। ईरान ने इस नाम का इस्तेमाल अपनी सैन्य कार्रवाइयों के लिए किया है, जो उसके नजरिये में न्याय और प्रतिशोध का प्रतीक है। यह इजरायल के खिलाफ ईरान की तीसरी प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई है, जो ट्रू प्रॉमिस 1 और ट्रू प्रॉमिस 2 के बाद शुरू की गई है। पिछले अभियान अप्रैल 2024 और अक्टूबर 2024 में हुए थे। इसका मुख्य लक्ष्य इजराइल के सैन्य और खुफिया ठिकानों पर हमला करना था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम बाइबल की एक आयत से लिया गया है। इस आयत में कहा गया है कि देखो, लोग एक बड़े शेर की तरह उठेंगे, और एक जवान शेर की तरह खुद को ऊंचा उठाएंगे। वह तब तक नहीं सोएगा जब तक वह अपने शिकार को न खा ले और मारे गए लोगों का खून न पी ले। ऑपरेशन राइजिंग लायनह्ल एक भविष्यवाणी से जुड़ा हुआ है। इसमें इजराइल की ताकत और शक्ति की तुलना ऐसे शेर से की गई है, जो तब तक आराम नहीं करता जब तक अपनी भूख नहीं मिटा ले।

इजरायली हमलों पर ईरान की दुनिया से अपील कहा- आम नागरिकों का नरसंहार बंद किया जाए

तेहरान ।

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि इन हमलों में उसके यहां तीन दिन में 224 लोग मारे गए। वहीं, 1200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता, हुसैन ने एक्स पर लिखा है कि इजरायली हमलों में 1277 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि 224 महिलाओं, पुरुष और बच्चों को शहादत मिली है। उन्होंने आगे कहाकि इजरायली हमलों में जो लोग भी मारे गए हैं, उनमें 90 फीसदी आम नागरिक हैं। हुसैन ने लिखा है कि इजरायल का यह कहना है कि उसका निशाना केवल सेना है और ईरानी लोगों से कुछ लेना-देना नहीं है, पूरी तरह से झूठ है। उन्होंने कहाकि बतौर एक डॉक्टर मैं दुनिया के तमाम लोगों से अपील करता हूं कि इस नरसंहार को रोका जाए। हुसैन ने लिखा है कि मैं देश के स्वास्थ्यकर्मियों की लंबी उम्र की कामना करता हूं। यह लोग दिन-रात जनता की सेवा में लगे हुए हैं। बता दें कि इजरायल ने शुक्रवार की सुबह ऑपरेशन राइजिंग लॉयन शुरू किया। इसमें उसने ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य ढांचे को निशाना बनाया गया। बाद में ईरान ने इजरायल पर जवाबी हमले शुरू किए। इससे इजरायल पर ईरान की ओर से और जोरदार हमले की आशंका पैदा हो गई है क्योंकि ईरान की कुछ मिसाइलें इजरायल की हवाई सुरक्षा प्रणाली को भेद कर देश के बीच में बने इमारतों को निशाना बनाने में सफल हुई हैं। इस बीच ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने बताया है कि इंटेलीजेंस चीफ मोहम्मद काजमी और दो अन्य जनरल भी हमलों में मारे गए हैं। इसके अलावा कई अन्य शीर्ष मिलिट्री अधिकारी और परमाणु वैज्ञानिक भी हमलों के शिकार हुए हैं। दूसरी तरफ इजरायल का दावा है कि शुक्रवार से अभी तक उसके यहां 14 लोग मारे गए हैं जबकि 390 लोग घायल हुए हैं। इस बीच ईरानी सेना ने इजरायल के लोगों के लिए चेतावनी जारी की है। ईरानी सशस्त्र बलों के प्रवक्ता कर्नल रेजा सैयद ने कहा है कि इजरायल के लोग कब्जे वाले क्षेत्रों को छोड़ दें। भविष्य में यह क्षेत्र निश्चित रूप से रहने लायक नहीं रहेंगे। उन्होंने आगे कहाकि किसी भी तरह का शेल्टर सुरक्षा की गारंटी नहीं है।

नेतन्याहू ने दी है चेतावनी

इससे पहले रविवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को चेतावनी दी कि इजरायल में नागरिकों को निशाना बनाने की ईरान को बहुत भारी कीमत चुकानी होगी। नेतन्याहू ने यह टिप्पणी तेल अवीव के नजदीक बात याम शहर में सुबह-सुबह ईरानी मिसाइल हमले के स्थल का दौरा करते हुए की। इस हमले में सात लोग मारे गए और कई दर्जन अन्य घायल हो गए हैं।

नेतन्याहू का दावा कहा- मुझे और ट्रंप को मौत के घाट उतारना चाहता है ईरान

तेलअवीव ।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के नंबर एक दुश्मन हैं। इतना ही नहीं उनका दावा है कि ईरान ट्रंप को मारने के लिए काम कर रहा है। नेतन्याहू ने कहा, वो उन्हें मारना चाहते हैं। वह दुश्मन नंबर एक हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, वह एक निर्णायक नेता हैं। उन्होंने समझौते का वो रास्ता कभी नहीं अपनाया, जो दूसरे अपना रहे हैं। समझौते का रास्ता कमजोर है, जिससे उन्हें यूरेनियम बढ़ाने का रास्ता मिलता है, जो बम बनाने का रास्ता तैयार करता है और अरबों डॉलर खर्च किए जाते हैं।नेतन्याहू ने कहा, उन्होंने फर्जी समझौता लिया और उसे फाड़ दिया। उन्होंने कासिम सुलेमानी को मार दिया। उन्होंने साफ कर दिया है कि आप परमाणु हथियार नहीं रख सकते, जिसका मतलब है कि आप यूरेनियम समृद्ध नहीं कर सकते। उन्होंने बहुत दबाव बनाया है, जिसके चलते वह उनके दुश्मन नंबर एक हैं। उन्होंने कहा, सोचिए अगर ईरान के पास इस तरह की 20,000 मिसाइलें होतीं? यह इजरायल के लिए अस्तित्व का खतरा है। इसीलिए हमने विनाश के दोहरे खतरे के खिलाफ मुक्ति का युद्ध शुरू किया है, हम इसे पूरी ताकत के साथ कर रहे हैं। हमारे सैनिक, हमारे पायलट, ईरान के आसमान में हैं। उन्होंने नागरिकों को ईरानी मिसाइल हमलों के दौरान होम फ्रंट कमांड के निदेशों का पालन करने की सलाह दी। इजरायल के पीएम का यह भी दावा है कि वह भी ईरान के निशाने पर हैं। उन्होंने ईरान के परमाणु हथियार के खिलाफ जंग में खुद को ट्रंप का जूनियर पार्टनर बताया है। नेतन्याहू ने पहले कहा था, हम यहां इसलिए हैं क्योंकि हम अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं- जो अब इजरायल के हर नागरिक के लिए स्पष्ट है। सोचिए कि अगर ईरान के पास इजरायल के शहरों पर गिराने के लिए परमाणु हथियार होता तो क्या होता।

प्राइवेसी को लेकर सवालों में घिर गया मेटा आई एप

सैन फ्रांसिस्को ।

मेटा आई एप फिर यूजर्स की प्राइवेसी को लेकर सवालों में घिर गया है।

कई यूजर्स ने शिकायत की है कि बिना उनकी जानकारी के उनकी बातचीत, सवाल-जवाब, फोटो और ऑडियो क्लिप सार्वजानिक रुप से दिखाई दे रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब कोई यूजर मेटा एआई से सवाल करता है, तब एक शेयर बटन नजर आता है, इस बटन को दबाने के बाद एक प्रीव्यू स्क्रीन खुलती है और वहीं से यूजर अपनी बातचीत को पब्लिश कर सकता है। लेकिन कई यूजर्स इस प्रक्रिया से पूरी तरह अनजान हैं और वे बिना समझे संवेदनशील जानकारियां शेयर कर रहे हैं। एक यूजर ने मुद्दे को सबसे पहले उठाकर बताया कि मेटा एआई एप पर कुछ गंभीर समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि यूजर्स की निजी बातचीत बिना साफ चेतावनी के सार्वजनिक हो रही हैं। हालांकि बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि चैट डिफॉल्ट रूप से प्राइवेट होती हैं और पब्लिक करने के लिए शेयर बटन दबाना जरूरी होता है। फिर भी उन्होंने चेताया कि एप के जरिए लोग अनजाने में अपनी पर्सनल बातें सार्वजनिक कर रहे हैं, जो प्राइवेसी के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। मेटा एआई एप में मौजूद शेयर बटन को लेकर भी आलोचना हो रही है, क्योंकि यह यूजर्स को स्पष्ट रूप से यह नहीं बताता कि शेयर की गई बातचीत पब्लिक फीड में जा सकती है। एप में न कोई स्पष्ट चेतावनी है, न ही कोई प्राइवेसी अलर्ट है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर कोई पब्लिक इंस्टाग्राम अकाउंट से लॉग इन करता है, तब उसकी एआई सर्च हिस्ट्री, चाहे वह कितनी भी निजी क्यों न हो, सार्वजनिक रूप से देखी जा सकती है। इस मामले में मेटा ने बताया कि चैट डिफॉल्ट रूप से प्राइवेट होती हैं और यदि यूजर किसी बातचीत को पब्लिक करता है, तब वह बाद में प्राइवेट भी कर सकता है। यदि यूजर्स अपनी बातचीत को निजी रखना चाहते हैं, तब उन्हें ऐप की सेटिंग्स में जाकर डेटा और प्राइवेसी सेक्शन के तहत विकल्प को चुनना चाहिए।

इजराइल ने सुप्रीम लीडर की हत्या का बनाया था प्लान, ट्रंप ने बचाई खामेनेई की जान?

अमेरिका ने कहा- ईरान के राजनीतिक नेतृत्व को टारगेट करना जंग भड़काने जैसा

तेहरान ।

इजराइल और ईरान के बीच जंग अब तेज हो चुकी है और दोनों देश एक-दूसरे पर भीषण हवाई हमले कर रहे हैं। इजराइल के हमले में ईरान के टॉप मिलिट्री कमांडरों समेत कई परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई है। यही नहीं ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई भी इजराइल के निशाने पर थे, लेकिन आखिरी वक्त में अमेरिका के वीटो के बाद उनकी हत्या का प्लान टाल दिया। अगर इजराइल खामेनेई को मार देता तो इस जंग का असर पूरी दुनिया पर पड़ता। इजराइल के हमले में ईरान की परमाणु साइट्स, ऑयल डिपो और कई अहम इलाके पूरी तरह तबाह हो चुके हैं। ईरान में कई लोगों की जान जा चुकी है जबकि जवाबी कार्रवाई में इजराइल को भी काफी नुकसान हुआ है, लेकिन खामेनेई को निशाना बनाकर इजराइल विध्वंसक कदम उठा सकता था, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की दखल के बाद रोका दिया गया। अमेरिका का मानना है कि अब तक ईरान ने सीधे तौर पर अमेरिकी ठिकाने या किसी नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचाया है, ऐसे में ईरान के राजनीतिक नेतृत्व को टारगेट करना जंग को भड़काने जैसा होगा। इसके अलावा अमेरिका ने खामेनेई की हत्या की प्लानिंग पर वीटो इसलिए भी लगाया क्योंकि इससे पूरी मिडिल ईस्ट में बड़े पैमाने पर युद्ध भड़क सकता था।

संक्षिप्त समाचार

भारत का व्यापार घाटा मई में घटकर 21.88 बिलियन डॉलर रह गया

नई दिल्ली,एजेंसी।

सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का व्यापार घाटा इस वर्ष मई में घटकर 21.88 बिलियन डॉलर रह गया, जो अप्रैल में 26.42 बिलियन डॉलर था। मई 2024 में दर्ज 22.09 बिलियन डॉलर के इसी आंकड़े की तुलना में व्यापार घाटा सालाना आधार पर कम रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने पत्रकारों से कहा, व्यापार के संबंध में वैश्विक नीति अनिश्चितता के बावजूद हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन सहित इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में मई में सालाना आधार पर सबसे तेज 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि रसायनों के निर्यात में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि फार्मास्यूटिकल्स के निर्यात में 7.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच मई 2025 में व्यापारिक निर्यात 2.17 प्रतिशत घटकर 38.73 बिलियन डॉलर रह गया, जो मई 2024 में 39.59 बिलियन डॉलर था। हालांकि, मई 2024 में 61.68 बिलियन डॉलर की तुलना में आयात में सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 60.61 बिलियन डॉलर रह गया। इस बीच, वाणिज्य सचिव ने कहा कि सेवाओं के व्यापार में मई में 14.65 बिलियन डॉलर का अनुमानित सरप्लस दिखा, क्योंकि सेवाओं का निर्यात बढ़कर 32.39 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि आयात बढ़कर 17.14 बिलियन डॉलर हो गया। आंकड़ों से यह भी पता चला कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की अप्रैल-मई अवधि में निर्यात बढ़कर 77.19 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि आयात बढ़कर 125.52 बिलियन डॉलर हो गया। व्यापार घाटे में कमी से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी और यह ऐसे समय में हुआ है जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 6 जून को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.66 अरब डॉलर हो गया।

सप्ताह के दौरान हुई तेज वृद्धि ने देश के विदेशी मुद्रा भंडार को ऐतिहासिक उच्च स्तर 704.885 डॉलर के करीब पहुंचा दिया है, जो सितंबर 2024 के अंत में पहुंचा था। 6 जून को समाप्त सप्ताह के लिए, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, जो भंडार का एक प्रमुख घटक है, 3.47 अरब डॉलर बढ़कर 587.69 अरब डॉलर हो गई।

स्टारबक्स का भारत में आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नहीं

नयी दिल्ली,एजेंसी।

टाटा स्टारबक्स ने कहा है कि भारत में उसका कोई आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नहीं है और इसके लिए डॉली चायवाला के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं किया गया है। कंपनी ने लिंकडइन पर जारी एक बयान में कहा ह्लहाल ही में सोशल मीडिया पर ऐसा प्रचारित किया जा रहा है कि टाटा स्टारबक्स ने भारत में औपचारिक तौर पर ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इसके मद्देनजर यह स्पष्ट किया जा रहा है कि भारत में किसी को औपचारिक तौर पर ब्रांड एंबेसडर नहीं बनाया गया है। विशेषकर डॉली चायवाला के साथ कोई गठबंधन नहीं किया गया है। कंपनी ने कहा कि किसी तीसरे पक्ष ने एक मेम बनाया जिसे गलत तरीके से वास्तविक अभियान के तौर पर देखा जा रहा है। टाटा स्टारबक्स सच्ची और वास्तविक जानकारी देने के लिए कटिबद्ध है और कंपनी अपने ग्राहकों के मूल्यों में विश्वास करती है।

उप्र सरकार किसानों से सीधे एमएसपी पर खरीद रही है मक्का

लखनऊ,एजेंसी।

उत्तर प्रदेश सरकार पहली बार किसानों से सीधे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मक्का खरीद रही है।

यह खरीद 15 जून से प्रारंभ हुई जो 31 जुलाई तक चलेगी। क्रय केंद्रों पर सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक खरीद की जाएगी। बयान के मुताबिक, विपणन वर्ष 2024-25 के अंतर्गत किसानों से मक्का की खरीद 2225 रुपये प्रति कुंतल पर की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों औरैया आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मक्का किसानों से मक्का की खेती के बारे में जानकारी ली थी और उन्हें भरोसा दिलाया था कि सरकार नियमित रूप से उनकी प्रगति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगी। बदायूं, बुलंदशहर, अलीगढ़, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद, हाथरस, मैनपुरी, हरदोई, उन्नाव, कानपुर नगर, औरैया, कन्नौज, इटावा, फरुर्खाबाद, बहराइच, बलिया, गोंडा, संभल, रामपुर, अयोध्या व मीरजापुर जनपदों में मक्का खरीदा जाएगा। किसानों का मक्का की बिक्री के लिए एफसीएसडॉटयूपीडॉटजीओवीडॉटइन या मोबाइल ऐप 'यूपी किसान मित्र' पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

एसबीआई ने ब्याज दरों में 0.5 प्रतिशत की कटौती की

नई दिल्ली,एजेंसी।

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ब्याज दरों में 0.5 प्रतिशत की कटौती की है, जिससे मौजूदा तथा नए उधारकताओं दोनों के लिए ऋण सस्ता हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती के बाद एसबीआई ने निर्णय लिया है। एसबीआई की रेपो आधारित ब्याज दर (आरएलएलआर) में 0.5 प्रतिशत की कटौती के साथ यह अब 7.75 प्रतिशत हो गई है। बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (ईबीएलआर) में भी 0.5 प्रतिशत की कटौती की गई और यह 8.65 से अब 8.15 प्रतिशत हो गई है। एसबीआई की वेबसाइट पर दी गई अद्यतन दर की जानकारी के अनुसार, संशोधित दरें 15 जून 2025 से लागू हो गई। बैंक के इस कदम से रेपो आधारित ब्याज से जुड़े कर्ज सस्ते होंगे। इससे आवास, वाहन, व्यक्तिगत कर्ज लेने वाले नये और मौजूदा खुदरा ग्राहकों के अलावा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले मध्यम उद्यम (एमएसएमई) कर्जदारों को लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने छह जून को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया था।

अर्थूड सर्विसेज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

नई दिल्ली,एजेंसी।

गुड़गांव स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी ने सेबी के समक्ष 27 दिसंबर, 2024 को जमा अपने पुराने आईपीओ ड्राफ्ट को 28 अप्रैल, 2025 को वापस ले लिया था। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्ता2वेज के मुताबिक अर्थूड सर्विसेज का 10 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री के लिए प्रस्ताव के रूप में संरचित है। इसमें मुख्यल प्रमोटर डॉ. कविराज सिंह के 42.90 लाख इक्विटी शेयर और अशोक कुमार गौतम के 20 लाख इक्विटी शेयर है

वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारतीय कंपनियों का परिचालन लाभ मार्जिन 18.5 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद: रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी।

रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछली कुछ तिमाहियों में क्रमिक सुधार के बाद, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारतीय कंपनियों का परिचालन लाभ मार्जिन 10 से 40 आधार अंकों की वृद्धि के साथ 18.2 से 18.5 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है, ह्लआरबीआई की रेपो रेट में कुल 100 आधार अंकों की कटौती के कारण ब्याज लागत में कमी के साथ, भारत कंपनियों के लिए ब्याज कवरेज अनुपात में वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में लगभग 5.1-5.2 गुना की वृद्धि होगी, जबकि वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में यह 5.0 गुना था। आईसीआरए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किंजल शाह ने कहा, ह्लअनिश्चित वैश्विक माहौल को देखते हुए, निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) साइकल के मापा हुआ रहने की उम्मीद है। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर जैसे कुछ उभरते क्षेत्र और ऑटोमोटिव स्पेस में इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे आला सेगमेंट में निवेश में वृद्धि जारी रहेगी, जो भारत सरकार द्वारा घोषित विभिन्न उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन कार्यक्रमों के अनुरूप है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, भारतीय रेलवे और रक्षा क्षेत्रों से जुड़ी संस्थाओं को भी अपने बड़े ऑर्डर बुक का फायदा राजस्व और आय के साथ देखने को मिलेगा।

वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 589 सूचीबद्ध कंपनियों (वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को छोड़कर) के प्रदर्शन के आईसीआरए के विश्लेषण से पता चला है कि कंपनियों को सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत राजस्व वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, कमजोर वैश्विक मांग और चीन से सस्ते आयात के कारण कम प्राप्तियों के बाद लोहा और इस्पात जैसे सेक्टर में कुछ गिरावट देखी गई। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारतीय कंपनियों को वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में स्थिर राजस्व वृद्धि की उम्मीद है, जिसे मजबूत घरेलू मांग का समर्थन प्राप्त है, जबकि ग्रामीण मांग के स्वस्थ रहने की उम्मीद है और शहरी मांग में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव विशेष रूप से एग्रो-केमिकल्स, टेक्सटाइल, ऑटो एंड ऑटो कंपोनेंट्स, कटे और पॉलिश किए गए हीरे और आईटी सेवाओं जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों के लिए डिमांड सेंटीमेंट्स को प्रभावित करना जारी रखते हैं। कॉरपोरेट इंडिया ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में परिचालन लाभ मार्जिन में सालाना आधार पर 63 आधार अंकों की वृद्धि दर्ज की, जो 18.5 प्रतिशत हो गई।

सचीरोम फ्रेगरेंसेज की स्टॉक मार्केट में जोरदार शुरुआत, 50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए शेयर

नई दिल्ली,एजेंसी।

फ्रेगरेंसेज और अलग-अलग तरह के फ्लेवर्स का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी सचीरोम फ्रेंगरेंसेस एंड फ्लेवर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 102 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 153 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर गिर कर 145.35 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने पर इसमें और तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10.30 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 156.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 53.04 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है।

सचीरोम फ्रेंगरेंसेज एंड फ्लेवर्स का 61.62 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 312.94 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 173.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 808.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 180.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 60,40,800 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.99 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 10.67 करोड़ रुपये और 2024-25 में 15.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 23 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 108.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

थोक महंगाई दर मई में 14 महीने के निचले स्तर 0.39 प्रतिशत पर रही

नई दिल्ली,एजेंसी।

भारत में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर मई में 14 महीनों के निचले स्तर 0.39 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इससे पहले अप्रैल में यह 0.85 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। यह लगातार तीसरा महीना है जब थोक महंगाई दर में कमी देखने को मिली है। इससे पहले मई 2024 में थोक महंगाई दर 2.74 प्रतिशत थी।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, मई 2025 में खाद्य, ईंधन और प्राथमिक वस्तुओं सहित ज्यादातर श्रेणियों में महंगाई कम हुई है। बीते महीने खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई दर कम होकर 1.72 प्रतिशत हो गई है, जो कि अप्रैल में 2.55 प्रतिशत थी। यह ट्रेंड दिखाता है कि देश में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी आ रही है।

खाद्य वस्तुओं की श्रेणी में सब्जियों की महंगाई दर मई में घटकर -21.62 प्रतिशत रह गई, जो अप्रैल में -18.26 प्रतिशत थी। मई महीने में दालों में महंगाई दर -10.41 प्रतिशत रही, जबकि गेहूं की महंगाई दर 5.75 प्रतिशत रही। अंडे, मांस और मछली की महंगाई दर अप्रैल में -0.29 प्रतिशत से घटकर मई में -1.01 प्रतिशत रह गई। आलू और प्याज की महंगाई दर क्रमशः -29.42 प्रतिशत और -14.41 प्रतिशत रही। मई में ईंधन और ऊर्जा पर महंगाई दर (-)2.27 प्रतिशत रही है, जो कि अप्रैल में (-) 2.18 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं के लिए महंगाई दर मई में कम होकर (-) 2.02 प्रतिशत रह गई है, जो कि अप्रैल में (-) 1.44 प्रतिशत थी। डब्ल्यूपीआई मुख्य महंगाई दर, जिसमें फूड और फ्यूल नहीं शामिल होता है, घटकर 0.9 प्रतिशत हो गई है, जो कि अप्रैल में 1.5 प्रतिशत थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स पर महंगाई दर मई में 2.04 प्रतिशत रही है, जो कि अप्रैल में 2.62 प्रतिशत थी।

सचीरोम फ्रेगरेंसेज के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 57.40 प्रतिशत का मुनाफा

नई दिल्ली,एजेंसी। फ्रेगरेंसेज और अलग अलग तरह के फ्लेवर्स का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी सचीरोम फ्रेंगरेंसेज एंड फ्लेवर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 102 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 153 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर गिर कर पहले 145.35 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक आया। फिर थोड़ी देर बाद खरीदारी शुरू हो जाने पर ये 160.65 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 160.55 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 57.40 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। सचीरोम फ्रेंगरेंसेज एंड फ्लेवर्स का 61.62 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 312.94 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 173.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 808.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 180.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 60,40,800 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.99 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था

घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत घटकर 3,44,656 इकाई: सियाम

नई दिल्ली,एजेंसी।

घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत घटकर 3,44,656 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 3,47,492 इकाई रही थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से सोमवार को जारी अद्यतन आंकड़ो के अनुसार, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री मई में 2.2 प्रतिशत बढ़कर 16,55,927 इकाई हो गई, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी महीने में 16,20,084 इकाई थी। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू बाजार में कुल तिपहिया वाहनों की बिक्री मई में सालाना आधार पर 55,763 इकाइयों की तुलना में 3.3 प्रतिशत घटकर 53,942 इकाई रह गई। वाहन विनिमार्ताओं के निकाय सियाम ने कहा कि सभी श्रेणियों में वाहनों की कुल थोक बिक्री 1.8 प्रतिशत बढ़कर 20,12,969 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल मई में यह 19,76,674 इकाई थी।

वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई,एजेंसी।

वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के माध्यगम से 727 करोड़ रुपये जुटाना है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉ क एकसचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तारवेज के मुताबिक वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड का 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 727 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें कोई बिक्री के लिए प्रस्ताव नहीं है। इस ऑफर का योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए आवंटन न्यूनतम 75 फीसद निर्धारित किया गया है, जबकि 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है।

सेंट्रम कैपिटल लिमिटेड, इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि एमयूएफजी इंटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार है। कंपनी की योजना इस इश्यू से प्राप्तब 552.53 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मुख्य रूप से अपनी सहायक कंपनी ह्लबेक्रूज आईएफएससीह्ल के साथ ही लीजिंग उद्देश्यों और अन्य सामान्य कॉर्पोरेट रणनीतियों के लिए करने की है। भारत की एकमात्र घरेलू महासागर क्रूज ऑपरेटर टरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड वर्तमान में 'कॉर्डेलिया क्रूज' ब्रांड नाम के तहत एक क्रूज जहाज 'एमवी एम्प्रेस' का संचालन करता है। लॉन्च होने के बाद से 5,49,051 मेहमान इस क्रूज जहाज पर यात्रा कर चुके हैं। इसने 31 दिसंबर, 2024 तक भारतीय तटरेखा और आसपास के द्वीपों के साथ 2,25,079.53 समुद्री मील से अधिक की दूरी तय की है। वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड एकमात्र घरेलू क्रूज लाइन 'कॉर्डेलिया क्रूज' का संचालन मुंबई और चेन्नई से करती है।

डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति में लगातार नरमी भारत में उच्च आर्थिक विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत : अर्थशास्त्री

नई दिल्ली,एजेंसी।

अर्थशास्त्रियों ने सोमवार को कहा कि दिसंबर 2024 से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति में लगातार नरमी भारत में उच्च आर्थिक विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले महीनों में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति नरम बनी रहेगी, बशर्ते भू-राजनीतिक तनाव कम हो जाए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर इस साल मई में 0.39 प्रतिशत के 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई, जो अप्रैल में 0.85 प्रतिशत और मार्च में 2.05 प्रतिशत थी। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा कि महंगाई में कमी मुख्य रूप से प्राथमिक वस्तुओं, फ्यूल एंड पावर के साथ-साथ मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट कैटेगरी की कीमतों में कमी के कारण देखी गई है। उन्होंने कहा, ह्लथोक मुद्रास्फीति में यह गिरावट बिजनेस सेंटीमेंट को बढ़ावा देगी क्योंकि इसके परिणामस्वरूप उत्पादन की लागत कम होगी। अप्रैल से मई के दौरान खाद्य वस्तुओं की कीमतों में -0.86 प्रतिशत से -1.56 प्रतिशत, पेट्रोल की कीमतों में 7.70 प्रतिशत से -8.49 प्रतिशत और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट की कीमतों में 2.62 प्रतिशत से 2.04 प्रतिशत की गिरावट ने थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति में नरमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईसीआरए के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि अनुकूल आधार की सहायता से थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति अप्रैल 2025 के 0.9 प्रतिशत से मई 2025 में अपेक्षित रूप से 0.4 प्रतिशत के 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई, जो आईसीआरए के इस महीने के अनुमान 0.7 प्रतिशत से कुछ कम है।

उन्होंने कहा, यह गिरावट व्यापक स्तर पर थी, जिसमें फूड, नॉन-फूड मैन्युफैक्चरिंग, मिनरल्स और फ्यूल एंड पावर सेगमेंट ने इन महीनों के बीच हेडलाइन प्रिंट में गिरावट में योगदान दिया। डब्ल्यूपीआई खाद्य मुद्रास्फीति प्रिंट मई 2025 में 1.7 प्रतिशत तक गिर गई, जो कीमतों में धीमी क्रमिक वृद्धि के बीच 19 महीनों में सबसे कम है। उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा जारी किए गए 22 खाद्य वस्तुओं में से 20 ने मई की तुलना में 15 जून तक में अपनी वार्षिक मुद्रास्फीति दर में कमी दर्ज की। उन्होंने कहा, ह्लइन रुझानों को देखते हुए, आईसीआरए को उम्मीद है कि डब्ल्यूपीआई -खाद्य मुद्रास्फीति मई 2025 के 1.7 प्रतिशत से जून 2025 में और कम हो जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर आज एक दिन का राजकीय शोक

अहमदाबाद

अहमदाबाद विमान हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत 241 लोगों की जान चली गई। विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार आज किया जाएगा। आज राज्य सरकार ने एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। जिसके तहत सरकारी दफ्तरों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका दिया गया है। दिवंगत विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार आज राजकोट में किया जाएगा। इससे पहले राज्य सरकार ने एक दिन का शोक घोषित किया है। आज राज्य भर के कार्यालयों में सरकारी आदेशानुसार शोक मनाया गया। राज्य भर के सरकारी दफ्तरों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका दिया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी और अन्य प्रमुख नेता उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होंगे।

अब तक 465764 श्रद्धालु ने मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेका

कटरा ।

जून माह के प्रथम पखवाड़े तक 465764 श्रद्धालु अब तक मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेक चुके हैं। चूंकी वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा जोर-शोर से चल रही है, इस कारण मां वैष्णो देवी भवन परिसर जहां तक की आधार शिविर कटड़ा श्रद्धालुओं से गुलजार है हर तरफ श्रद्धालुओं की चहल पहल लगातार बनी हुई है। बीती शाम से बदले मौसम का रंग सोमवार को भी दिन भर देखने को मिला, क्योंकि दिन भर एक और जहां आसमां के साथ ही मां वैष्णो देवी के त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमघट लगा रहा, वहीं दूसरी और ठंडी हवाओं के साथ बीच-बीच में हल्की बारिश का भी सामना श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान करना पड़ा। वर्तमान में मौसम पूरी तरह से सुहावना बना हुआ है। मौसम में हुए बदलाव के साथ ही हो रही हल्की बारिश को लेकर मां वैष्णो देवी के सभी मार्गों पर आपदा प्रबंधन दल, के साथ ही श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान जगह-जगह तैनात हैं और लगातार मां वैष्णो देवी की यात्रा पर नजर रखे हुए हैं ताकि मां के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं को वैष्णो देवी यात्रा के दौरान बैटरी कार सेवा के साथ ही मां वैष्णो देवी भवन तथा भैरव घाटी के मध्य चलने वाली रोपवे केवल कार सेवा जैसी सुविधाएं बिना किसी परेशानी के उपलब्ध हो रही है। आधार शिविर कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा बीच-बीच में बदले मौसम के कारण प्रभावित हुई। वहीं श्रद्धालुओं को घोड़ा, पिट्ठू तथा पालकी आदि की सेवा भी लगातार उपलब्ध हो रही है और श्रद्धालु इन सेवाओं का लाभ उठाते हुए निरंतर मां वैष्णो देवी की यात्रा कर रहे हैं। श्रद्धालु मां वैष्णो देवी की यात्रा पूरी करने के बाद आधार शिवीर कटड़ा में प्रसाद के रूप में भी निरंतर खरीदारी कर रही हैं जिसके चलते बाजारों में श्रद्धालुओं की चहल-पहल लगातार बनी हुई है।

गरीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा को खत्म करने में जुटी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को खत्म करने में लगी है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ है। उन्होंने लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को खत्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का कानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। खड़गे ने कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वे गरीबों की जेब से करीब 25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, डिमांड से ज्यादा होने पर अगले वित्तीय वर्ष में अलग से खर्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा एक मांग- के साथ आने वाली योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में डिमांड की वृद्धि होती है, तब क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं? खरगे ने कहा कि सीमा पार होने पर क्या होगा? क्या राज्य डिमांड के बावजूद रोजगार देने से इंकार करने के लिए मजबूर, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? क्या ये सच नहीं कि एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7 प्रतिशत परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है? उन्होंने पूछा कि 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? गरीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मजदूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है?

इंग्लैंड को हराने भारतीय टीम में पर्याप्त प्रतिभा : क्लार्क

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाये जाने को सही कदम बताते हुए कहा है कि इंग्लैंड में जीत दर्ज करने के लिए उसके पास पर्याप्त प्रतिभा है।

ठीक है, हां मैं उन्हें एक अवसर देता हूं, लेकिन यह इंग्लैंड जाने वाली टीम की अपेक्षा बहुत कम अनुभव वाली टीम है। रोहित और विराट का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। इसलिए इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए नुकसानदेह होगा। कोई रिटायर होता है तो किसी और को अवसर मिलता है।

क्लार्क के अनुसार अब देखना होगा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिना ये युवा टीम किस प्रकार खेलती है। 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच मैचों की इस सीरीज से टीम एक नये युग की ओर बढ़ेगी। इस दौरे में शुभमन गिल को जहां कप्तानी मिली है वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उप-कप्तान है। इस सीरीज में टीम के पास युवा गेंदबाज हैं जिनपर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी पूरी करने का दबाव रहेगा। इसके अलावा मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी उसे बेहतर इस्तेमाल करना होगा। बुमराह इस सीरीज में केवल तीन मैच ही खेल पायेंगे। ऐसे में ये तय करना होगा कि कौन से मैचों में उन्हें उतारा जाये। क्लार्क ने कहा, ठीक है, हां मैं उन्हें एक अवसर देता हूं, लेकिन यह इंग्लैंड जाने वाली टीम की अपेक्षा बहुत कम अनुभव वाली टीम है। रोहित और विराट का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। इसलिए इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए नुकसानदेह होगा। कोई रिटायर होता है तो किसी और को अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए मुख्य बात भारतीय गेंदबाजी आक्रमण है। इसलिए हम सभी जानते हैं कि बुमराह (जसप्रीत) पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे।

तो, वह कौन से टेस्ट मैच खेलेंगे? क्या वह लगातार पहले तीन मैच खेलेंगे? आप यह सीरीज जीत जाते हैं, और आखिरी दो मैच मायने नहीं रखते। मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने वाला है। मुझे लगता है कि पांच टेस्ट मैच खेलने के कारण उनके शरीर को नुकसान होगा। और फिर मैंने शमी (मोहम्मद) को भी टीम में नहीं देखा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई सीरीज में उनका न खेलना बहुत बड़ी बात थी और अगर वह और फिट बुमराह ऑस्ट्रेलिया में होते तो यह सीरीज बहुत अलग होती। साथ ही कहा कि भारत में बहुत प्रतिभा है। मुझे लगता है कि प्रतिभा के मामले में भारत हमेशा सुरक्षित हाथों में रहेगा। बस यह है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी इस सीरीज में कितनी जल्दी अपनी छाप छोड़ पाते हैं ये देखना होगा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच खेलना कठिन होता है और ये बात उन्हें समझनी होगी। भारतीय टीम के पास साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो इंग्लैंड में भारत के लिए पहली बार सफेद जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। गेंदबाजी विभाग में बुमराह के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और अर्शदीप अपनी तेज गति अंतर पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा आक्रमण है। मुझे लगता है कि भारतीय टीम में सीरीज जीतने के लिए पर्याप्त प्रतिभा है। यह सिर्फ अनुभव है जिसकी टीम के पास कमी है।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है।

ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही। अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉजेन की यात्रा की और इंट्रा-स्क्वाड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अनुभवी साझा करना रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है।

वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे. उनकी वापसी तक भारतीय टीम को टीम लक्ष्मण के अनुभवों से सीखने को मिलेगा।

आठ साल बाद पेरिस डायमंड लीग में उतरेंगे नीरज

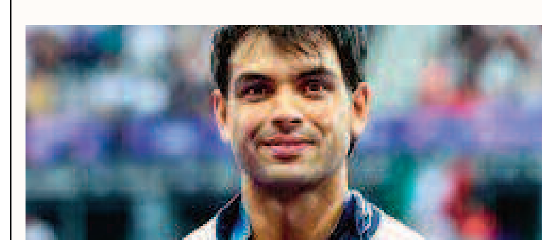

पेरिस ।

भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से उतरेंगे। नीरज पिछले साल ओलंपिक तैयारियों के कारण इस लीग से बाहर थे। उन्होंने अंतिम बार साल आठ साल पहले साल 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के तौर पर पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा है कि चोपड़ा और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। ये सभी 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा ने इस सत्र की शुरूआत दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में एक आमंत्रण प्रतियोगिता में खिताब जीतकर की थी। यह एफ श्रेणी की प्रतियोगिता थी जिसमें उन्होंने 84.52 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने 16 मई को दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ 90 मीटर के आंकड़े को पार किया था।

डिविलियर्स बोले, तब विराट मुझसे नाराज थे

जमैका ।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली उनसे तब नाराज हो गये थे जब उन्होंने कहा था कि विराट और अनुष्का शर्मा अपने दूसरे बच्चे की योजना बना रहे हैं और इसी कारण विराट घरेलू धरती पर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर थे। डिविलियर्स के अनुसार बाद में उन्हें लगा कि इस प्रकार की निजी बातों को बोलकर उन्होंने गलती की है। इसके बाद एक अन्य वीडियो में डिविलियर्स ने कहा कि उन्होंने इस प्रकार की गलत खबर देकर सही नहीं किया था। थी। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पहला खिताब जीतने के बाद कोहली और डिविलियर्स की फिर मुलाकात हुई। । इसमें दोनो गर्मजोशी से मिले। डिविलियर्स ने ये भी कहा कि कोहली ने उनसे कुछ समय पहले ही दोबारा बात करना शुरू किया था डिविलियर्स ने कहा, मुझे हमने इस बारे में बात की थी। वह पिछले छह महीनों से मेरे संपर्क में है। भगवान का शुक्र है है क्योंकि कुछ समय पहले जब वे अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रहे थे, तब मैं उनसे मिलने आया था। इसलिए जब उन्होंने मुझसे फिर से बात करना शुरू किया, तो मुझे काफी अच्छा लगा। गौरतब है कि डिविलियर्स ने काफी लंबे समय तक आरसीबी में विराट के साथ खेला है और दोनो ही काफी अच्छे दोस्त माने जाते हैं।

जेनसन भविष्य में सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे : पोंटिंग

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका भविष्य उज्जवल है। पोंटिंग के अनुसार आने वाले समय में नसेन विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे। पोंटिंग ने आईपीएल में जेनसन को कोचिंग देने के दौरान उनके कौशल को देखा था। पोंटिंग ने कहा किजेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक है जिसका लाभ भी उन्हें मिली है। इसके साथ ही उनके काफी प्रतिभा भी है। उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में कगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले ही दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को धवस्त कर दिया था। रबाडा के कारण हालांकि लोगों का ध्यान जेनसन की गेंदबाजी की ओर नहीं गया पर ये भी ध्यान रखना चाहिये कि उनकी गेंदबाजी से जो दबाव बना था उससे ही रबाडा को विकट लेने में आसानी हुई। बाएं हाथ के जेनसन ने मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जैसे स्टार बल्लेबाजों को आउट किया था। फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के बाद भी जिस प्रकार वह गेंदबाजी के लिए वापस आये उससे भी उनके अंदर का जुनून दिखता है। वह अनुभवी बल्लेबाजों के खिलाफ भी निडर होकर गेंदबाज करते करते दिखे। दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत में उनकी भूमिका को कम आंकना भूल होगी।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप : पोंटिंग

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे।

पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे।

पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है।

वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है। पोंटिंग ने पिछले साल काउंटी क्रिकेट में इस गेंदबाज के कार्यकाल पर जोर दिया। पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप के दौरान केंट का प्रतिनिधित्व करते हुए अर्शदीप ने पांच डिवीजन 1 खेलों में 13 विकेट लिए थे। , जिसमें 3/58 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

गर्मी के मौसम में पहनने के लिए जरूर चुने ये स्टाइलिश फुटवियर पैरों को मिलेगी राहत

गर्मी का मौसम में अधिकतर महिलाएं हल्के आउटफिट के साथ कंफर्टेबल फुटवियर पहनना पसंद करती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक है, जो गर्मी के मौसम में एकदम कुल रहना चाहती हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको ऐसे स्टाइलिश फुटवियर डिजाइंस बताएंगे, जो न सिर्फ आपको मॉडर्न लुक देंगे, बल्कि इन फुटवियर को पहनकर आप कंफर्टेबल भी महसूस कर सकेंगी।

अगर आप भी गर्मी के मौसम में पहनने के लिए खूबसूरत फुटवियर तलाश रही हैं, तो आपके लिए यह फुटवियर डिजाइन एक बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। आप इसे अपने एथेनिक वियर के साथ पेयर कर सकती है। यह फुटवियर आपके पैरों की खूबसूरती में भी चार चांद लगा सकता है। इस फुटवियर को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

ऐंकल लूप फ्लैट सैंडल

अगर आप अपने पैरों की खूबसूरती में चार चांद लगाना चाहती हैं, तो आपके लिए यह ऐंकल लूप फ्लैट सैंडल फुटवियर भी एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इस फुटवियर को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं। यह न सिर्फ आपके पैरों को खूबसूरत बनाएगी, बल्कि इसे पहनकर आप आरामदायक भी महसूस कर सकती हैं।

स्ट्रैपी वेज हील्स

अगर आप गर्मी के मौसम में ऑफिस या किसी इवेंट में कंफर्टेबल फुटवियर पहन कर जाना चाहती हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपके लिए यह स्ट्रैपी वेज हील्स फुटवियर भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। आप इसे ट्राई कर अपने पैरों की खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। यह फुटवियर आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएगा।

टेक्सचर्ड लेदर ओपन टो फ्लैट्स

गर्मी के मौसम में अगर आप भी स्टाइलिश फुटवियर की तलाश कर रही हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप यह खूबसूरत स्टाइलिश टेक्सचर्ड लेदर ओपन टो फ्लैट्स फुटवियर ट्राई कर सकती है। इसे पहनकर आप न सिर्फ अपने लुक को कंप्लीट करेंगी, बल्कि यह आपको एलिगेंट टच भी दे सकता है। इस फुटवियर को आप ऑनलाइन या ऑफलाइन खरीद सकती हैं। इस फुटवियर को आप अपने ऑफिस या दोस्तों के साथ घूमने जाते वक्त भी पहन सकती हैं।

महिलाएं सिर्फ घर नहीं संभालती लोन चुकाने से लेकर कंपनी चलाने तक इन कामों में पुरुषों से हैं आगे

बदलते समय और समाज की सोच के साथ अब महिलाओं ने भी अपनी जिम्मेदारियों का दायरा बढ़ा लिया है। अब केवल महिलाएं घर की जिम्मेदारी नहीं संभालती, बल्कि लोन पेमेंट से लेकर कई बड़े काम भी करती हैं।

हमेशा से महिलाओं को घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों को संभालने के लिए जाना जाता रहा है और अक्सर फाइनेंशियल और लीडरशिप की भूमिकाओं में उनकी भागीदारी को सीमित माना जाता रहा है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में भारतीय महिलाओं में एक पॉजिटिव बदलाव देखने को मिला है। अब महिलाएं न केवल अपने घर को संभालती हैं, बल्कि फाइनेंस मैनेजमेंट की जिम्मेदारी भी उठा रही हैं। साथ ही, वे एंटरप्रेन्योरशिप, कॉरपोरेट लीडरशिप, बैंकिंग और पॉलिटिक्स जैसे दूसरे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अपनी उत्कृष्टता साबित कर रही हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 5 सालों में भारत में लोन लेने वाली महिलाओं की संख्या 22 फीसदी की सालाना दर से बढ़ी है। महिलाओं ने 42 फीसदी पर्सनल लोन अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया हुआ है। वहीं, 'फॉम बॉरोवर्स टू बिल्डर्स' वीमन रोल इन इंडिया फाइनेंशियल ग्रोथ स्टोरी नाम की रिपोर्ट में बताया गया है कि 3 फीसदी महिलाओं ने बिजनेस लोन, 42 फीसदी महिलाओं ने पर्सनल लोन, कंज्यूमर लोन और होम लोन लिया है और 38 फीसदी महिलाओं ने गोल्ड गिरवी रखकर लोन लिया है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि महिलाएं अब क्रेडिट स्कोर काफी चेक करने लगी हैं और लोन लेने वाली महिलाओं में करीब 60 फीसदी महिलाएं कस्बों और ग्रामीण इलाकों से हैं।

महिलाएं लोन डिफॉल्टर कम

साल 2023 में भारत में कुल लोन में 17 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई थी, जिसमें महिलाओं ने पुरुषों को पछाड़ दिया था। दिलचस्प बात यह है कि महिलाएं लोन चुकाने में ज्यादा भरोसेमंद साबित हुई हैं, क्योंकि केवल 3.4 फीसदी महिला एंटरप्रेन्योर्स लोन डिफॉल्टर रहीं, जबकि पुरुषों की डिफॉल्ट दर 4.6 फीसदी से अधिक रही।

जीवन बीमा खरीदने में आगे

मैक्स लाइफ द्वारा किए गए एक सर्वे में पता चला था कि 79 फीसदी कामकाजी महिलाओं के पास जीवन बीमा पॉलिसी है, जबकि 76 फीसदी पुरुषों के पास पॉलिसी है। हमेशा से महिलाएं वित्तीय सुरक्षा के मामले में पुरुषों से बेहतर रही हैं।

भारतीय महिलाएं परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं

पॉलिसी बाजार के सर्वे के अनुसार, 2023-24 में 25 लाख रुपये से अधिक कवरेज वाली हेल्थ पॉलिसी खरीदने वाली महिलाओं की संख्या बढ़कर 24 फीसदी हो गई, जबकि 2022-23 में यह आंकड़ा 15 फीसदी था। वहीं, दूसरी तरफ 25 लाख रुपये से कम कवरेज वाली हेल्थ पॉलिसी लेने वाली महिलाओं की संख्या में कमी पाई गई है। इससे पता चलता है कि शहर में रहने वाली कामकाजी महिलाएं अपने परिवार को किसी भी परेशानी से बचाने के लिए ज्यादा सतर्क रहती हैं।

स्टार्टअप्स में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्टअप्स के मामले में दिल्ली एनसीआर सबसे आगे है। अब तक करीब 2000 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को इन्वेस्टर्स मिल चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेक्निकल सेक्टर्स में महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्टअप्स की हिस्सेदारी 18 फीसदी से अधिक है, जबकि फंडिंग स्टार्टअप्स में महिला एंटरप्रेन्योर्स की भागीदारी 14 फीसदी से ज्यादा है। वहीं, भारत में महिला एंटरप्रेन्योर्स द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप्स की संख्या 8,000 से अधिक हो चुकी है।

MSMEs में बढ़ी महिला कर्मचारियों की भागीदारी

एक सर्वे से पता चला है कि महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों ने पुरुषों की तुलना में 11 फीसदी अधिक महिला कर्मचारियों को रोजगार दिए हैं। वुमेन लीडरशिप वाले रूस्स्क्षह्य में नौकरी पाने वालों में से एक-तिहाई महिलाएं हैं। केवल रोजगार देने के मामले में महिला एंटरप्रेन्योर्स आगे नहीं हैं, बल्कि उनके द्वारा संचालित MSMEs की मंथली इनकम में भी 12% की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि महिला एंटरप्रेन्योर्स न केवल आर्थिक रूप से आगे बढ़ रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी नए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं।

घर खरीदने में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

एनारॉक द्वारा जुलाई-दिसंबर 2023 के बीच किए गए सर्वे से पता चला कि 78 फीसदी भारतीय महिलाएं घर अपने रहने के लिए खरीदती हैं, जबकि केवल 22 फीसदी महिलाएं इसे इन्वेस्टमेंट के रूप में देखती हैं। वहीं, साल 2021 में हुआ सर्वे बताता है कि 74 फीसदी महिलाएं रहने के लिए घर खरीदी थीं, जबकि 26 फीसदी ने निवेश के रूप में लिया था। हालांकि, अब महिलाएं रियल एस्टेट में इन्वेस्ट करने में रुचि दिखा रही हैं और साल दर साल उनकी संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है।

कुर्ता स्कर्ट नहीं अब ट्राई करें ये 4 लेटेस्ट शर्ट स्कर्ट ड्रेसेस, दिखेंगी खूबसूरत

अगर आप अपने लुक को डिफरेंट और यूनिक बनाना चाहती हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। आप इन खूबसूरत शर्ट और स्कर्ट सेट को ट्राई कर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर सकती हैं। यह सभी ड्रेस आपके लुक को एलिगेंट टच देने में मदद करेगी। इन आउटफिट को पहनकर आप ना सिर्फ स्टाइलिश लुक क्रिएट करेंगी, बल्कि यह आउटफिट आपको कंफर्ट महसूस कराएगा।

पार्व बेज शर्ट स्कर्ट

अगर आप भी अपने लुक में कुछ बदलाव करना चाहती हैं और लेटेस्ट ट्रेंड को फॉलो करना चाहती हैं, तो फैशन की इस दुनिया में आप भी इस खूबसूरतपार्व बेज शर्ट स्कर्ट सेट को ट्राई कर अपने लुक को डिफरेंट और मॉडर्न बना सकती हैं। यह स्कर्ट और शर्ट की डिजाइन आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी और आपको यूनिक लुक देने में मदद भी करेगी। इन्हें आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

कॉटन स्कर्ट के साथ हरी जूट शर्ट

अगर आप कुछ यूनिक और डिफरेंट ट्राई करने का सोच रही है, तो अब आपको ऑउटफिट को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। आप इस तरह की खूबसूरतकॉटन स्कर्ट के साथ हरी जूट शर्ट सेट को ट्राई कर सकती है। इस ड्रेस को आप किसी भी फंक्शन में पहनकर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर सकती हैं। यह आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह आसानी से मिल जाएगी।

स्कर्ट के साथ लाइम ग्रीन प्रिंट शर्ट

यही नहीं अगर आप भीड़ से हटकर दिखना चाहती हैं और अपने लुक को गॉर्जियस बनाना चाहती हैं, तो अब आप इसस्कर्ट के साथ लाइम ग्रीन प्रिंट शर्टसेट को ट्राई कर अपने लुक को गॉर्जियस बना सकती हैं। इसे पहनकर आप किसी हसीना से कम नहीं लगेगी। इस तरह का आउटफिट आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकता है। इसके साथ आप एसेसरीज भी शामिल कर अपने लोग को कंप्लीट कर सकती हैं।

लैवेंडर स्कर्ट विद शर्ट

आप चाहें तो इस तरह केलैवेंडर स्कर्ट विद शर्ट को भी ट्राई कर सकती हैं। इसमें आप हसीना की तरह लगेंगी। इस ड्रेस में आपको देखकर आपके सभी दोस्त खुश हो जाएगा और आपकी तारीफ करने पर मजबूर हो जाएंगे। आप इस ड्रेस को बनवा सकती हैं या इसे ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं। इस ड्रेस के साथ आप एक्सेसरीज और खूबसूरत हेयर स्टाइल बनाकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

अल्फा फीमेल क्या होती है? कैसे होती हैं ये अलग ...क्या होती है इनकी खासियत

आपने अल्फा मेल के बारे में तो खूब सुना होगा, लेकिन क्या आपने कभी अल्फा फीमेल के बारे में सुना है? अल्फा फीमेल अन्य महिलाओं के काफी अलग होती हैं। इनकी खासियत सुनकर आपको भी विश्वास नहीं होगा।

हाल ही में एक्टर मनोज बाजपेई ने अपनी मां को अल्फा फीमेल कहा है। अब तक आपने अल्फा मेल के बारे में तो जरूर सुना होगा, लेकिन क्या आपने कभी अल्फा फीमेल के बारे में सुना है। अल्फा वुमन...अंग्रेजी में इस शब्द का इस्तेमाल सुपर वुमन के लिए किया जाता है। इस तरह की महिलाओं को इतना गुणवान माना जाता है, जिनकी तारीफें कितनी भी कर लो, कम ही है। अल्फा फीमेल बहुत ही खास होती हैं। इस तरह की महिलाएं दूसरों पर निर्भर नहीं रहतीं। अल्फा फीमेल स्मार्ट सोच वाली होती हैं और हमेशा आगे बढ़ने के बारे में सोचती हैं। आइए जानें, आखिर अल्फा फीमेल कैसे होती हैं? अल्फा फीमेल की खासियत क्या होती है?

अल्फा फीमेल क्या होती है?

कई अध्ययनों ने अल्फा फीमेल शब्द को जन्म दिया है। ये महिलाएं अन्य महिलाओं की तुलना में काफी अलग होती हैं। इनमें सबसे अलग कुछ करने का जज्बा होता है। ऐसी महिलाएं बहुत ही तेज-तर्रार और आत्मविश्वासी होती हैं। इनके अंदर बहुत ज्यादा कॉन्फिडेंस होता है। इनके अंदर कुछ अलग खासियत होती है।

बिना सहारे के बढ़ती हैं आगे

अल्फा फीमेल अपने आप में बहुत ही मजबूत होती हैं। उन्हें आगे बढ़ने के लिए किसी की भी जरूरत नहीं होती। अल्फा फीमेल अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को बहुत अच्छे से बैलेंस करना भी जानती हैं। ऐसी महिलाएं अपने हर रोल को बखूबी निभाना जानती हैं। कूट-कूट के भरा होता है आत्मविश्वास आत्मविश्वास के मामले में ये महिलाएं बहुत आगे होती हैं। इनमें आत्मविश्वास भर-भरकर होता है। अल्फा वुमन अपना हर काम बिना किसी सपोर्ट के भी पूरे आत्मविश्वास के साथ करती हैं।

सकारात्मक सोच रखती हैं

अल्फा वुमन हर चीज को लेकर एक सकारात्मक सोच रखती है। हर कंडीशन में डटकर खड़े रहना इनकी खासियत होती है। इन्हें हार मानना जल्दी आता ही नहीं है।

परिश्रमी से नहीं घबरातीं

अल्फा फीमेल की एक बड़ी खासियत है कि वह कभी भी परिश्रम से नहीं डरती। वह अपने हर काम को पूरी लगन के साथ करती है। इनके अंदर हर काम को लगन से करने की इच्छा होती है।

मुंह पर बोलती हैं

अल्फा फीमेल को धोखेबाजी करनी नहीं आती। इनके दिल में जो होता है, वहीं इनके मुंह पर भी होता है। कई बार इनकी बातों से लोगों का दिल भी दुख जाता है, लेकिन ये सीधी बात करना ही जानती हैं। इनके दिल में कोई छल नहीं होता।

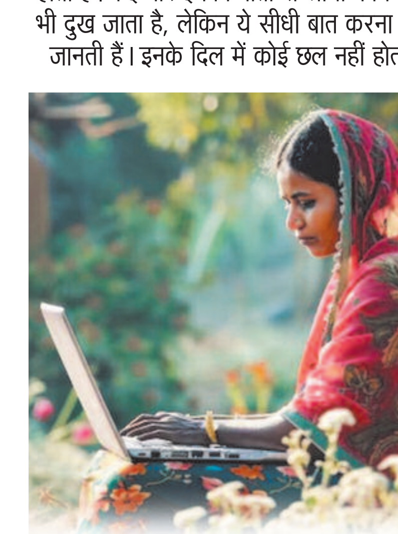

सरदार जी 3 में घोस्ट हंटर बने दिलजीत दोसांझ

कॉमेडी-थ्रिलर का मिला डबल डोज दिलजीत दोसांझ इंडियन म्यूजिक की दुनिया में बड़ा नाम बन चुके हैं, साथ ही बतौर एक्टर भी वह अब तक कई फिल्में कर चुके हैं। हिंदी और पंजाबी फिल्मों में अलग तरह के किरदार निभा चुके हैं। हाल ही में उनकी एक पंजाबी फिल्म 'सरदार जी 3' का टीजर रिलीज हुआ। टीजर देखकर दिलजीत के फैंस हंस-हंसकर लोट-पोट सकते हैं। साथ ही फिल्म में थ्रिलर, हॉरर की भी भरपूर डोज फैंस के लिए है।

भूतों से अलग अंदाज में मुकाबला

टीजर की शुरुआत में यूके का एक भूतिया प्लेस दिखाया जाता है। इस प्लेस में दिलजीत दोसांझ के किरदार की एंट्री होती है। भूत के कारण थ्रिलर का माहौल बनता है। आगे सीन्स में दिलजीत के किरदार को कई सुंदर भूतनियों के साथ दिखाया जाता है, जो उसके साथ ही रहती है। फिल्म में दिलजीत का किरदार एक घोस्ट हंटर का है, जो खूब मजाकिया भी है। टीजर देखकर लगता है कि दिलजीत की यह फिल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। पंजाबी फिल्म 'सरदार जी 3' का निर्देशन अमर हुंदल कर रहे हैं। फिल्म में दिलजीत दोसांझ के साथ नीरू बाजवा और मानव विज भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दिलजीत के अपकमिंग प्रोजेक्ट

दिलजीत दोसांझ सिर्फ पंजाबी फिल्म ही नहीं कर रहे हैं। वह बॉलीवुड फिल्म 'बॉर्डर 2' में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में सनी देओल, अहान शेट्टी, वरुण धवन जैसे कलाकार भी अभिनय कर रहे हैं। दिलजीत फिल्म में निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभा रहे हैं, जो इंडियन एयरफोर्स के अधिकारी थे और 1971 के युद्ध में अपने शौर्य के लिए याद किए जाते हैं। इसके अलावा खबर है कि दिलजीत दोसांझ अमेरिकन सिंगर शकीरा के साथ भी एक प्रोजेक्ट करने वाले हैं।

बिना बॉलीवुड डेब्यू के हिंदी भाषी दर्शकों में चर्चित हैं श्रीलीला

श्रीलीला भारतीय मूल की अमेरिकन एक्ट्रेस हैं। वह मुख्य रूप से तेलुगु फिल्मों में काम करती हैं। हालांकि वह कई दूसरी भाषाओं की फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। साल 2019 में उन्होंने किस फिल्म से बतौर लीड एक्ट्रेस एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखा। इससे पहले उन्होंने 2017 में चाइल्ड एक्ट्रेस के तौर पर काम किया था। इसके बाद वह साल 2021 में पेली संदडी और 2022 में धमाका में नजर आईं। साल 2024 में वह पुष्पा 2; द रूल से काफी मशहूर हुईं।

इसलिए हिंदी पट्टी में मशहूर हैं श्रीलीला

साउथ सिनेमा के साथ-साथ श्रीलीला हिंदी पट्टी में भी खूब पसंद की जाती हैं। इसकी वजह यह है कि वह इसी साल कार्तिक आर्यन के साथ आशिकी 3 में नजर आने वाली हैं। फिल्म 17 अक्टूबर 2025 को रिलीज हो सकती है। इससे पहले श्रीलीला अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2; द रूल में नजर आ चुकी हैं। फिल्म में उन्होंने किसिक गाने पर बेहतरीन डांस किया है। अल्लू अर्जुन की इस फिल्म को उत्तर भारत में खूब पसंद किया गया। फिल्म के साथ-साथ इस फिल्म के गानों को भी खूब सराहा गया है। इस तरह से श्रीलीला को भी हिंदी पट्टी के लोगों ने खूब प्यार दिया।

श्रीलीला का बचपन और स्कूलिंग

14 जून 2001 को जन्मी श्रीलीला बंगलूरू में बली बढ़ीं। पढ़ाई पूरी करने के बाद श्रीलीला ने साल 2017 में चाइल्ड एक्ट्रेस के तौर पर अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की। इसके बाद 2019 में बतौर लीड एक्ट्रेस किस फिल्म में काम किया। इसके बाद श्रीलीला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह 2021 में पेली संदडी में, 2022 में धमाका में, 2023 में स्कंद में और 2024 में वह पुष्पा 2; द रूल में नजर आईं।

इन फिल्मों में आने वाली हैं नजर

श्रीलीला साउथ में बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल होती हैं। अब उनके पास कई प्रोजेक्ट हैं। 2025 में वह तेलुगु और कन्नड़ फिल्म जूनियर में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह इसी साल तेलुगु फिल्म मास जथारा और हिंदी फिल्म आशिकी 3 में नजर आने वाली हैं।

श्रीलीला ने जीते कई अवॉर्ड्स

श्रीलीला यहीं नहीं रुकी हैं उन्होंने अपनी अदाकारी के बल पर कई अवॉर्ड्स जीते हैं। श्रीलीला ने साल 2021, 2022 और 2023 में साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स जीता है। उन्हें 2025 में चित्तारा स्टार अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। एक्ट्रेस को 2024 में फिल्मफेयर अवॉर्ड, आईफा अवॉर्ड्स साउथ और 2025 में आइफा उत्सवम के लिए नामांकन मिला है।

नेटफ्लिक्स के साथ नया प्रोजेक्ट ला रही हैं एकता

एकता कपूर उन मेकर्स में शुमार हैं, जिन्होंने न सिर्फ टीवी बल्कि ओटीटी तक पर खूब नाम कमाया है। एकता की बालाजी टेलीफिल्म्स ने कहानियों को क्रिएटिव ढंग से पेश करने के लिए नेटफ्लिक्स से हाथ मिलाया है। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड नेटफ्लिक्स कहानियों को अलग-अलग जॉनर में क्रिएटिव तरीके से पेश करेंगे। इस बारे में एकता ने कहा... बालाजी टेलीफिल्म्स में कहानी सुनाना हमेशा से ही हमारे हर काम के केंद्र में रहा है, चाहे वो सिनेमा हो, टेलीविजन हो या डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए हो। नेटफ्लिक्स के साथ आना हमारे लिए बड़ा मौका है। एकता के मुताबिक... इस साझेदारी के जरिए वह ऐसा क्रिएटिव कंटेंट पेश करेंगी, जो मनोरंजन करेगा, प्रेरित करेगा और हर जगह से लोगों को जोड़ेगा। इस कोलौबोरेशन के बारे में नेटफ्लिक्स इंडिया के कंटेट टीम की उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा... एकता एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने दो दशकों से अधिक समय से भारत में देखे जाने वाले और पसंद किए जाने वाले शो को एक अलग पहचान दिलाई। नेटफ्लिक्स के जरिए उन्होंने अलग-अलग उम्र के दर्शकों का मनोरंजन किया है। अब इससे अनूठी कहानियों को शानदार तरीकों से पेश किया जाएगा।

अश्विनी की अगली फिल्म में वकील बनेंगी सोनाक्षी

सोनाक्षी सायकोलासिजल थ्रिलर फिल्मी निकिता रॉय में नजर आएंगी। जिसके निर्देशक उनके भाई कुश सिन्हा हैं। यह फिल्म 27 जून रिलीज हो रही है। इसमें परेश रावल और अर्जुन रामपाल भी हिस्सा हैं। उधर, सोनाक्षी अपनी पहली तेलुगु फिल्म जटाधारा ला रही हैं, वहीं उनकी वेब सीरीज हीरामंडी 2 और दहाड़ 2 भी कतार में हैं। बता दें कि पिछली बार सीरीज डब्बा कार्टेल में दिखीं ज्योतिका की नई फिल्म या सीरीज का ऐलान अभी नहीं हुआ है। इसके अलावा सोनाक्षी अश्विनी आएंगी। यह फिल्म काफी समय से चर्चा में थी, और अब इससे जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में ज्योतिका मुख्य भूमिकाओं में होंगी। यह पहला मौका होगा जब दोनों एक्ट्रेस साथ में नजर आएंगी। यह फिल्म पिछले 2 साल से चर्चा में थी, और अब जाकर इसके कलाकार फाइनल हुए हैं। यह एक कोर्ट रूम ड्रामा होगी, जिसमें सोनाक्षी और ज्योतिका वकील के रोल में नजर आएंगी।

अनुराग बसु की वजह से बदला अभिनय को लेकर मेरा नजरिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख मेट्रो... इन दिनों की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। बताया कि उन्हें इस बार पहले से ज्यादा आरामदायक और सहज महसूस हुआ। बता दें कि फातिमा ने इससे पहले अनुराग की फिल्म लूडो में साथ में काम किया था, जो महामारी के बीच रिलीज हुई थी। फातिमा ने खास बातचीत में बताया कि उस समय वह एक्टर के तौर पर असुरक्षित महसूस कर रही थीं। लेकिन जब वह सेट पर पहुंचीं, तो सब बदल गया। अनुराग बसु के काम करने के तरीके से वो काफी रिलैक्स रहीं।

फातिमा ने कहा, जब आप उनके काम करने के तरीके के सामने खुद को पूरी तरह छोड़ देते हो, तो आप बेफिक्र महसूस करते हो। आप ज्यादा सोचते नहीं, बल्कि अपने अंदर की आवाज पर भरोसा करते हो। यही मैंने महसूस किया। मुझे लूडो करते वक्त समझ आया कि मुझे क्या करना है। उस वक्त मैं एक्टर के तौर पर असुरक्षित महसूस कर रही थी, लेकिन सेट पर पहुंचकर सब बदल गया। अनुराग ने मुझसे कहा, अपने आप पर शक करना बंद करो। जो तुम कर रही हो वह सही है। उन्होंने आगे कहा, जब ऐसी बात अनुराग बसु जैसे बड़े निर्देशक की ओर से आती है, तो यह बड़ी बात होती है। उन्हें शायद पता नहीं कि उनके शब्दों का कितना असर होता है। मेरे जैसे नए एक्टर के लिए ये बात मेरे काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल गई।

फातिमा ने कहा, इस बात ने मेरी बहुत मदद की। मुझे लगता है कि मैं लूडो की तुलना में थोड़ा बेहतर एक्ट्रेस बन गई हूं। इसलिए इस बार काम करना मेरे लिए ज्यादा आसान था। उस वक्त भी काम आसान था, क्योंकि मैं पूरी तरह खुद को समर्पित कर चुकी थी। लेकिन इस बार मुझे लगता है कि मेरे पास अपने अभिनय पर थोड़ा ज़्यादा नियंत्रण है। मेट्रो... इन दिनों फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने पेश किया है। यह फिल्म अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर बनाई गई है। इस फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु, और तानी बसु हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 4 जुलाई को रिलीज होगी।

काजोल ने मां को बताया दुनिया की पहली माइथोलॉजिकल हॉरर

पांच साल के गैप के बाद काजोल माइथोलॉजिकल हॉरर फिल्म 'मां' से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। ये फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में लग जाएगी। ये पहली बार होगा, जब वो पर्दे पर एक्शन करते नजर आएंगी। साथ ही हॉरर जॉनर भी वो पहली बार ही कर रही हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान काजोल ने हॉरर फिल्म में काम करने का एक्सपीरियंस और चुनौतियों पर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म 'मां' को लेकर अपने स्प्रिचुअल कनेक्शन पर भी बात की।

काजोल, सबसे पहले तो आप ये बताएं कि आपके लिए मां का मतलब क्या है?

दुख में सुख में जो पहला शब्द मुंह से निकलता है, वो मां होता है। किसी भी पल में जब आपको अतिरिक्त शक्ति की जरूरत पड़ती है, तब मां का ही ख्याल आता है। ये एक शब्द इतना मायने रखता है कि आप अपनी मां को बुलाते हैं, माता को बुलाते हैं या कभी-कभी तो बस मुंह से मां यूं ही निकल जाता है। इस एक शब्द में कई सारे लेयर्स हैं।

पर्दे पर हमने आपका अलग-अलग अंदाज देखा है। आप हॉरर पहली बार कर रही हैं। इतने साल क्यों लगे?

मेरी फिल्म मां देश ही नहीं दुनिया की पहली माइथोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। मेरे जानने वाले जानते हैं कि मैं मां में कितना यकीन करती हूं। उन्हें लेकर मेरी कितनी श्रद्धा है। ये कहानी रक्तबीज और काली की कहानी है। मेरे पास जब स्क्रिप्ट आई तो मुझे इसका कॉन्सेप्ट बहुत पसंद आया। लगा कि मुझे ये करना चाहिए। हमने हॉरर कहकर इसकी शुरुआत नहीं की थी लेकिन धीरे-धीरे ये एक पावरफुल फिल्म बन गई। हमें हॉरर जैसे पावरफुल टर्म की जरूरत थी।

आपका मां काली के साथ एक स्प्रिचुअल कनेक्शन दिखता है। जब आप ये फिल्म कर रही थी तब उसका कोई इंफ्लुएंस रहा?

इसकी एक दिलचस्प कहानी है। मुझे जनवरी में अंदर से फीलिंग आ रही थी कि मुझे कामाख्या और दक्षिणेश्वर जाना था। लेकिन काम की वजह से वो हो नहीं पा रहा था। मैं वक्त नहीं निकाल पाई। कोई ना कोई बाधा आती गई। फिर एक दिन इस फिल्म का कॉल आया। आपको ये संयोग लगा सकता है लेकिन मैं इसे संयोग नहीं मानती। कहते हैं फिल्म बनाने में वक्त लगता है।

इस फिल्म में सब कुछ इतनी तेजी से हुआ है। कॉन्सेप्ट सुनने के 6 महीने बाद हमने शूटिंग शुरू कर दी। एक साल के अंदर फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। मुझे सचमुच ये अद्भुत लगता है। लगता है कि जरूर मां का हाथ सिर पर है और वो कह रही है कि तुमने सही स्टेप लिया है।

जब भी हॉरर फिल्में बनती हैं, तब सेट से कुछ कहानियां सुनने को मिलती हैं। क्या आपने सेट पर सुपरनैचुरल जैसा कुछ फील किया?

सेट पर ऐसी फीलिंग तो बहुत थी। हम कोलकाता में शूट कर रहे थे। हमने जो फिल्म कालीबाड़ी दिखाई है, वो जगह कोलकाता से साढ़े चार घंटे दूर एक गांव का लोकेशन है। हमने वहां पर रात में शूटिंग की है, पता नहीं क्यों। वो जगह सच में बहुत डरावना था। आपको हॉरर फिल्म शूट करने की जरूरत ही नहीं है क्योंकि वो जगह अपने आप में काफी डरावनी थी। हालांकि, वो जगह बहुत सुंदर भी है।

इस फिल्म में आपने कई इंटेंस और इमोशनल सीन्स किए हैं। आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

मेरे लिए ये फिल्म इमोशनली चैलेंजिंग रहा है। इस फिल्म बहुत सारा एक्शन भी है तो ऐसे में एक्शन सीन्स बहुत मुश्किल रहा। इसमें कितना कुछ है, जो कि एक्टिंग से बहुत दूर है। मेरे लिए इन चीजों को करना ज्यादा चैलेंजिंग रहा है।

फिल्म में दोईतो कौन है?

मैं आपको ये नहीं बताऊंगी, उसके लिए आपको फिल्म देखनी होगी। राक्षस राक्षस होता है। हम जिसे दानव या पिशाच कहते हैं। फिल्म में आपके विश्वास और राक्षस के बीच की लड़ाई है। राक्षस के सामने आपके विश्वास का पलड़ा भारी रहेगा या नहीं। ये फिल्म का सवाल है।

सेट की कोई यादगार बात या इमोशनल पल, जो आप बताना चाहें?

फिल्म का क्लाईमैक्स मेरे लिए इमोशनल मोमेंट था। वो शूट करने के बाद मुझे अजीब सा लगा। मैं एक मिनट के लिए चुप हो गई थी। मैं अभी आपको बताऊंगी तो अजीब लगेगा। आप जब फिल्म देखेंगे तो समझ आएगा कि मैं क्या और क्यों बोल रही हूं।